ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY

सूखा राहत जारी करने के लिए चुनाव आयोग से अनुमति मांगी गयी है: जयशंकर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-106

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताई भाजपा की प्रतिबद्धता

देश के लिए लाभकारी होगा 'एक राष्ट्र एक चुनाव'

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट तौर पर देश को यह बताया है कि एक राष्ट्र एक चुनाव हमारी प्रतिबद्धता है। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में भी एक राष्ट्र-एक चुनाव लागू करने का वादा किया है। प्रधानमंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा, एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर हमने समिति बनाई, जिसे कई लोगों ने अपने सुझाव दिए। योजना को लेकर सकारात्मक सुझाव आए हैं। अगर हम इस रिपोर्ट को लागू कर पाए तो देश को बहुत फायदा होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आने वाले समय में मैं देश के हित में और विकास में कई महत्वपूर्ण फैसले लेने वाला हूं, लेकिन यह स्पष्ट कर दूं कि मेरे निर्णय देश के समग्र विकास के लिए हैं। मेरे निर्णय किसी को डराने, दबाने के लिए नहीं हैं। मुझे किसी को डराने की जरूरत नहीं है। भाजपा का घोषणापत्र उन युवा मतदाताओं के साथ भी जुड़ा हुआ है, जो पहली बार मतदान करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, भाजपा सरकार के पास बड़ी योजनाएं हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, देश के लिए अभी तक जो किया वह तो सिर्फ ट्रेलर है, मैं यह इसलिए कहता हूं कि मेरे मन में बहुत बड़े-बड़े प्लान हैं। इससे किसी को डरने की जरूरत नहीं है। मेरे निर्णय किसी को डराने के लिए नहीं हैं। मेरे निर्णय किसी को दबाने के लिए भी नहीं हैं। मेरे निर्णय देश के सर्वांगीण विकास के लिए हैं। मेरे निर्णय जनकल्याण के लिए हैं। देश के युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने में मैं देर नहीं करना चाहता। मैं समय नहीं बिगाड़ना चाहता। उन्होंने कहा कि ज्यादातर सरकारों का स्वभाव है कि उन्हें लगता है कि उन्होंने सब कुछ कर लिया लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता कि मैंने सब कुछ कर लिया। मैंने ज्यादा से ज्यादा करने का प्रयास किया है। सही दिशा में जाने का प्रयास किया है। बावजूद इसके बहुत कुछ है, जो मुझे अभी करना है। मुझे पता है कि देश में बहुत चीजों की आवश्यकता है। हर परिवार के बहुत सपने होते हैं, उनका सपना कैसे पूरा किया जाए, वह मेरे दिल में है। इसलिए मैं कहता हूं कि जो हुआ वह बस ट्रेलर है। मैं अभी बहुत कुछ करना चाहता हूं।

अभी तो ट्रेलर है, यानी मेरे मन में कई योजनाएं हैं

मेरे निर्णय किसी को डराने या दबाने के लिए नहीं

चुनाव आयुक्त पहले एक ही परिवार का करीबी होता था

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहले जो लोग एक परिवार के करीबी होते थे, सिर्फ उन्हें ही चुनाव आयुक्त बनाया जाता था और उन्हें बाद में राज्यसभा या अन्य मंत्रालय भेज दिया था। पीएम ने कटाक्ष करते हुए कहा कि लेकिन हम उस स्तर का काम नहीं कर सकते।प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आज के समय में बेहतरीन काम कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि एजेंसी के 97 फीसदी केस ऐसे लोगों पर हैं, जो राजनीति में शामिल नहीं है। इतना ही नहीं पीएम ने कहा कि ईडी और सीबीआई से जुड़े कोई भी कानून भाजपा के समय में नहीं आए। बल्कि भाजपा सरकार चुनाव आयोग में बदलाव के लिए कानून लाई।पीएम मोदी ने कहा, एक ईमानदार आदमी को किसी से डरने की जरूरत नहीं है। पर जो भ्रष्टाचार से घिरे हैं, उनमें पाप का डर होता है। आज कितने विपक्ष के नेता जेल में हैं। मुझे कोई नहीं बताता। और क्या ये वही विपक्षी नेता हैं, जो सरकारें चलाते थे? ये पाप का डर है। आखिर एक ईमानदार व्यक्ति को किस बात का डर? जब मैं मुख्यमंत्री था, तब उन्होंने मेरे गृह मंत्री को जेल में डाल दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने केरल सरकार पर जमकर प्रहार किया

केरल में राजनीतिक हत्याएं बढ़ीं, कॉलेज आतंक के गढ़

⇨ असामाजिक तत्वों को केरल सरकार दे रही संरक्षण

⇨ कांग्रेस और लेफ्ट का केरल में आपराधिक गठजोड़

त्रिशूर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

केरल के त्रिशूर स्थित अलाथुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नया साल केरल में नई राजनीति की शुरुआत है। लोगों की खुशी और ऊर्जा बता रही है कि नया साल नई शुरुआत लेकर आया है। यह नया साल केरल के विकास का है। केरल में नई राजनीति की शुरुआत का साल है। आज केरल कह रहा है कि फिर एक बार, मोदी सरकार।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने दुनिया के सामने भारत को कमजोर देश की तरह पेश किया, लेकिन हमने भारत को मजबूत बनाया है। आगामी चुनाव भारत के उज्जवल भविष्य के लिए हो रहा है। एलडीएफ और यूडीएफ केरल की स्थिति को खराब कर रहे हैं। इन पार्टियों ने केंद्र सरकार से मिले फंड का गलत इस्तेमाल कर केरल के विकास को बाधित किया। आज केरल में राजनीतिक हत्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। कॉलेज कैंपस असामाजिक तत्वों का गढ़ बन गए हैं, जो सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ रहे हैं और इन लोगों को सरकार का भी संरक्षण प्राप्त है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ से सावधान रहें। केरल में कांग्रेस, लेफ्ट के लोगों को आतंकी बताती है, लेकिन दिल्ली में कांग्रेस और ये आतंकी साथ बैठते हैं, साथ खाते हैं और चुनाव के साथ रणनीति बनाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल में 73 लाख से ज्यादा लोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत फायदा मिला है। अब भाजपा ने ऐलान किया है कि जो लोग 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं, उन्हें आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा ने अपना संकल्प पत्र केरल नववर्ष विषु के अवसर पर लॉन्च किया।

धार्मिक कट्टरता चरम पर, हिंदू परिवार को मार डालने की धमकी

त्रिशूर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

केरल में वामपंथी पी विजयन की सरकार में इस्लामिक कट्टरता और वामपंथी सोच अपने चरम पर है। पहले सरकार का संरक्षण मिला अब सरकार को वे संरक्षण दे रहे हैं। केरल के ईसाई भी अब मुस्लिमों के लव-जेहाद से परेशान हैं। केरल के 20 मुस्लिम युवकों के सीरिया में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट में शामिल होने की खबरें सुर्खियां बन चुकी हैं। केरल से आए दिन मुस्लिम युवाओं को कट्टर बनाने, कट्टरता को बढ़ावा देने, कट्टरता पर आधारित स्कूल खोलने और युवाओं की गिरफ्तारियों की खबरें उजागर होती रहती हैं। केरल की कुल साढ़े तीन करोड़ आबादी में 25 प्रतिशत से अधिक मुसलमान हैं। एक छोटा सा गुट कट्टर सुन्नी इस्लाम को मानता है जिसे सलफ़ी मुस्लिम कहते हैं। केरल के त्रिशूर में जहां आज प्रधानमंत्री की सभा थी, वहीं सनातन धर्म और सनातन संस्कृति का पालन करने पर इस्लामिक कट्टरपंथी मानसिकता वाले मुस्लिमों द्वारा हिंदू परिवारों को प्रताड़ित करने का मसला सामने आया था।

बीआरएस नेता के कविता 23 अप्रैल तक हिरासत में

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

बीआरएस नेता के. कविता को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट से करारा झटका लगा है। कोर्ट ने उन्हें 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उनकी रिमांड खत्म होने पर आज कोर्ट के सामने पेश किया गया था। उन्हें हाल ही में दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। कोर्ट से निकलते वक्त बीआरएस नेता के. कविता ने कहा कि यह सीबीआई की हिरासत नहीं है, यह भाजपा की हिरासत है। भाजपा बाहर जो बोल रही है, अंदर से सीबीआई वही पूछ रही है, बार-बार दो साल का हिसाब मांग रही है, इसमें कोई नई बात नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी नहीं दी केजरीवाल को राहत

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने त्वरित राहत देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ईडी को नोटिस जारी कर 24 अप्रैल तक ब्यौरा पेश करने का निर्देश दिया है। अदालत अब केजरीवाल मामले पर 29 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दावा किया कि केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार से रोकने के लिए गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने मामले की अगली सुनवाई जल्दी करने की मांग की। इस पर कोर्ट ने कहा कि सुनवाई 29 अप्रैल से पहले नहीं की जा सकती। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने भी अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल 2024 तक बढ़ा दी है। केजरीवाल के वकील ने मामले को सुनवाई के लिए 19 अप्रैल को ही सूचीबद्ध करने की मांग की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया और मामले को सुनवाई के लिए 29 अप्रैल को सूचीबद्ध किया है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि केजरीवाल ने शराब नीति घोटाले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था, लेकिन हाईकोर्ट से उन्हें राहत नहीं मिली थी, जिसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

ईडी से मांगा ब्यौरा, 29 अप्रैल को होगी सुनवाई

चुनाव आयोग ने जब्त किए 4650 करोड़

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग ने बताया कि एक मार्च से अबतक हर दिन 100 करोड़ रुपए जब्त किए गए हैं। चुनाव के शुरू होने से पहले 4,650 करोड़ रुपए जब्त किए जा चुके हैं, जो कि 2019 लोकसभा चुनाव की तुलना में काफी अधिक है। दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल में हिंसा के बाद भारतीय चुनाव आयोग ने मुर्शिदाबाद के डीआईजी को हटाने का आदेश दिया। उनके खिलाफ ये कार्रवाई हिंसा मामले में तत्परता नहीं बरतने के आरोप में की गई है। राज्य में दो हिंसाओं में हथियार और गोला बारूदों का उपयोग किया गया था। लोकसभा चुनाव की घोषणा करते हुए आयोग ने कहा था कि चुनावी हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि देशभर में सात चरणों में लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं। चुनाव 19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को होंगे, जबकि नतीजे चार जून को जारी होंगे।

जयशंकर से वार्ता के बाद ईरान का फैसला

अपहृत जहाज पर फंसे 17 भारतीयों से मिलेंगे अधिकारी

तेहरान, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

इज़राइल-ईरान तनाव के बीच भारत के लिए राहत की खबर आई है। ईरानी विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान ने एलान किया है कि तेहरान जल्द ही भारत के अधिकारियों को उसके 17 लोगों से मुलाकात करने की अनुमति देगा। दरअसल, ईरान की नौसेना ने हाल ही में इज़राइल के अरबपति इयाल ओफर का मालवाहक जहाज अपने कब्जे में ले लिया था। इस जहाज पर 17 भारतीय भी सवार थे। इन लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए कल भारतीय विदेश मंत्री ने ईरान के विदेश मंत्री से बातचीत की थी।

ईरान की नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ओमान की खाड़ी में भारत की ओर आ रहे इज़राइली अरबपति के इस जहाज को अगवा कर लिया था। इस जहाज पर 17 भारतीय सवार थे। सबसे पहले हेलीकॉप्टर से इज़राइली जहाज पर हमला किया गया था और इसके बाद ईरान की नौसेना ने इस पर कब्जा कर लिया था। इस जहाज का नाम एमएससी एरीज है और उसे आखिरी बार शुक्रवार को दुबई से होर्मुज की ओर जाते हुए देखा गया था। बताया गया है कि जहाज ने अपना ट्रैकिंग डाटा बंद किया हुआ था। इज़राइल के जहाजों द्वारा इस क्षेत्र से गुजरते समय अक्सर ट्रैकिंग डाटा बंद कर दिया जाता है।

चुनावी बॉन्ड पर पुनर्विचार के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

न्यायसंगत माना तो खारिज क्यों किया?

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना पर रोक लगाने का ऐतिहासिक फैसला 15 फरवरी को सुनाया था। अब इस फैसले की समीक्षा की मांग की गई है। इसको लेकर शीर्ष अदालत में एक पुनर्विचार की याचिका दायर की गई है।

अधिवक्ता मैथ्यूज जे. नेदुमपारा द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका में कहा गया है कि इस अदालत ने योजना पर पूर्ण विचार किए बगैर उसे रद्द कर दिया।

बिना यह देखे कि ऐसा करने में यह संसद पर अपीलीय प्राधिकरण के रूप में कार्य कर रहा है, जो विशेष रूप से विधायी और कार्यकारी नीति के विशिष्ट क्षेत्र में आता है। नेदुमपारा ने अपनी याचिका में कहा, अदालत यह मानते हुए भी कि यह मुद्दा न्यायसंगत है, फिर भी इस पर ध्यान देने में असफल रही। याचिकाकर्ताओं ने किसी भी विशेष नुकसान का कोई दावा नहीं किया।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,320/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 85,585/-
(प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,399.78
-845.12 -1.14% ↓

एनएसई :22,272.50
-246.90 (-1.1%) ↓

कार्टून कॉर्नर

खुद बनाएंगे विमान से लेकर आयुध और शस्त्र से लेकर वस्त्र तक

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे ठोस कदम

लड़ाकू स्काड्रनों की कमी से जूझ रही वायुसेना की ताकत बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा 97 स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस एमके-1ए खरीदने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ एक बड़ा करार किया गया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा करीब चार महीने पहले तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमानों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी और अब इसके टेंडर को स्वीकृति प्रदान की गई है। किसी स्वदेशी सैन्य उपकरण की खरीद के लिए भारत सरकार की ओर से दिया गया यह अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। इन 97 तेजस विमानों की खरीद प्रक्रिया पूरी होने के बाद भारतीय वायुसेना की क्षमता कई गुना मजबूत हो जाएगी। वायुसेना के लिए 97 और एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमान खरीदने की योजना की घोषणा सबसे पहले वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी द्वारा स्पेन की धरती पर उस समय की गई थी, जब वह स्वदेशी लड़ाकू विमान सौदों को बढ़ावा देने की योजना के बारे में बता रहे थे।

शुभ-लाभ सरोकार

करीब 67 हजार करोड़ रुपए का तेजस विमानों की खरीद का यह नया करार तेजस विमानों की खरीद का दूसरा बड़ा सौदा है। इससे पहले भारतीय वायुसेना द्वारा फरवरी 2021 में 48 हजार करोड़ रुपए का 83 एमके-1ए लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दिया गया था, जिनकी पूरी खेप 2028 तक वायुसेना में शामिल किए जाने की संभावना है। उसके बाद 97 नए तेजस विमानों की आपूर्ति शुरू होगी। इन विमानों के आने के बाद भारतीय वायुसेना को मिग-21, मिग-23 और मिग-27 के अपने बेड़े को बदलने में मदद मिलेगी, जिन्हें या तो चरणबद्ध तरीके से हटा दिया गया है या फिर निकट भविष्य में हटाया जाना है। ऐसे में एलसीए तेजस आने वाले दशकों में भारतीय वायुसेना की लड़ाकू ताकत की मजबूत रीढ़ के रूप में उभरने वाला है।

फिलहाल नए ऑर्डर के तहत भारतीय वायुसेना की लड़ाकू जेट विमानों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए एचएएल द्वारा नासिक में एलसीए एमके-1ए के लिए एक नया कारखाना स्थापित कर दिया गया है।

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 22^0

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

संकल्प, सेवा एवं संस्कृति का संगम समारोह का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने संकल्प, सेवा एवं संस्कृति का संगम समारोह का भव्य आयोजन किया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने अपना बारहवां शपथ ग्रहण समारोह, अध्यक्षीय पुरस्कार वितरण के साथ साथ माता पिता पूजन तथा सभी स्टार्स सदस्यों के लिए सज्जनगोठ भी आयोजित किया। समारोह का संचालन शाखा सदस्य एवं प्रख्यात लेखक प्रतीक भारत पलोड़ ने किया। समारोह का प्रारम्भ दीप प्रज्वलन से होकर गणेश स्तुतियों पर स्टार्स सदस्य की पुत्री आशना के द्वारा सुन्दर नृत्य से हुआ। इसके बाद सत्र 2023-24 के शाखा अध्यक्ष संदीप चनानी ने सभी का स्वागत करते हुए अपने कार्यकाल में किये गए अभूतपूर्व कार्यों का विवरण दिया। साथ ही अतिथियों द्वारा वार्षिक विवरण पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

आयोजन के अगले पड़ाव में श्रेष्ठ सदस्यों को अध्यक्षीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। तत्पश्चात संस्थापक शाखा अध्यक्ष मनोज पोद्दार द्वारा नवीन कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों को शपथ ग्रहण कराई गयी।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष राहुल गोयनका ने पूर्व अध्यक्षों के पदचिन्हों पर चलते हुए सभी के सहयोग से मंच को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के प्रबल प्रयास का वचन दिया।

अगली कड़ी में समारोह में आये सभी विशिष्ट अतिथियों सहित विशिष्ट सामाजिक संस्थाओं फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी एकल अभियान, मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु सेंट्रल से आये पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त प्रतीक भारत पलोड़ को उनकी सांस्कृतिक और साहित्यिक उपलब्धियों के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके बाद विशेष रूप से आयोजित कार्यक्रम में सभी सदस्यों द्वारा पारम्परिक तरीके से अपने-अपने माता-पिता का पूजन किया गया। साथ ही शाखा सदस्य के अभिभावक गोविंद असावा ने स्वरचित मार्मिक मातृपितृ भजनों से सभी की आंखे नम कर दी और इनको भी विशिष्ट रूप से सम्मानित किया गया।

समारोह में मंच मार्गदर्शक एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच रवि सिंघानिया, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष सुशील बंसल, प्रांतीय अध्यक्ष नीतेश टिबड़ेवाल, शाखा सलाहकारों मुरारी लाल सरावगी, प्रभात किशनपुरिया, बिपिन टिबरेवाल आदि उपस्थित थे।

नि:शुल्क होमियोपैथी चिकित्सा केन्द्र का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी द्वारा प्रेरित जनसेवा-मानवीय सेवा के अंतर्गत तेरापंथ समाज राजाराजेश्वरी नगर द्वारा स्थानीय तेरापंथ भवन में नि:शुल्क होम्योपैथी क्लिनिक का शुभारम्भ किया गया।

संस्कारक छत्तर मालू एवं संजय भटेवरा ने सर्वप्रथम नमस्कार महामंत्र के स्मरण से समारोह का शुभारंभ किया। उसके बाद जैन विधि से मंत्रों की विधि सम्पन्न कराते हुए मंगलपत्र की स्थापना की एवं निर्विघ्न उपक्रम के चलने की मंगलभावना व्यक्त की। तेरापंथी ट्रस्ट, राजराजेश्वरी नगर के अध्यक्ष मनोज डागा ने संस्कारक एवं उपस्थित श्रावक समाज का स्वागत करते हुए कहा कि आज हमने मानव सेवा के महनीय उपक्रम के संचालन का शुभारम्भ किया है। इस चिकित्सा केन्द्र में सभी जाति, वर्ग के लोगों की नि:शुल्क चिकित्सा की जाएगी। मुख्य अतिथि तेरापंथ सभा, गांधीनगर के अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ तथा एनएचवीपीएस स्कूल की संचालिका ऐश्वर्या शिवकुमार ने मंगल मन्त्रोच्चार के बीच चिकित्सा केन्द्र का उद्घाटन किया। कमल सिंह ने कहा कि भवन निर्माण के समय से ही यह केन्द्र हमारी योजना का हिस्सा था जो आज सफल हुआ। चिकित्सक के रूप में डॉक्टर अनिता जैन सेवा देने हेतु सहर्ष तत्पर हुई। सभाध्यक्ष छत्रसिंह सेठिया, तेमम की अध्यक्ष सुमन पटावरी एवं तेयुप के मंत्री धर्मेश नाहर ने शुभकामनाएं व्यक्त की।

इस अवसर पर अनिल सुराना, गणपत कोठारी, राकेश छाजेड़, राजेश छाजेड़, राजेश भंसाली, हेमराज सेठिया आदि समाज के गणमान्य व्यक्तियों सहित समग्र श्रावक समाज ने ट्रस्ट के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त की।

कांग्रेस पार्टी ही व्यापारियों की सच्ची हितैषी: सिद्धार्थ बोहरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

व्यापारी वर्ग देश की आर्थिक गतिविधियों में रीढ़ की हड्डी जैसा होता है। देश की आर्थिक प्रगति में इस वर्ग का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है।

परंतु अगर सरकारी कायदे कानून से व्यापारी वर्ग को परेशानियों व उलझनों से दो चार होना पड़े तो निश्चय ही व्यापार एवं व्यापारी दोनों प्रभावित होते है। यह बात कर्नाटक कांग्रेस समिति अल्पसंख्यक विभाग के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने कही। बेंगलूरु ग्रामीण लोक सभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी डीके सुरेश के पक्ष में प्रचार करते हुए उन्होंने व्यापारियों से कहा कि व्यापारियों की सच्ची हितैषी पार्टी कांग्रेस को मत देकर देश की व्यापारिक उन्नति में सहायक बने। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में केंद्र सरकार की नीतियों के कारण छोटे एवं मध्यम वर्ग के व्यापारियों का व्यापार लगभग समाप्त होने की कगार पर है। आने वाले समय में ऐसे व्यापारियों के सामने आजीविका की भयंकर समस्या खड़ी होने वाली है। बेंगलूरु ग्रामीण लोक सभा क्षेत्र के पा-परेड्डी पाल्या में प्रचार करते हुए बोहरा ने कहा कि कर्नाटक सरकार की जनहितैषी पाँच योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरतमन्द तक समय से पहुँच रहा है और कर्नाटक की लाखों जनता को इन योजनाओं से राहत मिल रही है। जिसका सीधा असर लोक सभा चुनावों में देखने को मिलेगा। उन्होंने व्यापारी वर्ग से अपने-अपने क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताने का अनुरोध किया। उन्होंने अपने मताधिकार के उपयोग का जनमानस से विशेष अनुरोध किया है।

ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा क्रिकेट खिलाड़ियों की निलामी सम्पन्न

आगामी 5 मई को होगा आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ब्यावर संघ युवा शाखा बेंगलूरु द्वारा आगामी 5 मई को आयोजित होने वाले रैदासनी बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट हेतु खिलाड़ियों का ऑक्शन संपन्न हुआ। युवा शाखा के अध्यक्ष ललित डाकलिया ने कहा कि बीएसपीएल सीजन 2 टूर्नामेंट के लिए 12 टीमों के लिए 108 खिलाड़ियों का ऑक्शन हुआ। जिनकों टीम ओनर्स ने बढ़ चढ़कर बोली लगाकर खरीदा। उन्होंने आगे सभी का स्वागत करते हुए कहा कि स्वस्थ खेल स्पर्धाएं आयोजित करने से बच्चों और युवा वर्ग को खेलों की ओर प्रोत्साहन मिलता है और भारत सरकार भी खेलो इंडिया खेलो प्रोग्राम के तहत खिलाड़ियों को बढ़ावा देती है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में एंकर बिन्दु मेहता ने नवकार महामंत्र और गणेश वन्दना द्वारा मंगलाचरण किया। ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा, अध्यक्ष पदम चंद बोहरा, महामंत्री अरविन्द कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, सलाहकार ज्ञानचंद मेहता, बहादुर कांकरिया, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष विकास खटोड़, महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। स्पोर्ट्स कमिटी के संयोजक यशवन्त रांका, अंजन मेहता और रोशन लोढ़ा ने खेल के नियमों को सभी खिलाड़ियों और टीम ओनर्स को बताया। टेक्निकल टीम के भरत कोठारी, महावीर गुगलिया, कुनाल मरलेचा एवं मयंक छाजेड ने सहयोग प्रदान किया। भोजन समिति के अल्केश हिंगड़, मनीष बाफना और लकी बोहरा ने सभी के भोजन की व्यवस्था संभाली। टूर्नामेंट में मुख्य कप के प्रायोजक चेतन रैदासनी और ऑक्शन तथा पूरे खेल कार्यक्रम के दौरान फूड स्पॉन्सर जयप्रकाश मकाना हैं। सभी बारह टीमों को टी-शर्ट और कैप के अलग-अलग कलर टी शर्ट के स्पॉन्सर सज्जन राज कोठारी और कैप स्पान्सर पदम चन्द बोहरा ने लॉटरी द्वारा प्रदान किए। टॉस का बॉस स्पॉन्सर दिलीप कुनाल मरलेचा हैं जो खेल के दौरान प्रत्येक मैच में टॉस में मुख्य भूमिका निभाएंगे। बारह टीमों में चेतन रैदासनी और अमित डांगी की मां क्रियेशन्स, प्रदीप छाजेड़ की तनिष्कास तूफान, सज्जन सिंह खटोड़ की मणिधारी पैंथर्स, प्रवीण कक्कड़ की कक्कड़ वारियर्स, ललित बम्ब की एक्यूरेट चैलेंजर्स, दिनेश लोढ़ा की मां ऊर्जा स्विंगर्स, शैलेंद्र डाकलिया की मयूर कंप्यूटर मार्वल्स, ताराचंद मेहता की मेहतास 11, रूपचंद कुमट और महावीर पगारिया की महावीर फार्मलेंड स्मैशर्स, भागचंद श्रीश्रीमाल की एजिंग अवेंजर्स, लोकेश पंकज सांखला की आईटी 360 हब, विजय सिंघवी की सिंघवी वॉरियर्स में 5 मई को खेल के मैदान में घमासान होगा। खेल स्पर्धा हेतु 127 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन किया। सहमंत्री नरेश बोहरा ने सभी पधारे हुए सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया और खेल के दिन सभी सदस्यों से सहयोग का निवेदन किया। एंकर बिन्दु मेहता ने अपने अन्दाज में कार्यक्रम का संचालन किया।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 10 मई से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आगामी 10 से 16 मई तक मद्दुर में निर्धारित श्रीमद् भागवत कथा से पहले रविवार को कथा के मुखिया पारसमल पाण्डिया मद्दुर ने बेंगलूरु के अध्यक्ष पृथवीराज पाण्डिया, प्रकाश व्यास सुल्तान पालीया, जगदीश पुरोहित राजाजीनगर, कैलाश जोशी विजयनगर, गणपत पुरोहित राजाजीनगर, सतीश पुरोहित जोधपुर, विमलेश जोशी नागरभावी, रामअवतार जोशी मारथहल्ली, रमेश पुरोहित राजाजीनगर, अशोक जोशी सुल्तान पाल्या, विनोद पाण्डिया नगरपेट, सुनील पाण्डिया कब्बनपेट, दिनेश पुरोहित राजाजीनगर के साथ श्रीमद् भागवत कथा का पोस्टर व बैनर का विमोचन रुचीका सिल्क में किया। कथा व्यास श्री बह्मचारी पीठाधीश्वर स्वामी शिवेंद्र स्वरूप जी ऋषिकेश के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कराएंगे। कथा स्थल मद्दुर जिला मांड्या है। इस अवसर पर कथा के मुखिया परिवार ने समस्त समाज बंधुओं को निमंत्रण दिया और कथा का लाभ लेने का आह्वान किया।

भाजपा विविध भाषा प्रकोष्ट की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय जनता पार्टी मध्य लोकसभा क्षेत्र के विविध भाषा प्रकोष्ठ की बैठक रविवार को शहर के एस. आर. नगर स्थित सांसद कार्यालय में भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव इन्द्रचंद नाहर की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नाहर ने कहा कि कार्यकताओं को अपने बूथ पर मजबूती से खड़े रहकर मतदाता को घर से बूथ तक पहुंचाने का कार्य करना चाहिए। बूथ जीता तो चुनाव की जीत निश्चित रूप से संभव है। बैठक को विविध भाषी प्रकोष्ठ के प्रदेश सह समन्वयक शनिराज एवं प्रकोष्ठ के समन्वयक कांतिलाल राजपुरोहित ने भी सम्बोधित करते हुए अधिकाधिक मतदान की अपील की। इस मौके पर षणमुगम, मुकेश जाखड़, विशाल बोहरा, भूपेश कश्यप, अंजना शर्मा, प्रवीण जैन, प्रियंका झा, विनिता कॉल, रणजीत सिंह राजपुरोहित सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हर घर दादा गुरुदेव इक्तिसा पाठ का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी द्वारा प्रतिमाह हर घर इक्तिसा कार्यक्रम के अन्तर्गत रविवार को राकेश कुमार, ललित कुमार, शैलेन्द्र कुमार डाकलिया परिवार के निवास स्थान पर दादा गुरुदेव इक्तिसा पाठ सम्पन्न हुआ। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने गुरुदेव इक्तिसा हेतु पधारे सभी पुण्यशालियों का स्वागत अभिनन्दन किया। मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि अत्यंत ही चमत्कारी इक्तिसा पाठ प्रतिमाह के एक रविवार को संघ सदस्य के परिवार के निवास स्थान पर आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम में संगीत मंडल के सनी रांका, पारस पारख, राहुल लोढ़ा और श्री जिन कुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल की मीना भन्साली, ललित पालरेचा आदि सदस्यों ने गुरुदेव इक्तिसा के साथ बहुत ही सुंदर प्रभु भक्ति और गुरुदेव भक्ति के गीत सुनाए। इस अवसर पर मंडल के उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया और ललित डाकलिया द्वारा दीप प्रज्वलन के पश्चात शुरू हुए भक्ति कार्यक्रम में जवेरीलाल गुलेच्छा, राजीव जैन, पंकज बाफना, विकास खटोड़, रीटा पारख, आरती जैन, रेखा चौपड़ा के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में परमात्मा की बधाई के पश्चात संतोष, अनिता, चन्द्रकला, सरिता और कोमल डाकलिया ने दोनों संगीत मंडलों और पधारे हुए समस्त सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

दूसरे चरण के चुनाव के लिए

कई मशहूर हस्तियों ने अपना नामांकन पत्र किया दाखिल

शक्ति प्रदर्शन के साथ किया नामांकन दाखिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मद्देनजर विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए पसीना बहा रहे हैं। इसी बीच सोमवार को दूसरे चरण के चुनाव के लिए कई मशहूर हस्तियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। दूसरे चरण में 7 मई को 14 लोकसभा सीटों पर होने वाले मतदान में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर है और दोनों पार्टियों के उम्मीदवार शक्ति प्रदर्शन करते हुए मैदान में उतरे हैं। पूर्व मुख्यमंत्रियों बसवराज बोम्मई (हावेरी), जगदीश शेट्टर (बेलगावी), केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी (धारवाड़), गीता शिवराजकुमार (शिवमोग्गा), मृणाल हेब्बालकर (बेलगावी) और अन्य प्रमुख उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान कांग्रेस और बीजेपी प्रत्याशी हजारों कार्यकर्ताओं के साथ जुलूस के माध्यम से

पहुंचे और फिर अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे।

फिल्म अभिनेता शिवराजकुमार की पत्नी और कांग्रेस उम्मीदवार गीता शिवराजकुमार ने प्रतिष्ठित शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र से दूसरी बार अपनी किस्मत आजमाई है, जिसे लेकर चुनाव से पहले काफी हलचल है। शिवमोग्गा जिले के प्रभारी मंत्री मधुबंगारप्पा, शिवराजकुमार, विधायक गोपालकृष्ण गौड़ा, अप्पाजी गौड़ा समेत कई महत्वपूर्ण लोग और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता खुले वाहन में आये और अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। शिवमोग्गा के विपरीत, दिंगलेश्वर स्वामी ने धारवाड़ से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, जिसे राज्य ने प्रतियोगिता के कारण उजागर किया है। जोशी के साथ पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, विधायक अरविंद बेलाड समेत अन्य नेता मौजूद थे। भाजपा ने कांग्रेस और दिंगलेश्वर स्वामीजी को जवाब देने के लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को जुटाया था। नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले जोशी ने धारवाड़ की मुख्य सड़कों पर जुलूस निकाला। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के बेटे और कांग्रेस उम्मीदवार मृणाल हेब्बालकर ने बेलगावी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सहित जिले के विधायक और पार्टी नेता मौजूद थे। पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने बेलगावी से भाजपा उम्मीदवार के रूप में भारी समर्थन के बीच जिला कलेक्टर में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सांसद मंगला अंगड़ी, विधायक रमेश जारकीहोली, हनमंत निरानी, पूर्व विधायक अनिला बेनाके उपस्थित थे। बेलगावी जिले के एक अन्य निर्वाचन क्षेत्र चिक्कोडी में, भाजपा उम्मीदवार अन्ना साहेब जोले, जो दूसरी बार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, सीमित समर्थकों के साथ आए और नामांकन दाखिल किया। हावेरी से पहली बार किस्मत आजमाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भी नामांकन दाखिल किया।

नामांकन पत्र दाखिल करने का शुक्रवार को आखिरी दिन

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा, पूर्व मंत्री बीसी पाटिल, पार्टी नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। बागलकोट लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार पीसी गद्दीगौडर और कांग्रेस उम्मीदवार संयुक्ता पाटिल ने नामांकर भरा। सोमवार को कुछ प्रत्याशियों ने सांकेतिक तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और बताया जा रहा है कि वे एक-दो दिनों में फिर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने का शुक्रवार को आखिरी दिन है, उम्मीदवार शुभ मुहूर्त की तलाश में नामांकन पत्र दाखिल कर रहे हैं। शिवमोग्गा, दावणगेरे, हावेरी, धारवाड़, बेलगावी, चिक्कोडी, उत्तर कन्नड़, बेल्लारी, रायचूर, कोप्पल, बागलकोट, बीजापुर, बीदर, कलबुर्गी लोकसभा सीटों पर 7 मई को मतदान होगा।

कुमारस्वामी के माफी मांगने के बाद भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा नहीं रुका

प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अपने बयान पर माफी मांगने के बाद भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ विरोध जारी रखा। लोकसभा चुनाव के मैदान में यह बयान कांग्रेस के लिए हथियार बन गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य भर में तालुक स्तर पर महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया और जिला अधिकारियों के माध्यम से चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई और एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की और पंचखत्री योजना की महिला लाभार्थियों को विरोध करने के लिए बुलाया। बैठक के बाद पत्रकारों से वार्ता में शिवकुमार ने कहा हम माफी और अफसोस जैसे नाटक स्वीकार नहीं कर सकते। इसलिए महिलाएं विरोध जारी रखेंगी।

ये गुमराह करने वाला बयान सियासी गलियारे में खूब शोर मचा रहा है। कुमारस्वामी द्वारा पंचखत्री योजना के महत्व को कम करने को लेकर दिया गया बयान निर्णायक मोड़ बन गया है। कांग्रेस ने अपने बयान को सही ठहराते हुए महिलाओं के मुद्दे पर जमकर अपनी बात आम लोगों को समझाने का फैसला किया है। कुमारस्वामी, जो लोकसभा चुनाव क्षेत्र में सभी भाजपा नेताओं को पछाड़कर सबसे प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभरे थे, को एक पावरहाउस के रूप में पेश किया गया था। लेकिन उनके कथित तौर पर बेतुके बोल से जेडीएस और बीजेपी गठबंधन को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। राज्य में महिला मतदाताओं का प्रतिशत 50 है और वे निर्णायक हैं। कांग्रेस पार्टी पहले ही पंचखत्री योजनाओं के जरिए महिला मतदाताओं का समर्थन हासिल करने में सफल रही थी। इस बीच, जद (एस) और भाजपा महिला मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए तरह-तरह के सर्कस चला रहे थे। अब कुमारस्वामी के बयान से काफी शर्मिंदगी हुई है और ऐसी स्थिति बन गई है कि लोग इसकी भरपाई के लिए हाथ-पांव मार रहे हैं।

संपत्ति अधिग्रहण मामला: डीके शिवकुमार ने कुमारस्वामी को दी खुली चुनौती

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी को चुनौती दी है कि संपत्ति अधिग्रहण के मुद्दे पर हिट एंड रन बयान देने के बजाय, उन्हें दस्तावेजों के साथ विधानसभा में खुली चर्चा के लिए आना चाहिए। यहां आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी बार-बार मेरी संपत्ति की चर्चा करते हैं। बीजेपी ने बयान दिये, सीबीआई, ईडी ने जांच की। कुमारस्वामी ने कई बार इस संपत्ति का जिक्र किया है। मेरी भी संपत्ति के दस्तावेज लेकर आएं, मैं भी उनकी और उनके परिवार की संपत्तियों के दस्तावेज लेकर आऊँगा। कुमारस्वामी, उनके बड़े भाई और एक अन्य व्यक्ति जो सरकारी सेवा में थे, की सम्पत्ति पर विधानसभा में ही चर्चा होने दे ताकि उनके पास कितनी संपत्ति है और उसमें कितनी वृद्धि हुई है, इसका विवरण आधिकारिक तौर पर दर्ज किया जा सके। कुमारस्वामी ने कांग्रेस सरकार की गारंटी योजनाओं की महिला लाभार्थियों के बारे में हल्के ढंग से बात की और उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई। उन्होंने महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा, हम उनकी माफी और अफसोस के नाटक को स्वीकार नहीं करेंगे। बता दें कि कुमारस्वामी, जो पंचखत्रियों के आलोचक हैं, ने अपने और भाजपा में अपने लाभार्थियों से इस योजना का उपयोग न करने का आह्वान किया है। शिवकुमार ने कहा उनकी पार्टी के कम से कम 5 कार्यकर्ताओं को योजना छोड़ने दिजिए, फिर वे आलोचना करें। यह सच है कि अतीत में उन्होंने बीजेपी को सत्ता से बाहर रखने के लिए

कुमारस्वामी के साथ गठबंधन किया था। अब उन्हें उन लोगों से परेशानी नहीं हो रही है जिन्होंने उनकी सरकार छीन ली। जब सुरेश अंगड़ी, जो केंद्रीय मंत्री और बेलगावी से सांसद भी थे, की कोविड के दौरान दिल्ली में मृत्यु हो गई, तो भाजपा सरकार उनके शव को दाह संस्कार के लिए उनके गृहनगर वापस नहीं ला सकी। जेसीबी से शव का अंतिम संस्कार किया गया। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने कम से कम मानवता भी नहीं दिखाई। पिछले 10 साल से सत्ता पर काबिज बीजेपी को जनता को बताना चाहिए कि उसने पिछले चुनाव में कितने वादे किये और उनमे से कितने पूरे किए थे। फिर नया घोषणापत्र जारी किया जाना चाहिए। क्या 15 लाख लोगों के खाते में डाला गया? क्या किसानों की आय दोगुनी हुई? क्या रोजगार पैदा हुआ? कोविड के दौरान 20 लाख करोड़ का पैकेज किसे दिया गया? भाजपा ने इस बार राज्य में 14 सांसदों को टिकट नहीं दिया है। अगर आपको जीत का भरोसा है या आपको लगता है कि सांसद ने अच्छा काम किया है तो लोगों को बताएं कि उन्हें टिकट क्यों नहीं दिया गया। क्या मौजूदा सांसद अक्षम हैं। क्या टिकट किसी और को नहीं दिया गया क्योंकि उन्हें डर था कि अगर उन्हें मैदान में उतारा गया तो वे जीत नहीं पाएंगे?

सूखा राहत जारी करने के लिए चुनाव आयोग से अनुमति मांगी गयी है: जयशंकर

एनडीआरएफ राहत जारी करने के लिए केंद्र के अपने नियम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के तहत केंद्र से सूखा राहत जारी करने के लिए चुनाव आयोग से अनुमति मांगी गई है। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ राहत जारी करने के लिए केंद्र के अपने नियम हैं। हमने चुनाव आयोग से अनुमति देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि गेंद आयोग के पाले में है। सिर्फ कर्नाटक ही नहीं बल्कि कई राज्यों ने सूखा राहत जारी करने का अनुरोध किया है। हमने बिना किसी भेदभाव के किसी भी राज्य को उतना पैसा जारी किया है जितना कानून द्वारा आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। पिछले लोकसभा चुनाव में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी ने 300 से ज्यादा सीटें जीतीं और अपने दम पर सत्ता में आई। इस बार देश में कहीं भी सत्ता विरोधी लहर नहीं है। मोदी के प्रशासन

की पूरे देश में सराहना हो रही है। ऐसे में उन्होंने भरोसा जताया कि वह तीसरी बार सत्ता में जरूर आएंगे। 300 सीटें जीतने वाली बीजेपी के लिए इस बार 400 सीटें जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी भारतीयों को मोदी के नेतृत्व पर भरोसा है और वे दोबारा सत्ता देने के लिए तैयार हैं। हम सभी को फिर से मोदी का हाथ मजबूत करना है। बीजेपी का घोषणापत्र जारी हो गया है। हमारी दस साल की उपलब्धि लोगों के सामने है। इसमें अगले पांच साल के वादे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने मोदी के विकसित भारत की गारंटी के बारे में बताया है। दस साल पहले देश की अर्थव्यवस्था खराब थी। आज देश की अर्थव्यवस्था आदर्श है। हमारी सरकार ने सभी वर्गों के विकास पर जोर दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार का बचाव करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्ति मिली है। हमारे देश में सबसे पहले कोरोना की वैक्सीन आई। कोविड के बाद अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए कई सुधार कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रति वर्ष औसतन 8 हवाई अड्डे बनाने, बुनियादी ढांचे में सुधार और आतंकवादी गतिविधियों को दबाने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। 80 करोड़ लोग पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभार्थी हैं। यह प्रोजेक्ट अगले पांच साल तक जारी रहेगा। आवास योजना में अगले पांच साल में तीन करोड़ मकान बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत का विस्तार, रोजगार के प्रचुर अवसर, स्टार्टअप के लिए मुद्रा योजना का विस्तार, सुरक्षित भारत, आतंकवाद की रोकथाम, सीमाओं की सुरक्षा और आने वाले वर्षों में भारत को तीसरी अर्थव्यवस्था वाला देश बनाने का लक्ष्य रखा गया है। हम साइबर अपराध की चुनौती का डटकर सामना कर रहे हैं। बेंगलूरु के लिए उपनगरीय ट्रेन परियोजना, दूसरे हवाई अड्डे के टर्मिनल का निर्माण, आईटीबीटी कंपनियों को मजबूत करने का काम है। एचएएल और उसके शेयर दस साल पहले खतरे में थे। अभी इसके शेयर की कीमत 3 हजार रुपये पार है। एचएएल ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। भारतीय जहाज के ईरान के कब्जे में होने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि देश ही नहीं विदेश में भी मोदी गारंटी हैं। मैंने हमारे भारतीयों की रिहाई के बारे में ईरानी सरकार से बात की है। रविवार को इस संबंध में सकारात्मक चर्चा हुई।

ईरान जल्द से जल्द भारतीयों को रिहा कर देगा

हमारे विदेश विभाग के अधिकारियों ने ईरान की हिरासत में रहने वाले भारतीयों से मुलाकात की है। ये हमारे लिए सुकून की बात है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि ईरान जल्द से जल्द भारतीयों को रिहा कर देगा। अमेरिका में भारतीय छात्रों की सिलसिलेवार संदिग्ध मौत के मामले पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि इससे हमें काफी चिंता हुई है, उन छात्रों के परिवारों को इस रूप में एक त्रासदी का सामना करना पड़ा है। मैं मृतकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और उनके परिवारों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। अमेरिका में भारतीय छात्र कई कारणों से मर रहे हैं। दूतावास के अधिकारियों को नए छात्रों के वहां जाने पर उन पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है। अमेरिका में छात्रों की सुरक्षा और संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। हम भारतीय छात्रों और वहां काम करने वाले लोगों के बारे में जानकारी अपलोड कर रहे हैं।

सैलून मालिक को चाकू मारने वाला गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर की दक्षिण पुलिस ने बोलार में एक सैलून मालिक को चाकू मारने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बंतवाल के बारीमारू का मूल निवासी आनंद सपल्या (49) जो वर्तमान में बोलार में रहता हैं, को पुलिस ने पकड़ लिया। घटना के पीड़ित एडविन विनय कुमार (65) हैं, जो मूल रूप से केरल के हैं और बोलार में रहते हैं। आनंद सपाल्या अक्सर एडविन के सैलून में आता था और गंदी भाषा में बात करता था। शनिवार को नशे की हालत में आनंद सैलून में घुस गया और एडविन से बहस करने लगा। इसके बाद, आनंद सैलून के बगल में स्थित अपने घर लौटा, एक चाकू निकाला और एडविन के सीने में वार कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एडविन अस्पताल में ठीक हो रहे हैं और कथित तौर पर खतरे से बाहर हैं। आनंद के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है।

अंबेडकर जयंती जुलूस के दौरान एक युवक की चाकू मारकर हत्या

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां अशोक नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत न्यू जेवर्गी रोड के राष्ट्रपति चौक पर रविवार देर रात डॉ अंबेडकर की जयंती के जुलूस के दौरान एक 26 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक आकाश अंजनेय है और पुलिस अधिकारियों का दावा है कि उसका दोस्त नवीन उसकी हत्या करने के बाद से फरार है। दोनों दोस्त छोटी-छोटी बातों पर एक-दूसरे से लड़ते थे और मतभेद भुलाकर डॉ. अंबेडकर की जयंती समारोह में हिस्सा लिया था। रविवार की सुबह फिर से झगड़ने के बाद स्थानीय लोगों ने उनका विवाद सुलझा लिया था, लेकिन कथित तौर पर नवीन ने रात में जुलूस के दौरान आकाश की पीठ में चाकू मार दिया और कार्यक्रम स्थल से भाग गया। गंभीर रूप से घायल होने पर लोगों ने लहूलुहान युवक को अस्पताल पहुंचाया। हालाँकि, इलाज का असर न होने पर उसकी मौत हो गई। माना जा रहा है कि आरोपी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया है और पुलिस अधिकारियों ने उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बिलागी के पास होन्याल गांव में रविवार शाम एक सड़क दुर्घटना में पांच मजदूरों की मौत हो गई। यह घटना उस वक्त की है जब वे काम के बाद घर जा रहे थे तो पत्थरों से लदी एक लॉरी पलट गई, जिसके नीचे वे कुचले गए। वे सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। मृतकों में 70 वर्षीय यानकप्पा टोमाट्टी, उनकी पत्नी, 60 वर्षीय यल्लव्वा टोलमट्टी, 35 वर्षीय बेटा पुंडलिक यानकप्पा, 45 वर्षीय बेटी नागव्वा अशोक और 50 वर्षीय दामाद अशोक निंगप्पा बम्मनन्नावर शामिल हैं। बिलागी थाने में मामला दर्ज कराया गया है।

कांग्रेस उम्मीदवार ने डीके जिले में बीसी के विकास का किया वादा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिले से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार पद्मराज आर पुजारी ने सामाजिक विकास के लिए राजनीति में अवसर का उपयोग करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। पनाम्बुर के सुंदरी लक्ष्मण बंगेरा सभागार में आयोजित एक बैठक के दौरान उन्होंने पिछड़े समुदायों की उन्नति के लिए अपने समर्पण पर जोर दिया। पद्मराज ने कहा मैंने कभी भी राजनीति में करियर बनाने की इच्छा नहीं की। हालाँकि, दूसरों के प्रोत्साहन के कारण मुझे इस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैंने हमेशा ब्रह्मश्री नारायण गुरु के आदर्शों को बरकरार रखा है और सामाजिक कार्यों में लगा हूं। अब, राजनीति में अवसर के साथ, मैं पिछड़े समुदायों और समाज के आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के उत्थान पर ध्यान केंद्रित करने का इरादा रखता हूं। मैं नियमित रूप से हर तीन महीने में सभी समुदायों के लोगों से उनकी शिकायतों के संबंध में जानकारी मांगूंगा। इसके अलावा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल सार्वभौमिक रूप से सुलभ होनी चाहिए। बैठक में केपीसीसी सदस्य इनायत अली, पनाम्बुर मोगवीरा महासभा के अध्यक्ष माधव सुवर्णा, गुरिकारा अमरनाथ सुवर्णा, पुरूषोत्तम चित्रपुरा और युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष गिरीश अल्वा ने भाग लिया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा कांग्रेस को समर्थन देने से लद्दाख में नाराजगी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 15 अप्रैल।

मैगससे पुरस्कार से सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा छेड़े गए आंदोलन के कारण जो लद्दाख क्षेत्र एक बार फिर से चर्चा में है वह संसदीय चुनावों को लेकर भी चर्चा में आ गया है। दरअसल नेशनल कॉन्फ्रेंस की लद्दाख इकाई क्षेत्र की एकमात्र लोकसभा सीट कांग्रेस को आवंटित करने के पार्टी आलाकमान के कदम से नाखुश है और इसके खिलाफ जाने के लिए विभिन्न विकल्प तलाशने के लिए जल्द ही करगिल में वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक आयोजित करने पर विचार कर रही है। करगिल इकाई ने यह भी संकेत दिया है कि वे लेह के लोगों द्वारा संयुक्त रूप से मैदान में उतारे जाने वाले उम्मीदवार को ही समर्थन देंगें।

अगर पार्टी के अंदरूनी सूत्रों पर विश्वास किया जाए, तो करगिल और लेह जिलों के वरिष्ठ नेता हाल ही में दो दलों द्वारा संसद चुनावों के लिए गठबंधन करने के बाद कांग्रेस के लिए लद्दाख सीट छोड़ने के पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के फैसले से नाराज थे। करगिल के नेकां नेताओं का कहना था कि यह निर्णय उन्हें विश्वास में लिए बिना एकतरफा और जल्दबाजी में लिया गया था और इसके जमीनी स्तर पर गंभीर परिणाम होंगे।

एक नाराज पार्टी नेता ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए बताया। कि पिछले साल अक्टूबर में, हम लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद करगिल में कुल 17 में से 12 सीटें जीतकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरे, जिस पर उसने अपने उम्मीदवार उतारे, जबकि कांग्रेस 10 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। नवगठित परिषद के नेतृत्व वाले नेकां द्वारा कई जन-समर्थक फैसले लेने के बाद हमने जिले में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली थी।

उन्होंने कहा कि गठबंधन की व्यवस्था से लद्दाख में पार्टी के आधार पर बुरा असर पड़ेगा, जबकि कांग्रेस, जो धीरे-धीरे क्षेत्र में इसका आधार थी, इस फैसले से निश्चित रूप से मजबूत होगी। हमारे लिए, संसद लद्दाख के लोगों के वास्तविक मुद्दों को उठाने का एकमात्र मंच है, जो विधानसभा रहित केंद्र शासित प्रदेश है। करगिल के नेकां नेताओं ने संकेत देते हुए कहा कि पार्टी गठबंधन सहयोगी-कांग्रेस के साथ किसी भी टकराव से बचने के लिए एक प्रॉक्सी उम्मीदवार को मैदान में उतार सकती है।

हालांकि नेकां के अतिरिक्त महासचिव कमर अली अखून ने कहा कि वह जम्मू में हैं और करगिल पहुंचने के बाद वह जल्द ही पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ (संसदीय चुनाव के लिए उनकी योजनाओं और कांग्रेस को समर्थन देने के बारे में) चर्चा करेंगे। उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि निश्चित रूप से, निर्णय करगिल जिले में पार्टी के मजबूत आधार को प्रभावित करेगा। नेकां और कांग्रेस के बीच सीट-बंटवारे के फॉर्मूले के अनुसार, नेशनल कॉन्फ्रेंस अनंतनाग-राजौरी, मध्य कश्मीर (श्रीनगर) और उत्तरी कश्मीर (बारामुल्ला) में चुनाव लड़ेगी। इसी तरह, कांग्रेस को तीन सीटें आवंटित की गई हैं, जिनमें जम्मू-रियासी, कठुआ-उधमपुर-डोडा और लद्दाख शामिल हैं।

दूसरी ओर, लद्दाख की राजनीति में प्रमुख खिलाड़ी कांग्रेस और नेकां के बीच गठबंधन निश्चित रूप से भाजपा की चिंताओं को बढ़ाएगा, जो लद्दाख के लोगों द्वारा शुरू किए गए विरोध प्रदर्शन और भूख हड़ताल के कारण क्षेत्र में कठिन समय का सामना कर रही है। दो प्रमुख मांगों के पक्ष में-लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में इसका समावेश।

भाजपा ने लगातार दो लोकसभा चुनावों में लद्दाख संसदीय सीट जीती। 2014 के लोकसभा चुनाव में अनुभवी राजनेता थुपस्तान छेवांग ने भाजपा उम्मीदवार के रूप में इस सीट पर केवल 36 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। 2019 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा उम्मीदवार जामयांग त्सेरिंग नामग्याल, जो उस समय एलएएचडीसी लेह के अध्यक्ष-सह-सीईसी थे, ने प्रभावशाली जीत दर्ज की।

हालांकि, इस बार भगवा पार्टी को विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक समूहों से तीव्र राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है, जो कि लद्दाख में एकमात्र लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवार को अंतिम रूप देने में देरी से स्पष्ट है, इस तथ्य के बावजूद कि भाजपा ने 2019 में इसे (लद्दाख) एक अलग केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा देकर लद्दाखी लोगों की दशकों से लंबित मांग को पूरा किया है। 2019 के लोकसभा चुनावों के लिए लद्दाख निर्वाचन क्षेत्र के लिए भाजपा के चुनाव घोषणापत्र में, पार्टी ने बिंदु संख्या तीन पर, लद्दाख को भारतीय संविधान की छठी अनुसूची (जनजातीय क्षेत्र) के तहत घोषित करने का वादा किया था जिसे पूरा करने के लिए अब लद्दाख आंदोलन की राह पर है।

बेटे के लिए बाप और मां के लिए बेटी जुटी है प्रचार में

जम्मू, 15 अप्रैल (ब्यूरो)। कश्मीर का चुनावी परिदृश्य इस बार एक अलग नजारा भी दिखा रहा है। अगर एक बाप अपने बेटे की जीत के लिए प्रचार मैदान में है तो दूसरी ओर एक बेटी भी प्रचार मैदान में उतर चुकी है। हालांकि यह बात अलग है कि दोनों के संसदीय क्षेत्र अलग अलग हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व सांसद डॉ. फारूक अब्दुल्ला इस बार खुद चुनाव मैदान में नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया हो बल्कि वे जल्द होने वाले विधानसभा चुनावों में किस्मत आजमाते हुए खुद को मुख्यमंत्री पद के लिए पेश करना चाहते हैं। इसलिए वे अपने बेटे उमर अब्दुल्ला के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री के तौर पर राजनीतिक सफर पूरा करने वाले उमर अब्दुल्ला इस बार बारामुला सीट से मैदान में हैं। उन्होंने श्रीनगर संसदीय क्षेत्र को इस बार छोड़ दिया है जो हमेशा से अब्दुल्ला परिवार की बपौती समझा जाता था। उन्हें उम्मीद है कि उनके अब्बाजान डॉ. फारूक अब्दुल्ला उनके लिए वोट जरूर बटोर लेंगे।

इसी तरह से पीडीपी उम्मीदवार और अपनी मां महबूबा मुफ्ती के पक्ष में उतरीं इल्तिजा ने कहा कि वह यहां लोगों के बीच महबूबा मुफ्ती की बेटी के रूप में नहीं बल्कि पार्टी की एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में आई हूं। महबूबा मुफ्ती को उन्होंने राजौरी-अनंतनाग के लोगों के लिए सही विकल्प के रूप में स्थापित किया। इल्तिजा ने कहा कि वह लोगों के मुद्दों को उठाएंगी क्योंकि हम जानते हैं कि 2019 से जम्मू-कश्मीर में क्या हो रहा है। इल्तिजा मुफ्ती ने भाजपा की राजनीतिक चालों पर कहा कि अब वह अपने प्रतिनिधियों पर भरोसा कर रहे हैं। उन्होंने कश्मीर घाटी में उम्मीदवार उतारने में भाजपा की अनिच्छा की ओर इशारा करते हुए स्थानीय समर्थन जुटाने में आत्मविश्वास की कमी का संकेत दिया। इल्तिजा मुफ्ती ने जनता की चिंताओं को समझने की महबूबा मुफ्ती की क्षमता को रेखांकित किया।

आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा देने का उप राष्ट्रपति ने किया आह्वान

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कहा है कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था और जनता को लाभ होगा।

उप राष्ट्रपति ने सोमवार को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी (एनएडीटी) में भारतीय राजस्व सेवा के 76वें बैच के समापन समारोह को संबोधित करते आयकर विभाग के अधिकारियों से आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा देने का आग्रह करते हुए सुझाव दिया कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज को भरपूर लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों को स्थानीय लोगों के लिए मुखर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे देश को तीन बड़े लाभ होंगे- पहला, परिहार्य आयात के कारण विदेशी मुद्रा बर्बाद नहीं होगी, दूसरा, हमारे युवाओं के लिए रोजगार पैदा होगा और तीसरा, देश में उद्यमिता एक बड़ी छलांग लगाएगी। देश में कर प्रशासन के बढ़ते डिजिटलीकरण और फेसलेस ई-असेसमेंट प्रणाली जैसे पारदर्शिता उपायों पर उप राष्ट्रपति ने कहा कि इससे कर व्यवस्था में नयी शुरुआत हुई है और आयकर विभाग ईमानदार को सम्मान देने के अपने उद्देश्य को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा, एक ऐसा समाज जो ईमानदारों का सम्मान करता है और बेईमानों को पुरस्कृत नहीं करता, वह समाज शांति, सद्भाव और विकास के लिए स्थिर होता है।

श्री धनखड़ ने कहा कि आज भारत में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य-सहिष्णुता के नए मानदंड के अनुरूप है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सत्ता के गलियारों में भ्रष्ट तत्वों को पूरी तरह से निष्प्रभावी कर दिया गया है और भ्रष्टाचार अब अवसर का पासपोर्ट नहीं है। यह निश्चित रूप से जेल जाने का रास्ता है।

सेना प्रमुख उज्बेकिस्तान की चार दिन की यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे सोमवार को उज्बेकिस्तान की चार दिन की यात्रा पर रवाना हो गए। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि जनरल पांडे की 15 से 18 अप्रैल तक की चार दिन की यात्रा भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जनरल पांडे उज्बेकिस्तान के शीर्ष रक्षा नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे जिसमें उज्बेकिस्तान के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल बखोदिर कुर्बानोव, सशस्त्र सेनाओं के प्रमुख मेजर जनरल खलमुखामेदोव शुखरात गेरेतजानोविच और चीफ ऑफ एयर डिफेंस एंड एयर डिफेंस फोर्सेज मेजर जनरल बुर्खानोव अहमद जमालोविच शामिल होंगे। बैठक में दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत बनाने के बारे में बात की जायेगी। सेना प्रमुख 16 अप्रैल को भारत के दूसरे प्रधानमंत्री दिवंगत लाल बहादुर शास्त्री के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद वह दूसरे विश्व युद्ध में उज्बेकिस्तान के योगदान और बलिदान को स्मरण करते हुए विक्ट्री पार्क का दौरा करेंगे। जनरल पांडे उज्बेकिस्तान के गौरवशाली अतीत और सांस्कृतिक परिदृश्य की जानकारी के लिए टर्मेज संग्रहालय और सुरखंडार्य क्षेत्र के ऐतिहासिक स्मारकों का भी दौरा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सहयोग के नए रास्ते तलाशने के अलावा भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करना है।

मोदी सरकार में भारत नई ऊंचाइयां छू रहा है: राजनाथ

श्रीनगर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत नयी ऊंचाइयां छू रहा है। श्री सिंह ने जम्मू-कश्मीर की जनता से कठुआ-उधमपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार डॉ. जितेंद्र सिंह के पक्ष में मतदान करने का आग्रह करते हुए कहा कि भाजपा महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और पार्टी लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर में सभी सीटें जीतेगी। उधमपुर सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होने वाला है।

केन्द्रीय मंत्री ने कठुआ जिले की बशोली तहसील में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सभी मोर्चों पर विश्व स्तर पर सबसे मजबूत देश बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में श्री मोदी ने 70 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा सुनिश्चित की है, चाहे वे किसी भी आय वर्ग के हों। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक का उल्लेख करते हुए कहा कि आज विश्व भर में सबसे अच्छी सेनाओं में शुमार भारत की सेना सीमा पार दुश्मनों के घर में घुसकर उन पर हमला करने में सक्षम हैं।

रक्षा मंत्री ने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस पर तंज कसते हुए आरोप लगाया कि इन राजनीतिक दलों ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए अनुच्छेद 370 का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि सुश्री महबूबा मुफ्ती ने कहा था, अगर अनुच्छेद 370 खत्म कर दिया जाएगा तो जम्मू-कश्मीर में कोई भी तिरंगा नहीं उठायेगा, लेकिन हर घर और सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज शान से लहरा रहा है।

आदिवासियों के अविकसित होने के लिए माकपा और कांग्रेस जिम्मेदार: अमित शाह

शाह ने त्रिपुरा के लिए व्यापक विकास योजना का किया वादा

अगरतला,15 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगामी संसदीय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का दावा करते हुए सोमवार को त्रिपुरा के लिए एक व्यापक विकास योजना का वादा किया। श्री शाह ने उनाकोटी जिले के कुमारघाट में भाजपा उम्मीदवार कृति देवी देववर्मन के पक्ष में अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राज्य में आदिवासियों के अविकसित होने के लिए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस दोनों की आलोचना की। उन्होंने कहा, कम्युनिस्टों ने हमेशा विधानसभा में 20 आदिवासी आरक्षित सीटें जीतीं, लेकिन निर्दोष युवाओं को हथियार उपलब्ध कराने, गरीबी और पीड़ा देने के अलावा उनके लिए कुछ नहीं किया। पिछले 10 वर्षों में मोदी जी ने आदिवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाया और 24 वर्षों की दुर्दशा के बाद मिजोरम के 40,000 विस्थापित ब्रू लोगों को त्रिपुरा में अच्छी बस्तियां मिलीं।

गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने आदिवासी विकास को अपनी प्राथमिकता दी है और यह तब साबित हुआ जब द्रौपदी मुर्मु देश की राष्ट्रपति बनीं तथा त्रिपुरा के सत्यराम रियांग तथा बेनी माधव जमातिया को पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, जनजातीय मामलों के मंत्रालय का बजट 24,000 करोड़ रुपये था जिसे मोदी शासन में बढ़ाकर 1,25,000 करोड़ रुपये कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 10 वर्षों में पूर्वोत्तर के विभिन्न समूहों और समुदायों के साथ 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिससे 10,000 युवाओं के हथियार डालने और क्षेत्र में शांति लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने दावा किया कि कम्युनिस्ट शासन के तहत, लोगों के पास शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच का अभाव था, जिसके परिणामस्वरूप निराश युवाओं ने हथियार उठा लिए जबकि श्री मोदी ने लैपटॉप और रोजगार के अवसर प्रदान करके युवाओं को मुख्यधारा में लाया।

उन्होंने बताया कि केंद्र की पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार ने अपने 10 वर्षों में त्रिपुरा के विकास के लिए केवल 40,183 करोड़ रुपये खर्च किए थे जिसे श्री मोदी ने पिछले 10 वर्षों में बढ़ाकर 98000 करोड़ रुपये कर दिया है।

इसके अलावा अन्य बुनियादी ढांचे के लिए 20,000 करोड़ रुपये और सड़कों के लिए 17,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। रेलवे पर 2000 करोड़ रुपये तथा हवाई कनेक्टिविटी के विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये खर्च किए गए। श्री शाह ने त्रिपुरा को बंगलादेश के चटगांव बंदरगाह के रास्ते दक्षिण पूर्व एशिया के लिए पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार बनाने के वास्ते दक्षिण त्रिपुरा के सबरूम के जलेफा में 1550 करोड़ रुपये की एसईजेड जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की श्रृंखला को लागू करने में राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा की भूमिका की भी सराहना की।

ममता केवल झूठ की राजनीति करने पर आमदा : बिष्ट

दार्जीलिंग, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग के सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता राजू बिष्ट ने सोमवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी नीत तृणमूल सरकार केवल झूठ की राजनीति में विश्वास करती है। श्री बिष्ट ने कहा कि तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी का झूठा दावा है कि चुनाव आयोग तूफान पीड़ितों को धन बांटने पर रोक लगाया है। सच्चाई यह है कि चुनाव आयोग ने नौ अप्रैल, 2024 को तूफान पीड़ितों को मुआवजा वितरण के लिए आदर्श आचार संहिता से छूट दी थी। प्रभावित लोगों को सहायता में तेजी लाने का निर्देश भी दिया था।श्री बिष्ट ने कहा कि अपने घर खोने वाले जलपाईगुड़ी और मैनागुड़ी निवासियों को त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के लिए यह जानकारी नौ अप्रैल को ही पश्चिम बंगाल सरकार को भेज दी गई थी। पर, राहत राशि सौंपने के बजाय तृणमूल कांग्रेस सार्वजनिक दुष्प्रचार अभियान पर उतर आई है और दावा कर रही है कि चुनाव आयोग उन्हें राहत राशि वितरित करने की अनुमति नहीं दे रहा है जो सरासर झूठ है।

जेल में मंत्रियों के साथ कार्यों की समीक्षा करेंगे केजरीवाल : डॉ. संदीप पाठक

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अगले सप्ताह से दो-दो मंत्रियों को जेल में बुलाकर उनके विभागों की समीक्षा करेंगे। श्री पाठक ने संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ तिहाड़ जेल में मुलाकात के दौरान श्री केजरीवाल ने हमसे बोला है कि अगले हफ्ते से दो-दो मंत्रियों को जेल में बुलाकर बैठक करेंगे। इस दौरान मंत्रियों के विभागों की समीक्षा करेंगे कि काम ठीक से चल रहा है या नहीं। इसके साथ ही मंत्रियों को काम से संबंधित दिशानिर्देश देंगे।

दो मंत्रियों के साथ बैठक को लेकर जो भी कानूनी प्रक्रिया होगी, उसके तहत ही कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगले हफ्ते से जब अरविंद केजरीवावल दो-दो मंत्रियों को बुलाएंगे और उनके विभागों की समीक्षा होगी तो जेल से समुचित तरीके से सरकार चलेगी।

उन्होंने बताया कि श्री केजरीवाल ने सभी विधायकों तक यह संदेश पहुंचाने के लिए कहा है कि वह हर घर में जनता के पास जाकर बातचीत करें और उनको जो भी तकलीफ और असुविधा हो रही है, उनको दूर करें। विधायक पहले जितने घंटे जनता से मिलते और मेहनत करते थे, अब सभी विधायकों को दोगुनी मेहनत करनी है। उन्होंने एक बात और कही कि हमने माताओं और बहनों को हर महीने एक हजार रुपये की सम्मान राशि देने की बात कही है। किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है, जब वह जेल से बाहर आएंगे तो इसको लागू करेंगे।

80 बनेगा आधार, एनडीए 400 पार : योगी आदित्यनाथ

▪ सीएम योगी ने भाजपा के संकल्प पत्र पर की पत्रकार वार्ता

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि देश का गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति ही भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र के चार आधार हैं। उन्होंने कहा ये संकल्प पत्र मोदी की गारंटी है, जिसमें हमने विकसित भारत बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध की भी उद्घोषणा की है। उन्होंने यूपी में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नया नारा देते हुए कहा कि 80 बनेगा आधार, एनडीए 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार। सीएम योगी पार्टी कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान शिल्पी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से अपना संकल्प पत्र जारी किया है। इसकी पहली चार प्रतियां देश के चार सामाजिक स्तंभों का प्रतिनिधित्व करने वाली हैं। ये हैं गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक दल मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत के विजन को मिशन मानकर प्रभावी ढंग से लागू करने के 140 करोड़ जनता की आकांक्षा बन चुकी है। आज देश का जो भी एंबीशन है वह पीएम मोदी का विजन बन चुका है और हमारे लिए वही मिशन है। इस देश को मोदी की गारंटी पर विश्वास है।

सीएम योगी ने कहा कि संकल्प पत्र में मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, आवास योजना सहित तमाम गरीब कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने और और उनके दायरे को बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। संकल्प पत्र में नेशन फर्स्ट के भाव के साथ विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराया गया है। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल का ये पहला चुनाव है, जिसमें आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना को लेकर चुनाव लड़ा जा रहा है। देश की अस्मिता, सुरक्षा, आस्था और अर्थव्यवस्था को लेकर मोदी की गारंटी इस संकल्प पत्र का आधार बना है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा संकल्प पत्र नये भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत और विकासित भारत का ब्लू प्रिंट है। ये भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध का की उद्घोषणा के साथ ही अन्त्योदय से सर्वोदय और ग्लोबल लीडर भारत के संकल्प को भी दोहराता है। ये संकल्प पत्र जिन-जिन सेक्टर्स का प्रतिनिधित्व करता है वो मोदी की गारंटी पर आधारित हैं। ये पहला आम चुनाव है जिसके प्रमाण के बारे में आश्वस्ति का भाव पूरे देश में मिल रहा है। लोगों को मोदी जी की गारंटी पर विश्वास है। विकसित भारत की आकांक्षाओं का आधार ये संकल्प पत्र बनेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि संकल्प पत्र में समान नागरिक संहिता लागू करने, नेशनल लिटिगेशन पॉलिसी को लागू करने, कमर्शियल और सिविल न्यायिक प्रणालियों में बदलाव, वन नेशन वन इलेक्शन, पीएम सूर्य हर घर मुफ्त बिजली योजना, घरों के पंजीकरण की कीमत को कम करने, तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने, पीएम मुद्रा योजना की क्रैकिंग सीमा को दो-गुना करने, एमएसपी में वृद्धि और पीएम मत्स्य योजना के विस्तार के लिए पार्टी के संकल्प को दोहराया गया है।

महाकुंभ - 2025 : संगम नगरी में पर्यटकों को होटलों में मिलेगी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं

होटलों के कायाकल्प के लिए सरकार कर रही 907.08 लाख खर्च

प्रयागराज, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

योगी सरकार संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के लिए सतत प्रयास कर रही है। ऐसे में योगी सरकार महाकुंभ में 41 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए विश्व स्तरीय सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है।

इसके लिए योगी सरकार कुंभ क्षेत्र में ही 10 हजार से अधिक की क्षमता वाली टेंट सिटी बना रही है। वहीं पर्यटन विभाग की ओर से होटलों में अतिरिक्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मालूम हो कि जिला प्रशासन ने महाकुंभ के दौरान 41 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान जताया था, जिस पर योगी सरकार ने उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये थे।

शहर के सिविल लाइंस स्थित होटल राही इलावर्त में महाकुंभ को देखते हुए कायाकल्प का कार्य चल रहा है। राज्य पर्यटन विकास निगम प्रयागराज के वरिष्ठ प्रबंधक डीपी सिंह ने बताया कि कुल 347.41 लाख की लागत होटलों को कायाकल्प किया जा रहा है, जिसमें सुविधाओं का विस्तार और सौंदर्यीकरण शामिल है। इसके साथ ही होटलों में फसाड लाइट का भी काम किया जा रहा है। होटल के 20 कमरों का रिनोवेशन और बैंक्वेट हॉल का रिनोवेशन के अलावा रिसेप्शन एरिया का उच्चीकरण किया जा रहा है। साथ ही होटल में किचन और पार्किंग स्थल के नवीनीकरण और उच्चीकरण कार्य प्रगति पर है। ये सभी कार्य सितंबर तक पूरे कर लिये जाएंगे।

संगम नगरी में यमुना तट पर स्थित होटल राही त्रिवेणी दर्शन पर्यटकों और श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए पहली पसंद है क्योंकि होटल से यमुना नदी का व्यू इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है। ऐसे में यूपी पर्यटन विकास निगम की तरफ से एक नई बिल्डिंग के निर्माण कार्य चल रहा है। इसमें 18 कमरे बनाए जा रहे हैं। फसाड का कार्य भी चल रहा है। इसके अलावा कई अन्य कार्य भी किये जा रहे हैं। इसके लिए 560.70 लाख रुपये खर्च किया जा रहा है।

रामनवमी 2024 : श्रद्धालु रात 11 बजे तक कर सकेंगे रामलला के दर्शन

अयोध्या, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

श्रीरामलला मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रामनवमी पर रात्रि 11 बजे तक दर्शन हो सकेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पत राय ने इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि श्रीराम नवमी महोत्सव के दौरान मंगला आरती के पश्चात ब्रह्म मुहूर्त में अति प्रातः 3:30 बजे से अभिषेक, शृंगार एवं दर्शन साथ-साथ चलते रहेंगे। श्रंगार आरती प्रातः 5:00 बजे होगी, श्री रामलला का दर्शन एवं सभी पूजा-विधि यथावत साथ-साथ चलती रहेंगी। भगवान को भोग लगाने के लिए समय-समय पर अल्प-काल को पर्दा रहेगा। रात्रि 11:00 बजे तक दर्शन का क्रम पूर्ववत चलता रहेगा, तत्पश्चात परिस्थिति अनुसार भोग एवं शयन आरती होगी।

तीर्थ क्षेत्र की ओर से बताया गया कि रामनवमी पर शयन आरती के पश्चात मन्दिर निकास मार्ग पर प्रसाद मिलेगा। दर्शनार्थी अपना मोबाइल, जूता, चप्पल, बड़े बैग एवं प्रतिबंधित सामग्री

आदि मंदिर से दूर सुरक्षित रखकर आएं। बताया कि दिनांक 16, 17, 18 एवं 19 अप्रैल को सुगम दर्शन पास, वीआईपी दर्शन पास, मंगला आरती पास, श्रंगार आरती पास एवं शयन आरती पास नहीं बनेंगे। सुग्रीव किला के नीचे, बिड़ला धर्मशाला के सामने, श्री रामजन्मभूमि प्रवेश द्वार पर 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' द्वारा यात्री सेवा केन्द्र बनाया गया है जिसमें जन-सुविधाएं उपलब्ध हैं। श्री राम जन्मभूमि मन्दिर में संपन्न होने वाले सभी कार्यक्रमों का सजीव प्रसारण अयोध्या नगर निगम क्षेत्र में लगभग 80 से 100 स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाकर दिखाया जाएगा। यह कार्य प्रसार भारती द्वारा श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किया गया है। इसका सीधा प्रसारण उपलब्ध रहेगा।

यूपी ने परिवारवालों को नकार दिया, अब बिहार भी नकार दे : योगी

▪ बिहार की चुनावी सभाओं में गरजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

औरंगाबाद, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को बिहार के चुनावी समर में उतर गए। कड़ी धूप में भी अन्य राज्यों की भांति यहां भी उन्हें देखने-सुनने बड़ी संख्या आमजन पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार में पहली विजय संकल्प रैली औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र में की। यहां से भाजपा उम्मीदवार सुशील कुमार सिंह के पक्ष में उन्होंने कमल खिलाने की अपील की। एक तरफ सीएम योगी ने एनडीए गठबंधन के विकास कार्यों को रखा तो दूसरी तरफ कांग्रेस व राजद पर काफी हमलावर रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजद से कोई उम्मीद न कीजिए। यह चुनाव नेशन फर्स्ट व फैमिली फर्स्ट का है। अच्छा हुआ कि एनडीए को बिहार में और सशक्त बनाने में हमें सफलता प्राप्त हुई। बिहार में लालू जी के परिवार के लिए ही सीट कम पड़ रही थी। यह परिवार तक ही सीमित हो गए। परिवार के बाहर सोच है ही नहीं। विकास भी परिवार का, सीट भी परिवार को, योजनाओं का लाभ भी परिवार को ही मिलना है। एक परिवार बिहार और एक परिवार यूपी में है। यूपी की जनता उन्हें जवाब दे चुकी है, अब बिहार के लोगों को जवाब देने के लिए तैयार होना है।

जातिवादी ताकतों को नकार दें।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पांच सौ वर्षों का इंतजार समाप्त हुआ। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला विराजमान हुए तो बिहार के अंदर भी उत्साह और उमंग था। बिहारवासियों ने जो उपहार भेजे थे। उसके लिए बिहारवासियों का आभार प्रकट करता हूं। यूपी व बिहार का चोली-दामन का संबंध है। यह अलग होने वाला नहीं है। हम सीताराम बोलते हैं। पहले मां सीता, फिर श्रीराम का नाम लेते हैं। यह दोनों राज्यों के संबंध को जोड़कर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के अभियान को बढ़ाता है।

सीएम ने कहा कि भाजपा से अधिक आस्था का सम्मान कोई नहीं कर सकता। काशी विश्वनाथ, अयोध्या धाम व मां विंध्यवासिनी दरबार में जाकर कार्य देखिए। नए उप्र व बिहार के लिए मोदी की गारंटी ही उत्थान की गारंटी है। औरंगाबाद के लोग भी विंध्यवासिनी धाम को नए रूप में देख रहे हैं। आज बासंतिक नवरात्रि की सप्तमी तिथि है। महाकाली की पूजा होती है। विंध्यवासिनी धाम में आज लाखों श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे हैं। गलियारा इतना चौड़ा बन गया है कि एक-दो लाख नहीं, 10 लाख लोग भी एक साथ आ जाएंगे तो समस्या नहीं होगी। पहले काशी में 10 लोग एक साथ दर्शन नहीं कर सकते थे, आज पांच-छह लाख श्रद्धालु एक साथ भी भगवान विश्वनाथ के दर्शन कर सकते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा ने संकल्प पत्र में विकसित भारत की बात कही है। विकसित भारत मतलब विकसित बिहार भी है। धारा-370 लगाकर कांग्रेस ने शेष भारत के नागरिकों के कश्मीर जाने को प्रतिबंधित कर दिया था। भारतीय जनसंघ और भाजपा हमेशा नारा लगाती थी कि जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वह कश्मीर हमारा है। उस सपने को भी पीएम मोदी ने साकार किया है। धारा-370 समाप्त कर कश्मीर को भारत की मुख्यधारा से जोड़ा गया। काफी हद तक नक्सलवाद समाप्त हो गया, जो बचे-खुचे हैं, पांच वर्ष में उनका भी स्वाहा हो जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि 50 करोड़ लोगों के जनधन अकाउंट खोल दिए गए, जिससे दिल्ली से सरकार कोई पैसा भेजती है तो सीधे अकाउंट में जाए। बीच में कोई दलाल डकैती न डालने पाए। पीएम आवास योजना में चार करोड़ लोगों को पक्का मकान दिया गया है। हम लालू जी से कहेंगे, आप संख्या बढ़ाइए। मोदी जी फ्री में मकान दे ही रहे हैं। अगले पांच वर्ष में तीन करोड़ और आवास देंगे। यूपी व बिहार को इसका सर्वाधिक लाभ भी मिलेगा।

सीएम योगी ने कहा कि कोरोना के दौरान बिहार के लोग अन्य राज्यों से निकल रहे थे तो हमने कहा कि यह मां सीता के मायके के लोग हैं, उनसे भेदभाव नहीं होगा। जो सुविधा उप्र वासियों को मिले, वही सुविधा बिहार वालों को भी मिले। यूपी में मिली सुविधा की सभी लोगों ने सराहना की थी।

सीएम योगी ने कहा कि राजद के समय बिहार के सामने पहचान का संकट हो गया था। उन्होंने वही गुंडाराज फिर से लागू करने का प्रयास किया, लेकिन यूपी में गुंडों को लटका दिया जाता है। मिर्च का झोंका अलग से लगा दिया जाता है। वे गले में तख्ती लगाकर चलते हैं कि एक बार जान बख्श दो, अब कोई गलती नहीं होगी। एक तरफ श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनवाया तो दूसरी तरफ बड़े-बड़े माफिया को राम नाम सत्य की यात्रा पर भी भेज दिया। बोलचाल में हम राम-राम और जयश्री राम बोलते हैं, लेकिन देश के खिलाफ साजिश करने वालों का राम नाम सत्य भी करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि 25 करोड़ के उप्र में कोई दंगा, कर्फ्यू या समस्या नहीं है। यह काम केवल भाजपा व एनडीए ही कर सकेगी। अब तक हम लोग कांग्रेस, राजद के दलदल और गड्ढों को पाटने और कचड़े को साफ करने में समय लगाया।

लालू जी आबादी बढ़ाए, मोदी जी आवास बढ़ा रहे: योगी

नवादा, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बिहार के नवादा में विजय संकल्प रैली को संबोधित किया। यहां से भाजपा उम्मीदवार विवेक ठाकुर के पक्ष में कमल खिलाने की अपील की। एक तरफ सीएम योगी ने विकास कार्यों के बलबूते एनडीए गठबंधन के लिए वोट की अपील की तो दूसरी तरफ कांग्रेस व राजद को खूब धोया। उन्होंने अंधेरगर्दी युग को याद दिलाकर राजद को घेरा तो महापुरुषों का सम्मान करने वाली भाजपा को संकल्पों को भी याद दिलाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्थानीय भाषा में लोगों का अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निशाने पर राष्ट्रीय जनता दल रहा। उन्होंने कहा कि इस बात की गारंटी है कि दिल्ली से पैसा अब सीधे अकाउंट में आता है। विकास कार्यों को गिनाते हुए सीएम योगी ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में पिछले 10 वर्ष में चार करोड़ गरीबों को मकान मिले हैं। अगले पांच वर्ष में तीन करोड़ और मकान बनाएंगे। ईश्वर लालू जी को स्वस्थ करें, वह आबादी बढ़ाएं और भाजपा आवास बनाने का कार्य

करेगी। एक तरफ मोदी जी भारत को डिजिटल युग में ले जा रहे हैं तो दूसरी तरफ राजद व उनके लोग लालटेन युग की तरफ पीछे धकेल रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नवादा देश के लोकतंत्र को बचाने वाले स्व. जयप्रकाश बाबू की पावन कर्मभूमि और पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कर्पूरी ठाकुर की पावन धरा है। बिहार ने देश को सब कुछ दिया। संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बाबू, पूर्व मुख्यमंत्री कृष्ण बाबू इसी जमीं के हैं। कांग्रेस

व उनके सहयोगियों ने कभी जयप्रकाश जी, कर्पूरी ठाकुर को सम्मान नहीं दिया, लेकिन पीएम मोदी व भाजपा ने कर्पूरी ठाकुर को 'भारत रत्न' देकर बिहार वासियों को सम्मान दिया। इसे लोकतंत्र की प्रारंभिक भूमि के रूप में जाना जाता है। यह देश के इतिहास को बनाने व लोकतंत्र का पाठ पढ़ाने वाली भूमि है। लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट राजनीति का अपराधीकरण, अपराधियों का राजनीतिकरण रहा। जातिवादी-परिवारवादी राजनीति लोकतंत्र में सबसे बड़ी बाधा है।

सीएम योगी ने कहा कि सुरक्षित माहौल में ही विकास की परिकल्पना को बढ़ा सकते हैं। 2019 के पहले जम्मू-कश्मीर के अंदर शेष भारत का कोई नागरिक जमीन नहीं खरीद सकता था। धारा-370 जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से अलग करती थी। पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार करते हुए धारा-370 समाप्त किया। सीएम ने कहा कि रामलला विराजमान हुए अयोध्या में, उत्साह-उमंग था बिहार में। रामलला मंदिर के लिए सबसे पहला उपहार बिहार से ही आया था। उन्होंने कहा कि नौजवानों को 10 लाख रुपये तक का ब्याज फ्री लोन मिलता था। संकल्प पत्र में कहा गया कि अब यह राशि बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई।

सीएम योगी ने कहा कि राजद को रंगदारी वसूली से फुर्सत नहीं थी, लेकिन भाजपा-एनडीए सरकार में रंगदारी नहीं हो सकती। राजद व सहयोगी दल के लोग तमंचा लहराने वाले लोग हैं, इन्हें टैबलेट से क्या मतलब। भाजपा व सहयोगी दल डिजिटल इंडिया के जरिए आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत की परिकल्पना को साकार बनाने के सारथी के रूप में बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन राजद व सहयोगी दल डिजिटल इंडिया का विरोध करते हैं।

सीएम ने कहा कि यूपी में तिनका भी नहीं हिलता। हमने सिर्फ अयोध्या में ही रामलला को विराजमान नहीं किया है, बल्कि माफिया व अपराधियों को राम-नाम सत्य की यात्रा पर भी भेज दिया। कुछ जेल चले गए, कुछ जहन्नुम चले गए। कुछ लोगों की यात्रा स्वतः ही आगे बढ़ गई है। यह काम केवल भाजपा कर सकती है। यूपी जैसा हाल आप भी बिहार में चाहते हैं तो 19 अप्रैल को कितनी भी गर्मी हो, परवाह नहीं करना। आप कमल खिलाइए और राजनीति का अपराधीकरण करने वालों की गर्मी निकाल दीजिए।

सीएम ने कहा कि 2022 में मैं विधानसभा चुनाव लड़ रहा था तो विवेक ठाकुर छह महीने-साल भर तक उप्र में कैंप किया था। वहां भाजपा कार्यकर्ताओं का सहयोग कर रहे थे। देश के सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सक, अटल जी के साथ मिलकर देश में एम्स की श्रृंखला बढ़ाने का खांचा खींचने वाले पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सीपी ठाकुर के सुपुत्र विवेक ठाकुर जूझने का जज्बा रखते हैं।

सीपी ठाकुर ने कालाजार की समस्या का निदान निकालकर बिहारवासियों को बीमारी से बचाया था, इसलिए उन्हें पद्म पुरस्कार दिया गया था। उनकी योग्यता व क्षमता पर किसी को संदेह नहीं हो सकता। योग्य पिता के योग्य पुत्र सेवा के लिए आपके पास आए हैं। इस अवसर पर नवादा से भाजपा उम्मीदवार विवेक ठाकुर, विधायक अरुणा देवी, एमएलसी निवेदिता सिंह, पूर्व मंत्री पूनम शर्मा, पूर्व विधायक अनिल सिंह, कन्हैया आदि मौजूद रहे

बच्चे अपने पापा से ही सीखते हैं ये बातें

हर बच्चे के जीवन में माता-पिता की एक खास जगह होती है। बच्चे अपने पैरेंट्स से बहुत कुछ सीखते है। एक तरफ जहां बच्चा अपनी मां के बिना अधूरा होता है वहीं पिता के बिना भी उसकी जिंदगी के मायने बदल जाते है। बच्चे हमेशा चाहते हैं कि वह अपने पिता जैसे अच्छे इंसान बनें। कुछ बातें ऐसी होती हैं जो बच्चा सिर्फ अपने पिता से ही सीख पाता है। आज हम आपको बताते हैं कि ऐसी कौन सी बातें हैं जो बच्चा अपने पिता से सीखता है।

1. बच्चे अक्सर गलतियां करते हैं जिसे पिता माफ कर देते है। ऐसे में बच्चे अपने पिता से ही दूसरों की गलतियों को माफ करना सीखते है।

2. बचपन से बच्चे अपने पिता को मेहनत करते देखते है। वे देखते हैं कि कैसे उनके पिता उनकी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जीतोड़ मेहनत करते है।

3. पिता को परिवार के हर सदस्य की जरूरत का ख्याल होता है। हर परेशानी में अपने परिवार के साथ रहते हैं। ऐसे में बच्चे अपने पिता से ही जिम्मेदारी निभाने का गुण सीखते है।

4. एक पिता ही होता है जो परिवार पर आई मुसीबत का डट कर सामना करता है। ऐसे में बच्चे भी सीखते है कि किसी भी मुसीबत आने पर हारना नहीं बल्कि उसका सामना करना चाहिए।

घबराहट के कारण बढ़ने वाली हार्टबीट को तुरंत करें कंट्रोल!

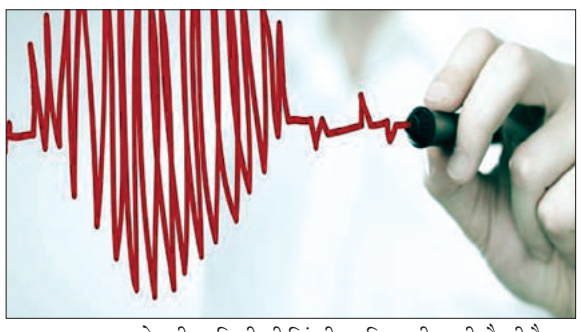

आजकल परेशानी हर किसी की जिंदगी का हिस्सा ही बनती जै रही है। कुछ लोग तो छोटी से छोटी बात को लेकर भी चिंता में डूबे रहते हैं। इसका असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जिससे घबराहट और कई बार तो दिल की धड़कने भी बढ़ने लगती हैं। वैसे तो दिल की धड़कनों का बढ़ना कोई रोग नहीं है लेकिन इससे शरीर में कमजोरी आ जाती है। आपको भी इसी तरह की कोई परेशानी है तो सबसे पहले खुश रहना शुरू कर दें। बात-बात की चिंता को छोड़ कर जिंदगी में आगे बढ़े और परेशानियों का सामना करें। घबराहट के कारण तेज होनी वाली दिल की धड़कनों को दूर करने के लिए आप घरेलू तरीका भी अपना सकते हैं।

राई है फायदेमंद

छोटे-छोटे दानों जैसी राई का इस्तेमाव ज्यादातर अचार बनाने के लिए होता है लेकिन यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह घबराहट से बढ़ने वाली दिल की धड़कन कों ट्रोल करने में भी मददगार है।

इस तरह करें इस्तेमाल

इस परेशानी में मुट्ठी भर राई लेकर पीस लें। इस पीसी हुई राई को हाथों-पैरों पर मल लें। इससे हार्ट बीट नार्मल हो जाएगी।

तुलसी के फायदे

सर्दी-खांसी बीमारियों में भी एक कारगर औषधि है। जो 24 घंटे हमें ऑक्सीजन देता है। याददाश्त के लिए तुलसी बहुत फायदेमंद है। रोजाना 4-5 पत्तियों को पीसकर शहद के साथ मिलाकर खाली पेट सेवन करें। इससे याददाश्त बढ़ेगी। दांत में दर्द है तो भी तुलसी उपयोगी है। तुलसी के पत्तों में मिर्च को पीसकर थोड़ा सा सेंधा नमक मिलाएं। इसे रूई में लपेटकर दांतों में लगाने से पायरिया या दांत में दर्द की शिकायत दूर होगी।

शरीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए करें बर्पी योग

मांसपेशियों को मजबूत और शरीर को चुस्त बनाने के लिए बर्पी फायदेमंद और असरदार एक्सरसाइज है। एक अकेली बर्पी एक्सरसाइज में स्कवाट, पुश-अप और जंपिंग जैक तीनों ही एक्सरसाइज हो जाती हैं। इन तीनों ही एक्सरसाइज को आपको एक ही सेट में करना होता है। सबसे पहले दोनों हाथों में हल्के डम्बल लेकर हाथों को जमीन पर रखकर स्वाट की स्थिति में आना होता है। स्वाट की स्थिति में आने के बाद एक हाथ को मोड़ते हुए ऊपर लाना होता है और फिर वापस नीचे ले जाना होता है। इसी तरह दूसरे हाथ से भी इस प्रक्रिया को दोहराना होता है।

गर्मियों में अपनी सेहत के सात-साथ अपनी त्वचा की देखभाल भी करना आवश्यक है। धूप से तो बचाव करना जरूरी है ही, पसीने के साथ-साथ उमस से भी लढ़ना होता है। खास तौर पर हमारे यहां, मई-जून तो कुछ ज्यादा ही गर्म हुआ करते हैं। जब उमस न हो तो गर्मियों का रूखापन परेशान करता है। ऐसे में सन-बर्न के साथ-साथ धूल और पसीने से बचाव करना जरूरी हो जाता है, ताकि त्वचा पर झाइयां, पिंपल आदि से बचाव किया जा सके। जिस तरह सर्दियों में त्वचा की देखभाल की जरूरत होती है, उसी तरह गर्मियों में भी होती है। हर मौसम में स्किन की देखभाल के तरीके अलग हुआ करते हैं। देखें कि गर्मियों में किस तरह से अपनी स्किन की देखभाल कर सकते हैं।

गर्मियों में ऐसे रखें अपनी त्वचा का ख्याल

त्वचा की सफाई

गर्मी और उमस के चलते स्किन की सिबेशस ग्लैंड को ज्यादा काम करना पड़ता है। इसलिए गर्मियों में त्वचा पर ज्यादा चिकनाई दिखाई देती है। यह तब और ज्यादा हो जाती है जब मौसम में नमी हो। तेल ग्रंथि के ज्यादा सक्रिय रहने से त्वचा के रोमछिद्र बंद होने लगते हैं और इससे गंदगी भीतर ही रह जाती है। यदि आपको एक्ने की समस्या है तो जिंक ऑक्साइड युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट का चुनाव करें। एक्टिवेटेड चारकोल फेस मास्क त्वचा की गंदगी निकालने में बहुत प्रभावी हुआ करते हैं। तेल और टॉक्सिन चारकोल से बाहर निकल आते हैं और बंद रोमछिद्र खुलने लगते हैं। ध्यान रखें कि आपकी त्वचा के रोमछिद्र साफ हो और आपकी त्वचा टाइट, ताकि वह आपके चेहरे को एकदम फ्रेश लुक दे। इसलिए आप हर दिन त्वचा की सफाई करें। खास तौर पर गर्मी या उमस के मौसम में।

त्वचा में नमी

यह सही है कि इस मौसम में त्वचा की तेल ग्रंथि सक्रिय हो जाती है लेकिन यह भी सही है रूखा मौसम आपके चेहरे से नमी भी चुरा लेता है। त्वचा से नमी कम होने से आपकी त्वचा सूखे पत्ते या फिर सैंडपेपर जैसी खुरदुरी हो जाती है। यदि पहले से ही आपकी त्वचा रूखी है और इस मौसम में आप एसी में ही रहते हैं, तब तो आपको अपनी त्वचा की खास देखभाल की जरूरत है। एसी में आपकी त्वचा ज्यादा रूखी हो जाती है। इसलिए जरूरत है कि आप अपनी स्किन को नम रखें। रूखी त्वचा पर झुर्रियां पड़ने का खतरा है। इसलिए निरंतर अपनी त्वचा को नम रखें।

आप ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं, यह तो जरूरी है ही, लेकिन यह काफी नहीं है। आपको अपनी त्वचा से नमी खोने को भी बचाना है। इसके लिए जरूरी है कि ऐसे उत्पादों का चुनाव करें जो आपकी त्वचा को स्वस्थ खें। त्वचा को नमी देने वाला मॉइश्चराइजर का चुनाव करें। लेनोलिन, पेट्रोलियम जैली, जिंक ऑक्साइड आपकी त्वचा की नमी को बचाए रखने में मदद करती है। ग्लिसरीन, हायल्यूरोनिक एसिड, लैक्टिक एसिड त्वचा की आंतरिक परत के वॉटर मॉलिक्यूल्स को आकर्षित करती है। जोजोबा और दूसरी तरह के तेल स्किन सेल्स के क्रैक भरते हैं और त्वचा को ज्यादा मुलायम बनाते हैं। तो अपने लिए मॉइश्चराइजर का चुनाव करते हुए इन इंग्रीडिएंट्स का ध्यान जरूर रखें।

स्किन केयर प्रोडक्ट्स

गर्मियों के मौसम में अलग तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना होता है। बीबी या सीसी क्रीम का इस्तेमाल करें। दोनों में एसपीएफ की मात्रा देख लें। धूप में जाने की वजह से आपकी त्वचा फोटोसेंसिटिव हो जाती है जिसकी वजह से हायपर पिगमेंटेशन होने का डर बना रहता है। यदि आप रेटिनॉल का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसे गर्मियों में बंद कर दें। इसकी वजह से हायपरपिगमेंटेशन की प्रक्रिया बढ़ सकती है। यदि मौसम में उमस का अनुभव हो रहा है तो लाइट हाइड्रेटिंग मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। यह रोमछिद्रों के लिए अच्छा होता है और इससे त्वचा स्वस्थ रहती है। दिन में वॉटर बेस्ड प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। रात में चाहें तो ऑइल बेस्ड मॉइश्चराइजर का उपयोग कर सकते हैं।

एसपीएफ का उपयोग

सूर्य की किरणों से त्वचा को नुकसान तो होता ही है, साथ ही इससे समय से पहले त्वचा पर उम्र के निशान नजर आने लगते हैं। एसपीएफ 50 वाला सनस्क्रीन लोशन घर से निकलने से 15 से 20 मिनट पहले लगा लें और फिर हर 2 घंटे में इसे लगाते रहें। रूखी और संवेदनशील त्वचा के लिए मिनरल सनस्क्रीन अच्छा विकल्प है। रूखे मौसम में टाइटेनियम डायऑक्साइड और जिंक ऑक्साइड वाला सनस्क्रीन उपयोग करें। ये यूवी किरणों से त्वचा का बचाव करते हैं। तैलीय त्वचा के लिए नॉन-ग्रीसी सनस्क्रीन लोशन चुनें। वह भी लिक्विड या फ्लूइड हो। सोते समय सनस्क्रीन पूरी तरह से रिमूव करें ताकि रोमछिद्र खुलें और आपकी त्वचा को सांस लेने का मौका मिले।

जूतों की बदबू को कहें बाय-बाय

यूं तो बहुत से लोग गर्मियों में जूते पहनने से परहेज करते हैं और सैंडिल या स्लीपर ही पहनना ही पसंद करते हैं लेकिन कई बार जूते पहनना मजबूरी हो जाती है। गर्मी के मौसम में जूते पहनने को लेकर कई तरह की सावधानियां रखनी पड़ती हैं। इस मौसम में जूतों से बदबू आना एक सामान्य बात है।

यही वह मौसम है जब हमें बहुत अधिक सावधानी से रहना होता है। इस मौसम में पैरों से बदबू आना एक सामान्य बात है। पैरों से बदबू आने का मुख्य कारण बैक्टीरिया होते हैं लेकिन जिन लोगों को बहुत अधिक पसीना आता है या फिर जो लोग बहुत गंदे से रहते हैं, उनके जूते से भी बदबू आना शुरू हो जाती है।

इन तरीकों को अपनाकर आप भी जूतों की बदबू को दूर कर सकते हैं-

1. संभव हो तो दो जोड़े जूते रखें और उन्हें बदल-बदलकर पहनें। हर रोज एक ही जूता पहनने से परहेज ही करें। ऐसा करने से जूतों की नमी सूख जाएगी और बदबू पैदा नहीं होगी।

2. अपने जूतों के भीतर मेडिकेटेड इन-सोल लगाएं। इससे पसीना जल्दी सूख जाएगा और बैक्टीरिया पनपने की आशंका भी कम हो जाएगी।

3. बाहर से लौटने के बाद जूते में पेपर बॉल या फिर पेपर भर दें। अखबार अंदर की सारी नमी सोख लेता है जिससे बैक्टीरिया पनपने नहीं पाते हैं।

4. जूतों में बेकिंग पाउडर डालकर छोड़ दें। इससे नमी भी सूख जाएगी और बदबू भी नहीं आएगी।

सलाह

मॉर्निंग वॉक को बेहतर बनाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

दिन की शुरुआत अगर अच्छी हो तो पूरा दिन अच्छा गुजरता है। इसलिए सुबह की सैर करना शरीर के लिए बहुत ही अच्छा है। सुबह दौड़ने से हमारे शरीर में खून का संचार ठीक ढंग से होता है और आप सारा दिन तरोताजा महसूस करते है। सुबह कम से कम 30 मिनट तक दौड़ना एक तरह से जिम जाने के बराबर ही शरीर को फिट और स्वस्थ रखता है। लेकिन,या आप सैर करने का सही तरीका जानते है। आइए आज आपको बताते है कुछ ऐसे टिप्स जिन्हें अपनाकर आप दोगुना फायदा उठा सकते हैं।

1.खूब पानी पिएं

सैर पर जाने से पहले कम से कम 1 गिलास पानी जरूर पी लें , इससे शरीर का तापमान नॉर्मल रहेगा।

2.गति धीमी रखें

सैर की शुरूआत धीरे-धीरे करें इसके बाद अपने चलने की गति बढ़ाएं। इससे जल्दी थकावट नहीं होगी।

3.शांत वातावरण

सैर पर जाने के लिए एक शांत और खुला स्थान चुनें । जहां आस पास हरियाली हो इससे आपको ठंडी और स्वच्छ हवा मिलेगी। जो आपके दिमाग को फ्रेश रखने में मदद करेगी।

4.डॉक्टर की सलाह

दिल की समस्या या हाई लेड प्रैशर के रोगी को सैर शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

5.तनाव न रखें

सैर के दौरान किसी भी प्रकार का मानसिक तनाव न रखें और अपने साथ मोबाइल न लें।

6.आरामदायक जूते

आरामदायक जूते पहन कर ही सुबह की सैर करें इससे चलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

7. निश्चित समय

अगर आप अच्छी सेहत पाना चाहते हैं तो तीन पैतालिस मिनट सैर जरूर करे। इससे आपकी सेहत तो बनी ही रहेगी साथ ही आपके चेहरे पर भी चमक आएगी।

8.व्यायाम जरूर करें

सैर करने से पहले व्यायाम करना न भूलें। इससे खून में संचार होगा जो सैर करने में मदद करेगा।

कौन से फुटवियर जचेंगे, आप पर ऐसे करें चयन

कौन से फुटवियर जचेंगे आप पर ऐसे करें सेलेक्ट सेलेक्ट फुटवियर का चुनाव करते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखना बहुत जरुरी होता है। वरना एक गलत चुनाव आपके अच्छे खासे बॉडी शेप के लुक को बिगाड़ सकता है। शूज़ सेलेक्ट करते ये दुविधा बनी रहती है कि कौन से स्टाइल के शूज उन पर सूट करेंगे और कौन से नहीं।

इसी कंफ्यूजन में कई बार हम गलत शूज का चुनाव कर बैठते हैं जो कहीं न कहीं हमारे लुक को भी बिगाड़ देता है साथ ही हमारे कंफर्टेबिलिटी को भी प्रभावित करता है। कभी-कभी कोई शूज़ आपकी बॉडी पर दूसरों की अपेक्षा ज्यादा सूट करता है इसलिए आपको अपने स्टाइल को सूट करता शूज, सही कलर में चूज करना जरुरी होता है जो आपको ग्लैमरस लुक देता है। अल्टीमेटली आपका लक्ष्य खुद को बैलेंस दिखाना होता है जिसमें आपके फुटवेयर की भी अहम भूमिका होती है। उदाहरण के तौर पर यदि आपके कंधे बहुत ही सेक्सी हैं तो आपको ऐसे फुटवेयर की जरुरत होगी जो आपके कर्व को एक्सपोज करे। यहां अलग अलग बॉडी टाइप के लिए फुटवेयर सेलेक्शन के कुछ टिप्स दिये जा रहे हैं।

होराइजोंटल बॉडी शेप

ऐसे बॉडी शेप के लिए हमेशा ध्यान में रखे कि आपकी अपर बॉडी शेप चौड़े आकार की है तो हील्स का सेलेक्शन जहां तक हो सके अवॉइड ही करें। हमेशा फ्लैट फुटवेयर का चयन करें।

वाइड लोवर बॉडी

अगर आपका बॉडी शेप इस प्रकार का है कि आपके कमर के नीचे का हिस्सा जैसे कि आपके हिप्स और आपके पैर चौड़े आकार में है तो ऐसे फुटवेयर और कलर का चयन करें जो आपके इस बॉडी पार्ट को हाइलाईट करने से बचा सके। ऐसे में आपको बेसिक पम्प्स का सेलेक्शन करना चाहिए।

वर्टिकल बॉडी शेप

इस प्रकार के बॉडी शेप वाली महिलायें विभिन्न प्रकार के फुटवेयर ट्राई कर सकते हैं। बशर्ते आप अपने पैरों के स्केल को ध्यान में रखते हुए शूज का चुनाव करें। अगर आप अपने लंबे और पतले पैरों को लेकर थोड़ी परेशान हैं तो आपको फ्लैट शूज और राउंडेड टो शूज को लेकर स्टिक होना चाहिए।

स्ट्रेट/नैरो हिप्स

अगर आप एक स्ट्रेट फिगर रखती हैं तो आपके पास फुटवेयर सेलेक्ट करने के लिए काफी वेराईटी होंगी। आपका फोकस इस पर होना चाहिए कि ऐसे शूज़ का चुनाव करें कि जो आपकी बॉडी फ्रेम के अनुसार आपके कर्व को आकार देने में और हाइलाइट करने में आपकी मदद करें।

छोटे पैरों के लिए

ऐसे फुटवेयर को अवॉइड करें जो आपके पैरों को और भी छोटा दिखाते हों। फुटवेयर ऐसा होना चाहिए जो आपके बॉटम वेयर के साथ मिक्स हो जाए। व्हाइट शूज के साथ ब्ल्यु जीन्स खतरनाक व्हाइस हो सकती है लेकिन हील्स होने पर वे काम कर सकते हैं।

बैलेंस्ड बॉडी शेप के लिए

ड्रेसेस और लांग टॉप्स आपके पैरों को छोटा दिखा सकते हैं। लेकिन हील्स और शूज जो आपके बॉटम वेयर के साथ मिक्स हो जाते हों, आपको सही लुक दे सकते हैं। फुटवेयर सेलेक्ट करने का एक थंब रुल ये होता है कि आप अपने एड़ियों, अपने पांवों और अपने घुटने के नीचे के हिस्से के आकार को ध्यान में रखते हुए ही इसका चुनाव करें।

चौड़े पांवों के लिए

प्लेटफॉर्म हील्स में स्ट्रैप्स वाले फुटवेयर आपके पांवों को पतला दिखाने में आपकी मदद कर सकता है।

बेड टी के हैं बैड इफेक्ट भी, खाली पेट चाय पीने के हैं ये 4 नुकसान

चाय, एक ऐसा ड्रिंक जिसकी खुश्बू के साथ ही ज्यादातर घरों की सुबह होती है. शायद ही कोई घर होगा जहां चाय के नहीं बनती होगी या चाय के बिना नाश्ता होता हो. कुछ लोगों को तो चाय की इतनी आदत होती है कि वे दिन में कई कई बार चाय पीते हैं. तो कुछ बिना बेड टी के उठ भी नहीं सकते. बेड टी कई मायनों में आपकी सेहत के लिए बड होती है. चाय में कई तरह के ऐसिड होते हैं. खाली पेट चाय पी कर आप अपने पेट को सीधा नुकसान पहुंचाते हैं. इससे अल्सर या गैस जैसी परेशानियां बढ़ने की संभावना रहती है. एक नजर बेड टी के बैड इफेक्ट्स पर- अगर आप उन लोगों में से हैं, जो ज्यादा दूध वाली चाय पीते हैं और सोचते हैं कि इसके साथ ही आपके शरीर में दूध भी गया है, तो जरा रुकिए... खाली पेट ज्यादा दूध वाली चाय पीने से थकान का एहसास होता है. एक और बात जो आपको जाननी चाहिए वह यह कि चाय में दूध ड़ालते ही एंटीऑक्सीडेंट का असर खत्म हो जाता है. अब यदि आप यह सोचकर खुश हैं कि आप तो कम दूध वाली स्ट्रॉग टी पीते हैं. तो यह भी आपके लिए नुकसानदायक है. कड़क चाय पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाती है और यह आपको पेट से जुड़ी कई परेशानियां दे सकती है. अगर आप यह सोचकर खुश हो रहे हैं कि आप तो चाय खाने के बाद पीते हैं, तो भी इसके नुकसान कम नहीं. हम सभी जानते हैं कि चाय में टैनिन होता है. जो आहार में मौजूद आयरन के साथ रिएक्ट कर सकता है. इसलिए खाने के बाद चाय पीना आपके खाने के पोषक तत्वों को नष्ट कर सकता है. अगर आप दिन में चार से पांच बार चाय पीते हैं, तो अपनी इस आदत को जरा लगाम दें. बहुत ज्यादा गर्म चाय पीने की आदत भी अच्छी नहीं. इससे फूड पाइप या गले का कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है.

रेसिपी

ब्लूबेरी मफिन

सामग्री

2 1/2 कप मैदा
1 1/2 चम्मच बेकिंग पाउडर
1/2चम्मच बेकिंग सोडा
3/4 कप चीनी
1/4 चम्मच नमक
2 अंडे फेंटे हुए
1 कप छाछ
1/2 कप मक्खन
1 1/2 कप ब्लूबेरीज

विधि

एक बाउल में सारी सूखी सामग्री को अच्छे से मिक्स कर लें। एक दूसरे बाउल में फैटें हुए अंडे,छाछ और मक्खन को पिघाल कर अच्छे से मिला लें। फिर इसमें मिक्स की हुई सारी सूखी सामग्री डाल दें और इसे अच्छे से मिलाएं ताकि गुठलियां न रह जाएं। अब इसमें ब्लूबेरीज डालकर मिक्स करें। अब गरीस किए हुए मफिन कप में थोड़ा थोड़ा बैटर डालें और 400 एफ पर 20-30 मिनट के लिए बेक करें। मफिनज तैयार है, इन्हें मोल्ड से निकालकर सर्व करें।

ऑरेन्ज केक

सामग्री

1 कप मैदा
3/4 चीनी पाऊडर
2 अंडे
1 छोटा चम्चम वनीला एसेंस
1 छोटा चम्मच तेल
1-1/2 बेकिंग पाऊडर
1 कप ऑरेन्ज पल्प (छिलका ना हो)

विधि

सबसे पहले एक कोटरे में अंडा डाल लें। उसके बाद इसमें वनीला एसेंस मिलाकर इसे अच्छे से मिला लें। अब चीनी पाऊडर, मैदा और बेकिंग पाऊडर डाल कर मिश्रण को अच्छे से ग्राइंड कर लें। एक गोल टीन का कटोरा लें उसमें सबसे पहले थोड़ा तेल लगा लें फिर थोड़ा मैदा छिड़क दें। अब सारा मिक्षण टीन के कटोरे में डाल दें। कुकर के अंदर कटोरा रख दें। पहले 2 मिनट गैस तेज रखे फिर उसके बाद गैस धीरे कर 25 मिनट कैक को पकने दें। (ध्यान रहे कि केक बनाते समय कुकर की सिटी का इस्तेमाल आप ना करें) 25 मिनट बाद गैस बंद कर दें और उसे 10 मिनट के लिए कुकर की भाप में केक को पकने दें। कुकर से केक को निकाल लें। आपका केक तैयार है। आप चाहे तो केक को क्रीम या फिर किसी और चीज से भी सजा सकती है।

संपादकीय

डूबता जहाज बन गई है कांग्रेस

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने वाले नेताओं का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस डूबता जहाज बन गई है, जिस पर कोई भी समझदार व्यक्ति रुकना नहीं चाहता है। स्थिति यह है कि छोटे-बड़े नेता ही नहीं अपितु मीडिया के माध्यम से देश की जनता के सामने तार्किक ढंग से कांग्रेस पक्ष रखनेवाले प्रमुख प्रवक्ता भी पार्टी को छोड़ रहे हैं। संभव है कि आनेवाले समय में कांग्रेस के पास कोई ढंग का प्रवक्ता भी न बचे। राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ के बाद अब रोहन गुप्ता ने भी कांग्रेस को विदा कह दिया है। जब भी कोई नेता अपनी पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में जाता है, स्वाभाविक ही आरोपों की बौछार कर देता है। परंतु, कांग्रेस के संबंध में जिस प्रकार की टिप्पणी की जा रही हैं, उनमें नयापन कुछ भी नहीं है। देश की जनता उन आरोपों से परिचित है। सामान्य आरोप होने के बाद भी ये कांग्रेस को गंभीर नुकसान पहुँचा रहे हैं। उसका कारण है कि कांग्रेस को लेकर जनता का जो मानस पहले से बना है, ये आरोप उसको ही पुष्ट करते हैं। जैसे गौरव वल्लभ ने आरोप लगाए कि कांग्रेस ने उन्हें जबरन अदाणी के खिलाफ बोलने के लिए कहा था। कांग्रेस में नेताओं को इस बार के लिए कहा जाता है कि वे उद्योगपतियों को बुरा-भला बोलें। सनातन का पक्ष न लें। भाजपा की सदस्यता लेने के बाद गौरव वल्लभ ने खुलकर कहा कि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा इसलिए दिया है क्योंक वे सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकते और 'वेल्थ क्रिएटर्स' को गाली नहीं दे सकते हैं। जनता के मन में भी यह बात पहले से बैठी हुई है कि कांग्रेस देश के उद्योगपतियों को निशाने पर ले रही है। गौरव वल्लभ के आरोपों ने इसी अवधारणा को और गहरा किया। वहीं, गुजरात के कांग्रेस नेता एवं प्रवक्ता रोहन गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद कहा कि "कितने विरोधाभास हो सकते हैं? एक संचार प्रभारी हैं जिनके नाम में 'राम' है, जब सनातन (धर्म) का अपमान हो रहा था तब उन्होंने हमको कहा कि आप चुप रहो। देश के नाम का उपयोग करके एक गठबंधन बनाया गया लेकिन उसमें 'देश विरोधी ताकतों' को जोड़ा गया"। रोहन गुप्ता ने जो आरोप लगाए उसकी अनुभूति पहले से देश की जनता को है। जब स्टालिन एवं अन्य लोग सनातन का अपमान कर रहे थे, तब कांग्रेस ने पूरी तरह चुप्पी साध रखी थी। अब तक कांग्रेस ने ऐसे नेताओं और पार्टियों से दूरी नहीं बनायी है। इसी तरह देश की आम जनता आज तक विपक्षी गठबंधन के नाम को स्वीकार नहीं कर पा रही है। जिस समय विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन का नामकरण 'इंडिया' किया था, उसी समय से कई राजनेताओं और राजनीतिक दलों के साथ ही आम नागरिकों ने भी इसका विरोध किया था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन में रहते हुए, इस नाम का विरोध किया था। जबकि उस समय गठबंधन को आकार देने में उसकी सक्रियता सबसे अधिक थी। दरअसल, सब यही कह रहे थे कि कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन के प्रति सहानुभूति जुटाने एवं उसकी नीतियों पर पर्दा डालने के लिए चालाकी से गठबंधन का नाम 'इंडिया' चुना। कोई उनके गठबंधन की आलोचना करे तो उसके भारत विरोधी कहा जा सकते, यह भी एक मंशा थी। इसलिए समझदार लोग अभी भी कांग्रेसनीत गठबंधन को 'इंडी' या 'आईएनडीआईए' गठबंधन कहते हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो कांग्रेस को दोहरा नुकसान हो रहा है। एक, अच्छे नेता उसका साथ छोड़ रहे हैं। दूसरा, कांग्रेस के बारे में आम जनता की धारणा पक्की होती जा रही है। कांग्रेस में जो समझदार नेता हैं, उन्हें आगे आकर स्थितियों को संभालना होगा। पार्टी छोड़नेवाले नेताओं को बुरा-भला कहने से बात नहीं बनेगी अपितु उन्हें पार्टी के बारे में पुनर्विचार करना चाहिए। हालांकि, इसकी संभावना कम है क्योंकि कांग्रेस में इस समय कम्युनिस्ट विचारधारा के नेताओं का प्रभाव अधिक है। कांग्रेसी सोच का कार्यकर्ता एवं नेता हासिए पर धकेल दिए गए हैं।

देश की जनता उन आरोपों से परिचित है। सामान्य आरोप होने के बाद भी ये कांग्रेस को गंभीर नुकसान पहुँचा रहे हैं। उसका कारण है कि कांग्रेस को लेकर जनता का जो मानस पहले से बना है, ये आरोप उसको ही पुष्ट करते हैं। जैसे गौरव वल्लभ ने आरोप लगाए कि कांग्रेस ने उन्हें जबरन अदाणी के खिलाफ बोलने के लिए कहा था। कांग्रेस में नेताओं को इस बार के लिए कहा जाता है कि वे उद्योगपतियों को बुरा-भला बोलें। सनातन का पक्ष न लें। भाजपा की सदस्यता लेने के बाद गौरव वल्लभ ने खुलकर कहा कि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा इसलिए दिया है क्योंक वे सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकते और 'वेल्थ क्रिएटर्स' को गाली नहीं दे सकते हैं। जनता के मन में भी यह बात पहले से बैठी हुई है कि कांग्रेस देश के उद्योगपतियों को निशाने पर ले रही है।

माफियाओं और अपराधियों को सजा देना न्यायिक प्रक्रिया का अंग है

अपराधियों को नायक बनाने की खतरनाक प्रवृत्ति

अवधेश वुमार

मुख्तार अंसारी के घर नेताओं के जाने का सिलसिला जारी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के घर जाकर उसे महान और मसीहा साबित करने की उसे कोशिश को आगे बढ़ाया जो उसकी मौत के समय से ही चल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता ने जेल में रहते हुए मुख्तार को पांच बार विधायक बनाया तो इसका मतलब है कि वह जनता के दुख दर्द में शामिल रहे और उसी का परिणाम है की जनाजे में इतनी अधिक भीड़ उमड़ी। उन्होंने बांदा जेल में मुख्तार की मृत्यु पर सरकार को घेरा तथा उसकी तुलना रूस में विपक्ष के नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में हुई मृत्यु से कर दी।

खलनायक को नायक बनाने की सांप्रदायिक और विभाजनकारी प्रवृत्ति के व्रत कर खड़ा होने की आवश्यकता है। हमारे देश में न्याय का शासन है। माफियाओं और अपराधियों को सजा देना न्यायिक प्रव्रिया का अंग है। यह जितना मुसलमान पर लागू होता है उतने ही हिदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी ईसाई सभी पर। मुख्तार अंसारी के घर नेताओं के जाने का सिलसिला जारी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के घर जाकर उसे महान और मसीहा साबित करने की उसे कोशिश को आगे बढ़ाया जो उसकी मौत के समय से ही चल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता ने जेल में रहते हुए मुख्तार को पांच बार विधायक बनाया तो इसका मतलब है कि वह जनता के दुख दर्द में शामिल रहे और उसी का परिणाम है की जनाजे में इतनी अधिक भीड़ उमड़ी। उन्होंने बांदा जेल में मुख्तार की मृत्यु पर सरकार को घेरा तथा उसकी तुलना रूस में विपक्ष के नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में हुई मृत्यु से कर दी। उसकी मौत को राजनीतिक दलों, वुछ नेताओं, संगठनों आदि के द्वारा विवादास्पद बनाया जा चुका है। जेल में किसी भी वैदी की मृत्यु हो कानून के अनुसार उसकी न्यायिक दंडाधिकारी से जांच आवश्यक है। यह अंसारी के मामले में भी है और जांच रिपोर्ट आनी बाकी है। बांदा मेडिकल कॉलेज ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया है। बांदा जेल से भी समाचार यही था कि मुख्तार अंसारी को हार्ट अटैक आया और उसे अस्पताल ले जाया गया। मुख्तार अंसारी ,पिछले लंबे समय से जब भी वीडियो में आया काफी कमजोर दिखता था। ह्वील चेयर पर ही उसके बाहर निकलने या अंदर जाने की तस्वीरें आईं थीं। उसकी मेडिकल रिपोर्ट में अनेक बीमारियां लिखी हुईं है। इतनी बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति की कभी भी किसी कारण से मृत्यु हो सकती है। स्वयं को बाहुबल और धनबल की बदौलत बादशाहत कायम करने की मानसिकता में जीने वाले व्यक्ति को जेल में आम अपराधी की तरह व्यवहार से मानसिक आघात लगना बिलवुल स्वाभाविक है। मानसिक तनाव, दबाव, हताशा मनुष्य को अनेक बीमारियों से ग्रस्त करती है। योगी

आदित्यनाथ सरकार के कारण बांदा जेल में वह आम सजा प्राप्त वैदी की तरह ही था। हमारे देश के वुछ बुद्धिजीवी, संगठन, नेता, राजनीतिक परटियों आदि के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का कोई मायने ही नहीं है। प्रचारित यह किया जा रहा है कि उसे मारा गया है। जिस तरह वुछ दिनों से उसके परिवार और वकील यह खबर पैला रहे थे कि उनको धीमा जहर दिया जा रहा है वह रणनीति का अंग था। ऐसा लगता था जैसे उसे जमानत देने या मन मुताबिक किसी जेल में शिफ्ट करने का आधार बनाया जा रहा था। मृत्यु से वुछ दिनों पहले अपने बेटे से बातचीत का उसका ऑडियो वायरल हुआ है जिसमें उसके काफी कमजोर होने का आभास मिल रहा था। वह कह रहा था कि काफी दिनों से उसे मोशन नहीं हुआ और यह भी कि शरीर चला जाएगा लेकिन रुह रहेगा। अंसारी का बेटा उसे दिलासा देते हुए कहता है कि पापा आपका शरीर रहेगा और आप हज भी करेंगे। हम अदालत से गुहार कर रहे हैं और अनुमति मिलते ही आपसे मिलने आएंगे। उसके काफी अस्वस्थ व कमजोर होने के साथ गहरी निराशा में डूबे होने का पता भी ऑडियो से चलता है। सपा, बसपा ,अन्य परटियों, मजहबी नेताओं आदि ने जिस ढंग का माहौल बनाया है उसने फिर देश के आम व्यक्ति को उद्वेलित किया है। जितनी संख्या में उसके नमाज ए जनाजा में लोग शामिल हुए वह किसी भी समाज के सामान्य अवस्था का द्योतक नहीं है। हमारे देश में कानून सबके लिए बराबर है और सजा देने का काम न्यायालय का ही है। जेल नियम के अनुसार किसी भी वैदी की हर प्रकार से देखभाल कानूनी तौर पर अपरिहार्य है। ऐसा कोई कारण नहीं दिखता जिससे प्रशासन या जेल या सरकार उसे तत्काल अवैध तरीके से मारने का कदम उठाए। इस समय उसकी मृत्यु से किसी को वुछ भी प्राप्त नहीं होने वाला था। ठीक इसके उलट लगातार उसे सजा मिल रही थी और अंतिम समय तक वह जेल में छटपटाते रहता तो इसका संदेश अन्य माफियाओं, बाहुबलियों, अपराधियों के बीच जाता कि ऐसे लोगों के साथ यही होना है। योगी आदित्यनाथ सरकार की दृष्टि से यह स्थिति ज्यादा अनुवूल थी। मृत्यु के बाद उसे गरीबों का मसीहा और नायक बनाया गया वह वाकई भय पैदा करता है। मुख्तार अंसारी न्यायालय द्वारा सिद्ध माफिया, हत्यारा, अपहरणकर्ता, सांप्रदायिक दंगा करने वाला बाहुबली था। 65 से ज्यादा मुकदमे उसके नाम पर थे जिनमें से आठ में उसे सजा दी जा चुकी थी। इनमें दो में उम्र वैद की सजा थी। यानी न्यायालय ने उसे अंतिम सांस तक जेल में रखने की सजा दी थी। तो न्यायालय द्वारा घोषित सजाप्राप्त अपराधी को मुसलमानों का नायक, गरीबों का मसीहा बताया जा रहा है तथा राजनीतिक परटियां और नेता उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं इससे ज्यादा डरावना किसी देश के लिए वुछ नहीं हो सकता। वे सरकार और पुलिस प्रशासन के साथ न्यायपालिका पर भी प्रश्न उठा रहे हैं। किसी उदारवादी, समाज हितैषी, हिदू मुस्लिम एकता के लिए काम करने वाले मुसलमान की मृत्यु पर न ऐसी प्रतिव्रियाएं आतीं हैं न इतने लोग इकट्ठे होते हैं और न उनमें किसी तरह की भावविह्वलता और आव्रामकता देखी जाती है। इसके विपरीत चाहे मुख्तार अंसारी हो, बिहार का बाहुबली सैयद सहाबुद्दीन, अतीक अहमद या मुंबई बम विस्फोटों का आतंकवादी टाइगर मेनन उनके जनाजे में इतने बड़े जन समूह का उभरना मुस्लिम समाज के अंदर बढ़ती ऐसी प्रवृत्ति है जिससे डरने और जिसको हर हाल में रोके जाने की आवश्यकता है।

दृष्टि कोण

घर में घुसकर मारने के बयान पर चुप्पी क्यों

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के घर में घुस कर मारने के बयान के बाद भी पूरी दुनिया चुप रही। पाकिस्तान के सिवाय विश्व के किसी भी देश ने इस पर कोई सख्त टिप्पणी करना तो दूर, सामान्य प्रतिक्रिया तक नहीं जताई। विश्व के देशों की समझ में आ गया है कि आतंकवाद के लिए बदनाम पाकिस्तान जैसे देश के लिए भारत से रिश्ते बिगाडऩा समझदारी नहीं है। बदले हुए वैश्विक परिदृश्य में हर देश सिर्फ नेशन फर्स्ट की नीति पर चल रहा है। इसलिए कोई देश किसी दूसरे देश के खिलाफ कोई प्रतिक्रिया तब तक नहीं देता है, जब तक कि उसके हितों पर आंच नहीं आए। ब्रिटिश अखबार गार्डियन की रिपोर्ट के बाद ठीक ऐसा ही हुआ है। गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में हुई करीब 20 हत्याएं संयुक्त अरब अमीरात से संचालित भारतीय खुफिया एजेंसियों के स्लीपर सेल के जरिए अंजाम दिए गए। हत्याओं को अंजाम देने के लिए स्थानीय अपराधियों या गरीब पाकिस्तानियों को लाखों रुपए देने का आरोप है। भारतीय एजेंटों ने हत्याओं को अंजाम देने के लिए कथित तौर पर जिहादियों को भी भर्ती किया, उन्हें यह विश्वास दिलाया गया कि वे काफिरों को मार रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2019 के पुलवामा हमले के बाद से भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ द्वारा करीब 20 इस तरह की हत्याएं की गईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह पाकिस्तान द्वारा दिए गए सबूतों और सीमा के दोनों ओर के खुफिया अधिकारियों के इंटरव्यू पर आधारित है। इस खबर के बाद भी पाकिस्तान को छोड़ कर दुनिया के सभी देश खामोश रहे। भारत ने भी मौजूदा दौर में बदली हुई विदेश नीति के तहत इस बात को दबाने या छिपाने के बजाय विश्व के समक्ष साफ जाहिर कर दिया कि आतंकी कार्रवाईयों पर भारत चुप नहीं बैठेगा, बल्कि ऐसी कार्रवाईयों का मुंहतोड़ जवाब देगा। हालांकि भारत ने गार्डियन की इस रिपोर्ट का न तो खंडन किया और न ही समर्थन किया। भारत ने विश्व के सामने अपनी नीति को स्पष्ट कर दिया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने पूर्व में दिए गए बयान से भी एक कदम आगे निकल गए। सिंह ने पाकिस्तान को उसकी धरती पर आतंकवादी गतिविधियों से निपटने के लिए सहायता की पेशकश कर डाली। उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान खुद को अक्षम महसूस करता है तो भारत आतंकवाद को रोकने के लिए सहयोग करने को तैयार है। हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी भी दी कि अगर उसका मकसद आतंकवाद का इस्तेमाल कर भारत को अस्थिर करना है तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। यह सख्त टिप्पणी उनके द्वारा पाकिस्तान को चेतावनी देने के एक हफ्ते बाद आई है कि भारत सीमा पार करके भागने की कोशिश करने वाले किसी भी आतंकवादी का पीछा करेगा। उन्होंने कहा था कि अगर वे पाकिस्तान भागेंगे तो हम उन्हें मारने के लिए पाकिस्तान में घुसेंगे। जमुई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान का बिना नाम लिए कहते हैं कि छोटे-छोटे देश जो आज आटे के लिए तरस रहे हैं, उनके आतंकी हम पर हमला करके चले जाते थे और तब की कांग्रेस दूसरे देशों के पास शिकायत लेकर जाती थी। आज का भारत घर में घुस कर मारता है। पाकिस्तान ने राजनाथ सिंह के इस बयान को भडक़ाऊ बताते हुए इसकी निंदा की। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान का इतिहास खुद की रक्षा करने के लिए गवाही देता है। पाकिस्तान ने कहा कि हमने हमेशा क्षेत्र में शांति के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है और यह भी कहा कि इतिहास पाकिस्तान के दृढ़ संकल्प और खुद की रक्षा करने की क्षमता की गवाही देता है। यह पहला मौका है जब भारत ने आतंकवाद के खिलाफ एक कदम आगे बढ़ते हुए परिवर्तित नीति का खुलासा किया है। इससे पहले ऐसे मामलों से भारत कन्नी काटता रहा है। आतंकियों के लगातार मारे जाने पर पाकिस्तान ने भारत पर आरोप लगाया था। पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस कार्रवाई को अंजाम देने वाले एक भारतीय पासपोर्ट धारक को गिरफ्तार किया गया है। भारत ने तब इसे बेबुनियाद बताया था। इसी तरह कनाडा में आतंकी निज्जर की हत्या और अमरीका में आतंकी पन्नू की हत्या के प्रयासों के आरोपों पर भारत ने रक्षात्मक रुख अख्तियार करते हुए ऐसी कार्रवाईयों का खंडन किया था। किन्तु गार्डियन की खबर के बाद भारत ने अपना स्टैंड बदल लिया है। इस बदली हुई नीति का संदेश विश्व को दिया गया है। गौरतलब है कि कनाडा, अमरीका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और अन्य देशों में खालिस्तानी आतंकियों ने भारत के खिलाफ धरने-प्रदर्शन और हिंसात्मक कार्रवाईयां की हैं। भारत इन पर अपना विरोध जताता रहा है। रक्षामंत्री का बयान इन देशों और इनमें पल रहे आतंकियों के लिए भी चेतावनी है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि हर मामले की एक हद होती है। अब भारत किसी को बख्शेगा नहीं। विश्व के देश भारत के बदले हुए तेवर से स्तब्ध हैं। किसी भी देश ने इस मुद्दे पर पाकिस्तान का साथ नहीं दिया। इसकी प्रमुख वजह है कि भारत सभी देशों से कमोबेश द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत कर रहा है। इसमें रणनीति और व्यापारिक संबंध शामिल हैं। सभी देशों को लगता है कि एक अरब 40 करोड़ की आबादी वाला भारत सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। दो देशों के आपसी संबंधों के मामले में बीच में पडऩा अब कोई भी देश नहीं चाहता।

कुछ अलग

बनाम छोटा पप्पू

मंडी संसदीय क्षेत्र ने अचानक सारे राष्ट्र की निगाहें हिमाचल की ओर मुखातिब की हैं। मानना पड़ेगा कि यह सब वहां से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत की वजह से कहीं ज्यादा हो रहा है। चुनावी फलक के दूसरे छोर पर वीरभद्र सिंह परिवार का पारंपरिक दुर्ग और उनकी राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकार खड़ा है। बात कहां से चली और कहां तक पहुंचेगी, लेकिन आरंभिक जोश से ही मालूम पड़ता है कि मंडी चुनाव में जाहिर मंतव्य किसी भी हद तक जहरीला और व्यक्तिगत आक्षेपों में माहिर होना चाहता है। यहां कंगना की पृष्ठभूमि, ग्लैमर और बेबाकी के सामने विक्रमादित्य सिंह की राजनीतिक समझ, वाकपुटता और सत्ता में भागीदारी खड़ी है। कंगना का प्रचारतंत्र देश के लिए और देश के सामने, भाजपा का अभ्यास वर्ग है, इसलिए जरूरी नहीं कि वह हिमाचली मुद्दों की बिसात तक ही रहे। इसलिए वह सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय बहस की पात्र बनी रहना चाहती है और मुकाबले के हर पहलू में मंडी के स्वाभिमान और पहाड़ की बेटी होने का मर्म जाग्रत करती है। इस तरह वह न तो अधकचरी और न ही आसान हस्ती हैं। विवाद उनका गहना और चर्चाएं उनका पोशाक है। हिमाचल के राजनीतिक इतिहास में यह दूसरी बार हो रहा है जब कोई सियासी शख्सियत अपनी गैर मौजूदगी में भी चर्चाओं से दूर नहीं। स्वर्गीय वीरभद्र सिंह को जब प्रदेश की राजनीति से दूर केंद्रीय मंत्री के दायित्व में सीमित करने के जोरदार प्रयास हो रहे थे, तब भी वह हिमाचल की हर बहस के प्रमुख पात्र थे। हिमाचल के प्रवेशद्वारों यानी सोलन व ऊना जिलों में वह बयान दाग कर विपक्ष को तब तक चर्चा का मौका देते थे, जब तक वह दिल्ली नहीं लौट जाते। उनकी शब्दावली से निकले रौंदू या मकड़झंडू जैसे शब्दों की व्याख्या आज भी विरोधियों के सिर में खुजली करती है, जबकि उनकी हाजिरजवाबी का अंदाज आजकल के नेताओं में ढूंढे नहीं मिलता। ऐसे में कंगना का राजनीतिक अवतार पुनः बहस के कटोरे में कई खड्डों का पानी भर रहा है। सवाल यह है कि हिमाचल की जनता को अब इस स्तर की बहस में मजा आने लगा है। क्या वह नारी होने के कारण विरोधियों पर भारी होने जा रही है। क्या उसे राष्ट्रीय बहस में हिमाचल के मुद्दे गौण करने से लाभ होगा या कांग्रेस की लंका जलाते हुए अपने हाथ जलाने चाहिएं। जो भी हो, मनाली में उसके निशाने अगर बड़े पप्पू बनाम छोटे पप्पू को खोज रहे हैं, तो यह नई राजनीति का पहला संदेश भी है। इस दौर की आक्रामकता की पेशगी में कंगना बता चुकी है कि वह अपनी तरह की बिसात पर कुछ भी फैला सकती है। प्रदेश में वह बनाम राजनीति का उद्भव तो ढूंढ चुकी है, लिहाजा उपमाएं बदलेंगी और सरोकार भी रक्षा कवच पहनेंगे। जो भी हो हिमाचल में अब सवाल कंगना बनाम विक्रमादित्य सिंह तक ही नहीं। बागी कांग्रेसी बनाम कांग्रेस, राजनीतिक गोटियां बनाम हकीकत, दोस्त बनाम कार्यकर्ता, पूर्व मुख्यमंत्री बनाम वर्तमान, डबल इंजन बनाम व्यवस्था परिवर्तन और इसी तरह उम्मीदवारों के चयन में कहीं गद्दी बनाम चौधरी, पंडित बनाम राजपूत और दलित बनात कबायली भी होने लगा है। ऐसे में कांग्रेस क्या ओपीएस, रोजगार, निवेश, केंद्र संबंधों, हिमाचली अधिकारों, और सवा साल की सत्ता के बनाम भाजपा के खोट कुशलता से रख पाएगी। जनता के लिए बहस को पटरी पर लाने की चुनौती दोनों पार्टियों की रहेगी, लेकिन ऐसा हो नहीं रहा। कांग्रेस के लिए बागी विधायकों को निपटाना सबसे बड़ी चुनौती है, लिहाजा बयानों की फेहरिस्त में जाहिर तलख्यिों का विवरण ढूंढना कठिन है।

देश दुनिया से

न्यायिक व्यवस्था में मिसाल बनेंगे न्यायमूर्ति रमना

कानून मंत्री सही समय पर मौजूदा मुख्य न्यायाधीश से उनके उत्तराधिकारी का नाम मांगते हैं और मुख्य न्यायाधीश नियमानुसार प्राय: उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज के नाम की सिफारिश भेजते हैं। अनुशंसा पत्र मिलने के बाद कानून मंत्री इसे प्रधानमंत्री के समक्ष रखते हैं, जिनकी सलाह पर राष्ट्रपति नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं। चीफ जस्टिस ने कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद को लिखे पत्र में जस्टिस एनवी रमना को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के लिए सबसे उपयुक्त बताया था। न्यायमूर्ति रमना की नियुक्ति को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि उनके नाम की अनुशंसा जस्टिस बोबड़े द्वारा उस दिन की गईं।

न्यायमूर्ति रमना की नियुक्ति को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि उनके नाम की अनुशंसा जस्टिस बोबड़े द्वारा उस दिन की गईं, जिस दिन उच्चतम न्यायालय के पैनल ने जस्टिस रमना के खिलाफ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करने के पैसले को सार्वजनिक किया था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविद की स्वीवृति के बाद न्यायमूर्ति नथालापति वेंकट रमना भारत के 48वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) होंगे। 64 वषाय जस्टिस रमना 24 अप्रैल को देश के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे। दरअसल मौजूदा मुख्य न्यायाधीश एस ए बोबड़े का कार्यकाल 23 अप्रैल को पूरा हो रहा है और अपने उत्तराधिकारी के रूप में उन्होंने पिछले महीने न्यायमूर्ति एनवी रमना के नाम की सिफारिश की थी। नियमानुसार मौजूदा मुख्य न्यायाधीश अपनी सेवानिवृत्ति से एक महीने पहले वेंद्रीय कानून मंत्री को एक लिखित पत्र भेजकर नई नियुक्ति के लिए सिफारिश करते हैं। कानून मंत्री सही समय पर मौजूदा मुख्य न्यायाधीश से उनके उत्तराधिकारी का नाम मांगते हैं और मुख्य न्यायाधीश नियमानुसार प्रायः उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज के नाम की सिफारिश भेजते हैं। अनुशंसा पत्र मिलने के बाद कानून मंत्री इसे प्रधानमंत्री के समक्ष रखते हैं, जिनकी सलाह पर राष्ट्रपति नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं। चीफ जस्टिस ने कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद को लिखे पत्र में जस्टिस एनवी रमना को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के लिए सबसे उपयुक्त बताया था। न्यायमूर्ति रमना की नियुक्ति को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि उनके नाम की अनुशंसा जस्टिस बोबड़े द्वारा उस दिन की गईं, जिस दिन उच्चतम न्यायालय के पैनल ने जस्टिस रमना के खिलाफ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करने के पैसले को सार्वजनिक किया था। बहरहाल राष्ट्रपति की स्वीवृति के पात अब जस्टिस एनवी रमना ही देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। उनका कार्यकाल डेढ़ वर्ष से भी कम समय का होगा, वे 26 अगस्त 2022 को इस पद से सेवानिवृत्त होंगे। इस प्रकार वे महज 16 महीने तक ही इस महत्वपूर्ण पद पर रहेंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रह चुके न्यायमूर्ति रमना 17 फरवरी 2014 से सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं और वरिष्ठता के आधार पर वह सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान न्यायाधीशों में जस्टिस बोबड़े के बाद दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। 27 अगस्त 1957 को आंध्र प्रदेश के वृष्णा जिले के पोन्नवरम गांव में एक किसान परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति रमन्ना ने विज्ञान और वकालत में स्नातक किया है। वकालत करने के बाद जीविकोपार्जन के लिए उन्होंने करीब दो साल तक एक तेलुगू दैनिक अखबार में संपादकीय कार्य किया और वकालत वैरियर की शुरुआत 10 फरवरी 1983 को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में एक वकील के तौर पर की। उसके बाद वे आंध्र प्रदेश के अतिरित्त एडवोकेट जनरल भी बने। 27 जून 2000 को आंध्र प्रदेश हाईं कोर्ट के स्थायी जज के तौर पर उनकी नियुक्ति हुईं। 13 मार्च 2013 से 20 मईं 2013 के दौरान न्यायमूर्ति रमना आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश भी रहे और 2 सितम्बर 2013 को पदोन्नति के बाद उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। 17 फरवरी 2014 को न्यायमूर्ति एन वी रमना सर्वोच्च न्यायालय के जज बने। जस्टिस रमना आंध्र प्रदेश हाईं कोर्ट के पहले ऐसे न्यायाधीश होंगे, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। हालांकि तेलुगू भाषियों की बात की जाए तो वे सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बनने वाले दूसरे ऐसे न्यायाधीश होंगे। जस्टिस एनवी रमना से पहले के सुब्बा राव भारत के चीफ जस्टिस रह चुके हैं। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 15 जुलाईं 1902 को मद्रास प्रेसीडेंसी में जन्मे सुब्बा राव 30 जून 1966 से 11 अप्रैल 1967 तक देश के मुख्य न्यायाधीश रहे थे। जस्टिस रमना अपने अब तक के कार्यकाल में अपने कईं महत्वपूर्ण पैसलों को लेकर काफी चर्चित रहे हैं लेकिन सर्वाधिक चर्चा में वह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर रहे हैं। दरअसल मुख्यमंत्री रेड्डी ने उन पर आरोप लगाया था कि वह आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के साथ मिलकर सरकार गिराने का प्रयास कर रहे हैं। रेड्डी ने अमरावती जमीन घोटाले में भी जस्टिस रमना के परिवार के वुछ सदस्यों की भूमिका का आरोप लगाया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक जांच के बाद मुख्यमंत्री की इस शिकायत को खारिज करते हुए उनके आरोपों को झूठा, तुच्छ, आधारहीन और गलत करार देते हुए इसे न्यायपालिका को धमकाने का प्रयास बताया। न्यायमूर्ति रमना ने अपने अभी तक के कार्यकाल में देश की शीर्ष अदालत में कईं हाईं प्रोफाइल मामलों को सुनवाईं की और उनके ऐसे कईं पैसले काफी चर्चित रहे।

आप का नजरिया

खटाखट कैसे मिटेगी गरीबी

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'गरीबी मिटाओ' का एक फॉर्मूला दिया है। उनके मुताबिक, यदि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी, तो प्रत्येक गरीब परिवार की एक महिला के बैंक खाते में एक लाख रुपए सालाना जमा कराए जाएंगे। वह गरीब परिवार किसान, मजदूर या किसी का भी हो सकता है, उस परिवार की महिला को 8500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। यह आर्थिक मदद तब तक जारी रहेगी, जब तक वह परिवार गरीबी-रेखा से बाहर नहीं आ जाता। क्या कांग्रेस ने ऐसी योजना के अर्थशास्त्र का अध्ययन किया है? सबसे अहम सवाल तो गरीबों की संख्या का है। दरअसल ऐसे गरीबों की देश में कितनी संख्या है, यह न तो कांग्रेस को पता है और न ही सरकार यह डाटा साझा करना चाहती है। गरीबी-रेखा की परिभाषा तक निश्चित नहीं है। देश में गरीबी की स्थिति क्या है, उसे लेकर भी विरोधाभास हैं। राहुल गांधी ने एक बार फिर आर्थिक असमानता के यथार्थ को दोहराया है। देश के 22 सबसे अमीर भारतीयों के पास इतना धन है, जितना 70 करोड़ लोगों के पास है। राहुल गांधी के अनुसार, मोदी सरकार ने अरबपतियों के 16 लाख करोड़ रुपए माफ किए हैं। यह देश के महज 25-30 धन्नासेठों की इतनी राशि है, जितनी 24 साल तक मनरेगा के जरिए मजदूरों को दी सकती थी। राहुल यह चुनाव देश के गरीबों और 22-25 अरबपतियों के बीच की लड़ाई मानते हैं। यह वामपंथी सोच का विश्लेषण है। दि अरबपतियों के पास बेइंतहा आर्थिक संसाधन हैं, तो उनकी कंपनियां लाखों लोगों को रोजगार भी देती हैं और करोड़ों रुपए के कर भी अदा करती हैं। बहरहाल राहुल गांधी का दावा है कि कांग्रेस देश से खटाखट गरीबी को मिटा देना चाहती है। हमारी जो गारंटी है, उसके जरिए हम एक ही झटके में गरीबी समाप्त कर देना चाहते हैं। राहुल गांधी की दादी एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी 1971 में 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया था और प्रचंड बहुमत के साथ चुनाव जीता था। उसके बाद की कांग्रेस सरकारों में भी 'गरीबी' एक बुनियादी एजेंडा रहा, लेकिन एक समय आया था, जब 'योजना आयोग' (अब नीति आयोग) भी मानता था कि करीब 30 करोड़ भारतीय गरीबी-रेखा के नीचे जीने को अभिशप्त हैं। समितियां बनाई गईं, फॉर्मूले तय किए गए, लेकिन सही डाटा देश के सामने पेश नहीं किया जा सका। चूंकि अब प्रधानमंत्री मोदी सार्वजनिक मंचों पर बार-बार दोहरा रहे हैं कि उनकी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को 'गरीबी' से बाहर निकाला है। यानी प्रधानमंत्री भी स्वीकार करते हैं कि देश में 25 करोड़ गरीब रहे हैं, जिन्हें उस रेखा से उबारा गया है। प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान ही देश के सामने है, अलबत्ता कोई बिंदुवार और क्षेत्रवार आंकड़े देश के सामने नहीं रखे गए हैं। इसी दौर में आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने एक आर्थिक आकलन सार्वजनिक किया था। उसके मुताबिक, देश में 23 करोड़ से अधिक भारतीय ऐसे हैं, जो 375 रुपए रोजाना की कमाई करने में भी असमर्थ हैं। वे भी गरीबी-रेखा के नीचे की आबादी हैं।

जनवरी-मार्च तिमाही में कुल बिक्री में सस्ते घरों कही हिस्सेदारी घटकर 22 प्रतिशत

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

लक्जरी फ्लैटों की मजबूत मांग के बीच देश के शीर्ष आठ शहरों में जनवरी-मार्च के दौरान कुल आवास बिक्री में किफायती घरों की हिस्सेदारी (जिनकी कीमत 45 लाख रुपये तक है) आधे से भी अधिक घटकर 22 प्रतिशत रह गई। कैलेंडर वर्ष 2023 की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल आवास बिक्री में किफायती घरों की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत थी।

हाउसिंग ब्रोकरेज फर्म प्रॉपटाइगर.कॉम के आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी-मार्च 2024 के दौरान शीर्ष आठ शहरों में आवास की बिक्री 41 प्रतिशत बढ़कर 1,20,640 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 85,840 इकाई थी।

महामारी के बाद महंगे घरों की बढ़ी बिक्री

जनवरी से मार्च के दौरान 1,20,640 आवास इकाइयों की कुल बिक्री में 25 लाख रुपये से कम कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत थी। पिछले साल इसी अवधि में इस श्रेणी के घरों की बिक्री की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत थी। जनवरी-मार्च 2024 के दौरान 25-45 लाख रुपये कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत थी, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में हिस्सेदारी 23 प्रतिशत थी।

प्रॉपटाइगर.कॉम ने अपनी त्रैमासिक रिपोर्ट रियल इनसाइट रेजिडेंशियल जनवरी-मार्च 2024 महामारी के बाद अधिक कीमत वाले घरों की बिक्री बढ़ी है। 2024 की पहली तिमाही में एक करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाली संपत्तियों की हिस्सेदारी बढ़कर 37 प्रतिशत हो गई है, जो 2023 की समान अवधि में 24 प्रतिशत से काफी अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन अवधि में कुल बिक्री में 45-75 लाख रुपये कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत पर स्थिर रही। कुल बिक्री में 75 लाख से एक करोड़ रुपये की लागत वाले घरों की हिस्सेदारी इस साल जनवरी-मार्च में बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 12 प्रतिशत थी।

शामिल हैं ये शहर

शीर्ष आठ शहर अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली- एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) और पुणे हैं। दिल्ली-एनसीआर में गाजियाबाद, फरीदाबाद, ग्रेटर नोएडा, नोएडा और गुरुग्राम शामिल हैं। एमएमआर में मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

बीते वित्त वर्ष रिकार्ड 18 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ी, लक्ष्य के लिए बढ़ानी होगी कैपिसिटी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में रिकार्ड 18.48 गीगावाट की बढ़ोतरी की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के डाटा के अनुसार, इसमें पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 21 प्रतिशत की वृद्धि रही है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 15.27 गीगावाट की वृद्धि हुई थी। बढ़ानी होगी क्षमता उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को अगले छह वर्षों के दौरान सालाना कम से कम 50 गीगावाट क्षमता बढ़ानी होगी। डाटा के अनुसार, 31 मार्च 2024 को भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 143.64 गीगावाट हो गई है। जल विद्युत क्षमता नहीं है शामिल इसमें 47 गीगावाट की जल विद्युत क्षमता शामिल नहीं है। हाल ही में एक साक्षात्कार में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने कहा कि हम समय से पहले 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तैयार करने के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। आंकड़ों से पता चला कि 12.78जीडब्लू की सौर स्थापनाओं से 2023-24 में 15.27 जीडब्लू की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि हुई, इसके बाद 2.27 जीडब्लू पवन ऊर्जा हुई। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के बीच कुल सौर स्थापित क्षमता 81.81 गीगावॉट पर चार्ट में सबसे ऊपर है, इसके बाद लगभग 46 गीगावॉट पवन ऊर्जा, 9.43 गीगावॉट बायोमास सह-उत्पादन और 5 गीगावॉट लघु पनबिजली (प्रत्येक 25 मेगावाट क्षमता तक) है। बता दें राज्यों में गुजरात और राजस्थान में लगभग 27 गीगावॉट की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है, इसके बाद तमिलनाडु में लगभग 22 गीगावॉट, कर्नाटक में लगभग 21 गीगावॉट और महाराष्ट्र में लगभग 17 गीगावॉट है। हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश ने लगभग 11 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित की है।

सोना 72 हजार, चांदी 83 हजार के पार

नई दिल्ली। इस सप्ताह सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ जबकि चांदी के वायदा भाव

की शुरुआत सुस्त रही। हालांकि बाद में इसके भाव भी तेजी के साथ कारोबार करने लगे। सोमवार को सोने के वायदा भाव 72 हजार और चांदी के वायदा भाव 83 हजार रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बाद में इनकी कीमतों में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 187 रुपये की तेजी के साथ 72,030 रुपये के भाव पर खुलकर 223 रुपये की तेजी के साथ 72,066 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 14 रुपये की गिरावट के साथ 8,2799 रुपये के भाव पर खुलकर 419 रुपये की तेजी के साथ 83,232 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,369.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

बायजू इंडिया के सीईओ अर्जुन मोहन ने दिया इस्तीफा, रविंद्रन खुद संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। बायजू इंडिया के सीईओ और संस्थापक बायजू रवींद्रन के विश्वासपात्र अर्जुन मोहन ने यह पद संभालने के छह महीने बाद कंपनी छोड़ दी है। यह एक महत्वपूर्ण शीर्ष-स्तरीय इस्तीफा है जो परेशान एडटेक फर्म को और संकट में डाल सकता है। हालांकि खबरों के अनुसार अर्जुन बाहरी सलाहकार के तौर पर बायजू को अपना सहयोग देते रहेंगे। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कंपनी के संस्थापक रवींद्रन पिछले एक साल से कंपनी को परेशान करने वाली कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। कंपनी के एक बयान के अनुसार मोहन के जाने के बाद रवींद्रन थिंक एंड लर्न के तहत आने वाले भारतीय कारोबार के लिए दिन-प्रतिदिन के संचालन का नियंत्रण संभालेंगे। रवींद्रन लगभग चार साल बाद दैनिक मामलों के शीर्ष पर लौट रहे हैं। वह वर्तमान योजनाओं के अनुसार, नवीनतम बदलावों पर आंतरिक रूप से घोषणा कर सकते हैं। मोहन ने पिछले साल कंपनी के सीईओ के रूप में मृणाल मोहित की जगह ली थी। ये दोनों रवींद्रन के संस्थापक टीचिंग कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) के शुरुआती दिनों में पूर्व छात्र थे। सितंबर 2023 में मृणाल मोहित बायजू से जाने के बाद कंपनी ने अर्जुन मोहन को अपने भारतीय कारोबार का सीईओ बनाया था। अर्जुन मोहन जुलाई 2023 में बायजू से उसके इंटरनेशनल बिजनेस के सीईओ के तौर पर दोबारा जुड़े थे। इससे पहले वे बायजू के साथ करीब 11 सालों तक काम कर चुके थे। बाद में वे इंडिया बिजनेस के सीईओ के तौर पर अपग्रैड में चले गए थे। दिसंबर 2022 में उन्होंने से अपग्रैड से इस्तीफ दे दिया था। अर्जुन ने एजुकेटिंग ए बिलियन नामक किताब भी लिखी है।

टेस्ला के लिए सेमीकंडक्टर चिप बनाएगी टाटा

कंपनियों के बीच डील, भारत में इस महीने कार मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट का ऐलान कर सकती है टेस्ला

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अब टेस्ला की सभी कारों के लिए सेमीकंडक्टर चिप टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बनाएगी। अमेरिकी इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरर टेस्ला ने इसके लिए टाटा के साथ स्ट्रैटेजिक डील साइन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस डील के तहत टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स टेस्ला के ग्लोबल सप्लाई के लिए चिप मैन्युफैक्चर करेगी।

यह डील ऐसे समय में हुई है जब टेस्ला के मालिक एलन मस्क भारत आने वाले हैं। मस्क प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलेंगे। सूत्रों के हवाले से बताया कि मस्क 22 से 27 अप्रैल के बीच भारत आ सकते हैं।

इस दौरान टेस्ला के मालिक भारत में कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने का ऐलान कर सकते हैं। मस्क ने ङ्क पोस्ट में लिखा- पीएम मोदी से मुलाकात का इंतजार है। उनकी यह पहली भारत यात्रा होगी। इससे पहले मस्क दो बार पीएम मोदी से मुलाकात कर चुके हैं।

कार मैन्युफैक्चरिंग और बैटरी स्टोरेज प्लांट लगाना चाहती है टेस्ला

3 अप्रैल को ब्रिटेन के फाइनेंशियल टाइम्स ने बताया था कि टेस्ला इस महीने भारत में एक टीम भेजेगी, जो देश में 2 से 3 बिलियन डॉलर (16 हजार करोड़ से 25 हजार करोड़) के इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए जगह की तलाश करेगी।

रिपोर्ट में बताया गया था कि इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए टीम का फोकस महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु जैसे ऑटोमोटिव हब वाले राज्यों पर होगा। इसकी वजह इन राज्यों के पोर्ट (बंदरगाह) हैं, जहां से कारों का एक्सपोर्ट आसान होगा।

टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कार के साथ बैटरी स्टोरेज सिस्टम भी बनाना और बेचना चाहती है। कंपनी ने इसके लिए भारतीय अधिकारियों के पास एक प्रपोजल दिया था।

भारत में 2-3 बिलियन डॉलर का निवेश करेंगे मस्क

एलन मस्क भारत में 2-3 बिलियन डॉलर का निवेश करने के प्लान की घोषणा करेंगे। टेस्ला न केवल भारत के लिए कारों की मैन्युफैक्चरिंग करना चाहती है, बल्कि यहां से उन्हें ग्लोबल मार्केट में एक्सपोर्ट भी करना चाहती है।

इसके अलावा मस्क भारत में जल्द ही सैटेलाइट बेस्ड ब्रॉडबैंड सर्विसेज भी शुरू कर सकते हैं। बताया कि स्टारलिंक के लिए रेगुलेटरी अप्रूवल्स फाइनल स्टेज में है और कंपनी को जल्द ही लाइसेंस मिलने की उम्मीद है।

सरकार की नई ईवी पॉलिसी से टेस्ला की एंट्री आसान हुई

एक महीने पहले भारत सरकार ने ईवी पॉलिसी में बदलाव किया था। नई पॉलिसी के अनुसार, कुछ मॉडल्स के इंपोर्ट पर इंपोर्ट ड्यूटी 100 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया था। इसके लिए निवेशकों को कम से कम 50 मिलियन डॉलर (करीब 4,172 करोड़) निवेश करना होगा। सरकार के इस नई पॉलिसी से लंबे समय से भारत में आने का रास्ता तलाश रही अमेरिकी बिजनेसमैन एलन मस्क की ईवी कंपनी टेस्ला के लिए भारत में एंट्री आसान हो गई।

सबसे सस्ती गाड़ी मॉडल 3 की कीमत अमेरिका में 40,000 डॉलर

टेस्ला की सबसे सस्ती गाड़ी मॉडल 3 की कीमत अमेरिका में 40,000 डॉलर है। एक बार चार्ज करने पर 263 किलोमीटर तक जा सकती है। इसमें पांच लोगों के बैठने की जगह है। टॉप स्पीड 140 किलोमीटर प्रति घंटा है। 5.3 सेकेंड में 60 मील प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। मॉडल वाय सात सीट वाली गाड़ी है। इसकी कीमत अमेरिका में 54,000 डॉलर है। यह एक बार चार्ज होने पर 326 किलोमीटर तक जा सकती है। इसकी टॉप स्पीड 135 किलोमीटर प्रति घंटा है। 4.8 सेकेंड में 60 मील प्रति घंटे की स्पीड में आ सकती है।

अब इंडोनेशिया में चलेगी भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

भारत पहले दूसरे देशों पर निर्भर रहता था लेकिन कुछ सालों से भारत में रक्षा उपकरण से लेकर कई क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल कर ली है और अब कई देश में बनी चीजें एक्सपोर्ट कर रहा है। वहीं भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार अब इंडोनेशिया में चलती नजर आएगी क्योंकि भारत ने यह कार इंडोनेशिया को एक्सपोर्ट की है।

भारत निर्मित सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार इंडोनेशिया में एक्सपोर्ट की गई है। यह दुनिया में स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती इलेक्ट्रिक कारों की खरीद को प्रोत्साहित करने में एक महत्वाकांक्षी कदम साबित होगा। सिट्रोन ने कहा है कि यह कदम मेक इन इंडिया की पहल के अनुरूप है। भारत में तैयार की गई ई-सी3 का पहला बैच इंडोनेशिया एक्सपोर्ट किया गया है।

कंपनी के सीईओ और एमडी ने कहा कि भारत न केवल एक रणनीतिक बाजार है, बल्कि वाहनों, घटकों और प्रौद्योगिकियों, कंपोनेट और मोबिलिटी टेक्नोलॉजी के लिए एक प्रमुख सोर्सिंग का केंद्र भी है। यह मेक इन इंडिया सिट्रोन ईसी3 भारतीय-फ्रांसीसी औद्योगिक सहयोग की ताकत का प्रतीक है। असल में सिट्रोन ईसी3 को विदेशों में एक्सपोर्ट करने की पहल के साथ ही भारत-फ्रांसीसी देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी भी बढ़ेगी।

उन्होंने आगे कहा कि सिट्रोन ईसी3 भारतीय बाजार में भी सफल होगी। पिछले साल हजारों कारें बिकीं है। अब पहली खेप इंडोनेशिया के लिए बनाई जा रही है। आसियान देशों को मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात के लिए लक्षित किया जा रहा है। किफायती कीमतों पर ग्रीन मोबिलिटी साल्यूशन प्रदान करने के लिए हमने यह पहल की है।

एडटेक फर्म अपग्रेड ने प्रदान की 55 हजार नौकरियां

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

एडटेक और स्किलिंग कंपनी अपग्रेड ने सोमवार को वित्त वर्ष 24 में 55 हजार लोगों को रोजगार प्रदान करने की जानकारी दी।

कंपनी ने कहा, इनमें लगभग तीन हजार राष्ट्रीय और वैश्विक कंपनियों में नई नौकरियां, करियर स्विच और पदोन्नति शामिल हैं। इसमें वार्षिक सीटीसी 4.5 एलपीए की बेसलाइन से लेकर अधिकतम 1.80 करोड़ रुपये तक हैं।

कंपनी ने मुख्य रूप से मार्केटिंग, डेटा और टेक डोमेन में देखी गई और लगभग 50 प्रतिशत नियुक्तियां मुंबई, नई दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई में की गईं। इसके बाद पुणे, कोलकाता, हैदराबाद, नोएडा, गुड़गांव, अहमदाबाद, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु में हायरिंग की। महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें लगभग दो-तिहाई महिला प्रोफेशनल हैं। दिलचस्प बात यह है कि जेनएआई, डेटा, एआई/एमएल और प्रौद्योगिकी में अपग्रेड के मुफ्त पाठ्यक्रमों में 1.4 लाख से अधिक नामांकन हुए।

अपग्रेड के सह-संस्थापक और एमडी मयंक कुमार ने कहा, हमने विभिन्न विषयों के साथ एक ठोस और एकीकृत शिक्षण व्यवस्था बनाई है। शिक्षार्थियों के बेहतर करियर लिए इसे पुनर्गठित किया गया है। नए लोगों, पहली बार नौकरी चाहने वालों, मध्य और वरिष्ठ पेशेवरों को नौकरियों में रियल टाइम पर लाभ के लिए व्यावहारिक कौशल हासिल करने के लिए कई हफ्तों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा, हमने एक मास्टर शिक्षाशास्त्र विकसित किया है, जिसका अब विस्तार किया जाएगा। वित्त वर्ष 24 में, अपग्रेड की एंटरप्राइज शाखा ने लगभग छह लाख कॉर्पोरेट पेशेवरों को प्रशिक्षित किया।

लोकसभा चुनाव से पहले आलू-प्याज की थोक कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक का इजाफा, डब्ल्यूपीआई मार्च में 0.53 प्रतिशत पर

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

थोक महंगाई दर मार्च महीने में मामूली रूप से बढ़कर 0.5 प्रतिशत हो गई है, यह पिछले महीने में 0.2 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। वाणिज्य मंत्रालय के जारी आंकड़ों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सालाना आधार पर मार्च में बढ़कर 0.53 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी।

आलू-प्याज की कीमतों में मार्च में 50 प्रतिशत से अधिक का इजाफा

थोक प्याज की कीमतें फरवरी में 29.22 प्रतिशत बढ़ी थीं जो मार्च में 56.99 प्रतिशत तक बढ़ गईं। भारत को अगली खरीफ फसल की कटाई तक प्याज की आपूर्ति में बड़ी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इस बीच, आलू के थोक मूल्य सूचकांक मार्च में 52.96 प्रतिशत बढ़े जबकि फरवरी में इसमें 15.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आंकड़ों के अनुसार एक साल पहले मार्च महीने में प्याज की थोक कीमतों में 36.83 प्रतिशत और आलू में 25.59 प्रतिशत की गिरावट आयी थी।

थोक खाद्य मुद्रास्फीति में सालाना आधार पर 4.7 प्रतिशत का इजाफा

मार्च, 2024 के महीने के लिए डब्लूपीआई सूचकांक में महीने-दर-महीने का परिवर्तन फरवरी, 2024 की तुलना में 0.40 प्रतिशत रहा। थोक खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी में सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़ने के बाद मार्च में 4.7 प्रतिशत तक बढ़ गई। वहीं, मासिक आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी में 0.11 प्रतिशत बढ़ने के बाद मार्च में 1.01 प्रतिशत बढ़ी।

ईंधन और बिजली की थोक कीमतों में देखी गई कमी

मार्च, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, बिजली, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, मशीनरी और उपकरण और अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की थोक मुद्रास्फीति मार्च में 4.87 प्रतिशत बढ़ी जबकि पिछले साल इसी महीने में इसमें 1.19 प्रतिशत की गिरावट आई थी। वहीं ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति मार्च में शून्य से 0.77 प्रतिशत घटी।

इमामी समूह के निदेशक बोले- देश में काम करने के पर्याप्त अवसर, लगातार मेहनत दिलाएगी सफलता

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इमामी एक भारतीय बहुराष्ट्रीय समूह है। इसका मुख्यालय कोलकाता में है। कंपनी का विस्तार एफएमसीजी, रियल एस्टेट और स्वास्थ्य देखभाल समेत कई क्षेत्रों में है। 34,000 करोड़ रुपये की कंपनी 60 से अधिक देशों में अपने उत्पाद बेचती है। देश में इसके उत्पाद 45 लाख खुदरा दुकानों में उपलब्ध हैं। 70 के दशक में शुरू हुई इस कंपनी की नींव दो दोस्तों राधेश्याम अग्रवाल और राधेश्याम गोयनका ने रखी थी। 50 साल की यह यात्रा कैसी रही और क्या चुनौतियां आईं, इस पर समूह के निदेशकों आदित्य वी अग्रवाल और मनीष गोयनका से राहुल कांकरिया की खास बातचीत... इमामी ग्रुप ने हाल ही में अपनी 50वीं सालगिरह मनाई। इस यात्रा में सबसे मूल्यवान सीख क्या रही वर्षों की यात्रा का वर्णन इतने कम शब्दों में करना मुश्किल है, लेकिन हमारी सबसे बड़ी सीख यही रही कि लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। यही सफलता का मूलमंत्र है। इसके अलावा, खुद को सबसे आगे रखने के लिए आपको गुणवत्ता पर जोर देना होगा। 50 साल की इस यात्रा में हमने अपने बुजुर्गों से एकजुट होकर काम करना सीखा। उन्होंने हमें सबसे बड़ी चीज सिखाई कि आपस में विचार-विमर्श होंगे तो मतभेद भी होंगे, लेकिन कभी मनभेद नहीं होना चाहिए। यही हमारी तरक्की का सबसे बड़ा स्तंभ है। हमलोगों ने हमेशा इस बात का ध्यान रखा कि हालात चाहे जैसे भी हों, कभी कोई गलत रास्ता नहीं चुनना है। दूरदर्शिता के साथ सबको साथ लेकर चलने की सीख इतने बड़े समूह को चलाने की हमारी यात्रा को आसान करती गई। इसके अलावा, कई बार आपको मजबूत फैसले लेने पड़ते हैं। विकास के नए अवसर खोजने और भविष्य को

आकार देने में साझेदारी की क्या महत्ता है केपीएमजी, ईएंडवाई और मैकेंजी जैसी कंपनियों को हमने जोड़कर रखा है। यह हमारे समूह के लिए सीखने का मजबूत जरिया है। इन कंपनियों के पास देश-विदेश में चल रहे कारोबारी गतिविधियों की जानकारी होती है। ऐसी सूचनाएं भी हमारे लिए भविष्य के नए अवसर खोजने में मदद करती हैं। मैकेंजी हमारी फूड प्रोडक्ट कंपनी इमामी एग्रो डिवीजन में विशेष कंसल्टेंसी कर रही है। समूह के पास उपभोक्ता सूची में नवीनता की विरासत है। आगे कौन से उत्पाद आएंगे इमामी हर समय ग्राहकों की प्रसन्नता वाले उत्पाद पर फोकस कर अपने नए उत्पाद बाजार में लाती है। फेयर एंड हैंडसम एक उदाहरण है। हम लोग हर समय कुछ नया करने का प्रयास करते हैं। आगे भी हम ऐसे नए उत्पाद लोगों के बीच लेकर आएंगे। किन-किन क्षेत्रों में नए अवसर देख रहे हैं भारत अपने आप में बहुत बड़ा अवसर है और यह लगातार बढ़ता जा रहा है। हमें खुशी है कि अपने देश में हमारे पास इतने मौके हैं। अगर हम आज की क्षमता के हिसाब से भी इन अवसरों को भुनाएं तो हमारी तरक्की की रफ्तार दोगुनी से ज्यादा बढ़ सकती है। अभी हम खाद्य तेल के क्षेत्र में दक्षिण भारत में नहीं हैं। धीरे-धीरे वहां जाएंगे। हम 70 से ज्यादा देशों में मौजूद हैं। हमारे उत्पाद अफ्रीका, पश्चिम एशिया और अन्य पड़ोसी देशों में लोकप्रिय हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हमारे कुछ उत्पाद तो नंबर-1 और नंबर-2 पर हैं। परंपरागत और आधुनिक व्यापार गतिविधियों में इमामी कैसे संतुलन बनाए रखती है कोई भी मूल्य परंपरागत या आधुनिक नहीं होते हैं। उनकी परिभाषा सिर्फ उनके शब्दों से बदल जाती है। हमारे जीवन के मूल्य हजारों साल से एक जैसे हैं। जैसे...सच बोलना चाहिए। बड़ों का सम्मान करना चाहिए। ये समय, काल और परिस्थितियों के आधार पर बदल नहीं सकते। इसी प्रकार, बिजनेस के मूल्य भी वैसे ही रहते हैं। वे बदल नहीं सकते।अंतरराष्ट्रीय बाजार में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा कंपनी 1974 में शुरू हुई। 1982-83 में रूस में हम बड़े स्तर पर निर्यात करते थे। इस दौरान समझ में आया कि अन्य देशों में काम करने के लिए वहां के सिस्टम, प्रोटोकॉल और अन्य कई प्रक्रियाओं का पालना करना पड़ता है। देश विशेष टीम अपने-अपने क्षेत्र में सपोर्टिव रहती है।

बुंडेसलिगा में बेयर लेवरकुसेन की खिताबी जीत

बर्लिन, 15 अप्रैल (एजेंसियां) । बायर्न म्यूनिख द्वारा लीग पर 11 साल तक लगातार दबदबा बनाए रखने के बाद, बेयर लेवरकुसेन ने आखिरकार वेर्डर ब्रेमेन को 5-0 से हराकर बुंडेसलीगा का खिताब जीत लिया। 29वें राउंड के समापन पर वेर्डर ब्रेमेन पर शानदार जीत के बाद, लेवरकुसेन ने पांच राउंड शेष रहते हुए अपना पहला बुंडेसलीगा खिताब जीता।

रिपोर्ट के अनुसार, मैच की शुरुआत से ही लेवरकुसेन ने अपना पक्ष हावी रखा और लगातार विरोधी टीम पर दबाव बनाने की कोशिश की।

लेवरकुसेन के प्रयासों का फल तब मिला जब विक्टर बोनीफ़ेस ने 22वें मिनट में पेनल्टी को गोल में तब्दील किया। फिर, वेर्डर ब्रेमेन ने कई बार कोशिश की लेकिन मेजबान टीम का दबदबा कायम रहा। लेवरकुसेन के गोलकीपर लुकास ह्वाडेकी ने कई शानदार बचाव किए।

दूसरे हाफ में एक बार फिर लेवरकुसेन ने अटैक करना शुरू किया और ग्रैनिट ज़ाका ने 60वें मिनट में टीम की बढ़त दोगुनी कर दी।

इसके बाद फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने 68वें मिनट में एक शक्तिशाली शॉट के साथ टीम की बढ़त 3-0 की। इतना ही नहीं उन्होंने हैट्रिक जमाते हुए 83वें और 90वें मिनट में अपनी टीम के लिए ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी।

इस जीत के साथ लेवरकुसेन प्रतियोगिताओं में 43 मैचों से अजेय के अपने रिकॉर्ड पर कायम है। टीम के लिए यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिसमें इस सीज़न में बुंडेसलीगा में 29 मैचों की अजेय श्रृंखला शामिल है। साथ ही उन्होंने अपने नाम रिकॉर्ड 79 अंक अर्जित किए हैं।

फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने कहा, मुझे अभी भी एहसास नहीं हो रहा है कि हमने क्या हासिल किया है।

जोनास हॉफमैन ने कहा, यह अविश्वसनीय है और इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। मैंने इसे सपने में भी नहीं सोचा था।

अलोंसो की टीम इस सीज़न में दो और खिताब जीत सकती है क्योंकि यूईएफए यूरोप लीग और जर्मन कप अभी भी उनकी दावेदारी में हैं।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस ओलिंपिक्स में ट्रैक का कलर पर्पल होगा: टोक्यो में लाल था, कंपनी बोली- ट्रैक मैटीरियल से एथलीट्स की परफॉर्मेंस सुधरेगी

नई दिल्ली। पेरिस ओलिंपिक में ट्रैक इस बार बैंगनी कलर का होगा। सामान्य रूप से ट्रैक लाल कलर में होता है। टोक्यो में हुए ओलिंपिक गेम्स में ट्रैक लाल कलर का था। पेरिस ओलिंपिक में एथलेटिक्स प्रतियोगिता के इंचार्ज और पूर्व ओलिंपियन एलेन ब्लोंडेल ने कहा है कि ट्रैक का रंग बैंगनी देने की वजह यह है कि बैंगनी कलर पेरिस ओलिंपिक खेल के रंगों में से एक है। हाल ही ओलिंपिक एसोसिएशन ने पेरिस ओलिंपिक खेल के लिए तीन रंगो को चयनित किया था। जिसमें गुलाबी, नीला और बैंगनी कलर शामिल थे। इटली में तैयार गया है ट्रैक का मटेरियल पेरिस ओलिंपिक के एथलेटिक्स ट्रैक के मटेरियल इटली में तैयार किया गया है। 1976 के बाद से ओलिंपिक के लिए ट्रैक तैयार करने वाली कंपनी मोंडो का मानना है कि ट्रैक पहले से ज्यादा बेहतर होंगे। इससे खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने में मदद मिलेगी। टोक्यो ओलिंपिक में बने थे तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड टोक्यो ओलिंपिक में एथलेटिक्स में तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड और 10 ओलिंपिक रिकॉर्ड बने थे। पेरिस ओलिंपिक में एथलेटिक्स प्रतियोगिता के इंचार्ज एलेन ब्लोंडेल ने कहा कि पेरिस में टोक्यो से ज्यादा रिकॉर्ड बनेंगे। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से होगा शुरू पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है। भारत को टोक्यो में पहली बार एथलेटिक्स में गोल्ड मेडल मिला था। नीरज चोपड़ा ने जेवलिन थ्रो में भारत के लिए ओलिंपिक में ट्रैक एंड फील्ड में पहली बार मेडल जीता था।

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर है डच टीम के नाम, 100 रनों के अंदर सिमटी हैं कई टीमें

नई दिल्ली । जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप 2024 की तैयारियों में सभी टीमें लगी हुई हैं।

टी20 विश्व कप 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के अब तक के सफर में सबसे कम स्कोर पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड डच टीम नीदरलैंड के नाम दर्ज है। हैं। टी20 विश्व कप में अब तक कई टीमें 100 रनों के अंदर भी आउट हुई है। इसमें सबसे कम स्कोर नीदरलैंड का है। वह एक बार 10 ओवर में 79 रन पर ही आउट हो गयी थी। वहीं इसमें भारतीय टीम का सबसे कम स्कोर 79 रन रहा है। तब श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड की टीम 39 रन पर ही आउट हो गयी थी। बांग्लादेश में हुए इस मैच में नीदरलैंड का केवल एक बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाया था जबकि 5 बल्लेबाज एक भी रन नहीं बना पाये थे। श्रीलंका ने तब 5 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया था। यह टी20 विश्व कप में किसी टीम का सबसे छोटा स्कोर है। वहीं दूसरा सबसे छोटा स्कोर भी डच टीम के नाम ही है. 2021 के टी20 विश्व कप में श्रीलंका ने नीदरलैंड्स को 44 रनों पर आउट कर दिया था।

मयंक के पास है अच्छी गति और नियंत्रण: साउदी

मुम्बई । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेल रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव की जमकर प्रशंसा की है। मयंक ने आईपीएल सत्र के अपने पहले ही मैच में सबसे तेज गेंद फेंकी थी। इस दौरान मयंक ने अपनी लाइन, लेंथ और स्पीड के कारण सभी का ध्यान खींचा था। इसी को लेकर मयंक की प्रशंसा करते हुए साउदी ने कहा है कि कई खिलाड़ियों के पास गति होती है पर नियंत्रण नहीं होता जबकि मयंक के पास दोनो ही हैं। साउदी ने कहा, मुझे लगता है कि उसकी गति के साथ उसमें जो चीज बहुत अच्छी लगती है। वह है उसका नियंत्रण। बहुत से खिलाड़ी जिनके पास इतनी तेज़ गति होती है अपने पर नियंत्रण नहीं कर पाते हैं पर मयंक के पास गति के साथ-साथ नियंत्रण भी है। मैं न केवल आईपीएल में, बल्कि उसके बाद भी उसे खेलते हुए देखने के लिए उत्साहित हूं। मयंक अपने करियर के दौरान टखने और हैमस्ट्रिंग की चोटों से भी परेशान रहे थे। इसकी कारण वह पिछला सत्र नहीं खेल पाये थे। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ इस सत्र में अपना आईपीएल पदार्पण किया था और 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की थी। आरसीबी के खिलाफ अपने दूसरे आईपीएल मैच में इस गेंदबाज ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए थे जिसमें उन्होंने 156.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से इस आईपीएल की सबसे तेज गेंद भी फेंकी थी।

ऐतिहासिक मैच, रनों का अंबार

आरसीबी की छह मैच में पांचवीं हार हैदराबाद की जय-जयकार

बेंगलुरु, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच को रनों की खान माना जाता है। इस ग्राउंड पर जमकर चौके-छक्के लगते हैं। 15 अप्रैल की रात भी यही देखने को मिला। सनराइजर्स हैदराबाद ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा टोटल यानी 287/3 का स्कोर खड़ा किया। सनराइजर्स ने इसी सीजन में 27 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट पर 277 रन बनाकर पिछला कीर्तिमान स्थापित किया था। इस विशाल लक्ष्य के जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम अपने घर पर सात विकेट खोकर 262 रन बनाने में कामयाब रही और 25 रन से मैच गंवा बैठी। पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे चल रही आरसीबी की यह सात मैच में छठी हार है और अब उसका प्लेऑफ में पहुंचना असंभव है! दूसरी ओर हैदराबाद ने छह मैच में चौथी जीत हासिल करते हुए मजबूती से अपनी चौथी पोजिशन बरकरार रखी है।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को ट्रेविस हेड ने शानदार शुरुआत दिलाई। बाएं हाथ के ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ने 41 गेंद में 102 रन बनाए जिसमें नौ चौके और आठ छक्के शामिल थे। ट्रेविस हेड ने अभिषेक शर्मा के साथ 49 गेंद में 108 रन की साझेदारी की। अभिषेक शर्मा ने 22 गेंद में 34 रन बनाए। इसके बाद हेड और हेनरिच क्लासेन ने 26 गेंद में 57 रन की साझेदारी की। क्लासेन ने 31 गेंद में 67 रन बनाए, जिसमें दो चौके और सात छक्के शामिल थे। अंत में अब्दुल समद ने सिर्फ 10 गेंद में तीन छक्के और चार चौकों की मदद से 37 रन बनाए जबकि ऐडन मार्कमर 17 गेंद में 32 रन बनाकर नाबाद रहे, दोनों ने चौथे विकेट की अटूट साझेदारी में 56 रन जोड़े।शानदार फॉर्म में चल रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज आखिरी दम तक लड़ते रहे, उन्होंने छठे नंबर पर आकर सीजन का लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 35 गेंद में 83 रन बनाए। मैदान का ऐसा कोई कोना नहीं बचा, जहां डीके के बल्ले से चौके-छक्के नहीं पहुंचे। 19वें ओवर में नटराजन ने उन्हें विकेटकीपर हेनरिक क्लासेन का हाथों कैच आउट करवाया, उन्हीं की बदौलत आरसीबी लक्ष्य के इतना करीब आ पाई।

288 रन के विशाल लक्ष्य के जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शानदार तो गजब की थी, लेकिन विराट कोहली के आउट होते ही गाड़ी पटरी से उतर गई। आरसीबी ने छह ओवर में बिना कोई विकेट खोए 79 रन बना लिए थे और हैदराबाद के स्कोर से आगे चल रही थी, विराट कोहली 19 गेंद में 42 रन बनाकर तूफानी बल्लेबाजी कर रहे थे तो कप्तान फाफ डुप्लेसिस भी 17 गेंद में 37 रन बना चुके थे, लेकिन सातवें ओवर की दूसरी गेंद में लेग स्पिनर मयंक मार्कंडे ने विराट को क्लीन बोल्ड करके बेंगलुरु को पहला झटका दिया। 10 ओवर खत्म होते तक तो 122 रन पर आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी।

हार्दिक पांड्या की कप्तानी और गेंदबाजी दोनों बिलकुल साधारण, सुनील गावस्कर ने ऑलराउंडर को जमकर लताड़ा

नई दिल्ली,15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

मुंबई इंडियंस का कप्तान बनने के बाद हार्दिक पांड्या की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। मुंबई इंडियंस को वानखेड़े स्टेडियम पर आईपीएल 2024 के 29वें मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स के हाथों 20 रन की शिकस्त सहनी पड़ी।

हार्दिक पांड्या के लिए बुरा फैसला रहा कि उन्होंने सीएसके की पारी का आखिरी ओवर करने की जिम्मेदारी उठाई, जिसमें 26 रन खर्च किए। सीएसके के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने हार्दिक पांड्या की लगातार तीन गेंदों में तीन छक्के जड़कर अपनी टीम को 200 रन के पार पहुंचाया। इसके बाद महान सुनील गावस्कर और केविन पीटरसन ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी और गेंदबाजी की जमकर आलोचना की है।

केविन पीटरसन ने भी नहीं बख्शा

सुनील गावस्कर और केविन पीटरसन स्टार स्पोर्ट्स पर पैनल के रूप में पारी का विश्लेषण कर रहे थे। तभी दोनों ने हार्दिक पांड्या की आलोचना की। केविन पीटरसन ने कहा कि हार्दिक पांड्या पर दर्शकों की हूटिंग का असर पड़ रहा है।

हार्दिक ऐसा नहीं चाहेंगे

केविन पीटरसन ने साथ ही कहा, मैं भी लोगों के निशाने पर रहा हूं। मैं कह सकता हूं कि दर्शकों का बर्ताव आपको प्रभावित करता है। हार्दिक पांड्या के साथ जो हो रहा है, जैसी हूटिंग हो रही है, वो उनको दुख पहुंचा रही है। हार्दिक पांड्या की भावनाएं हैं। वो भारतीय खिलाड़ी हैं। वो इस तरह का बर्ताव नहीं चाहेंगे। ऐसा होने से उनके क्रिकेट और उन पर प्रभाव पड़ रहा है। कुछ करने की जरुरत है।

फ्लॉप रहे पांड्या

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने पहले गेंदबाजी में 4 ओवर में 43 रन खर्च करके दो विकेट चटकाए। इसके बाद बल्लेबाजी में भी वो कुछ खास नहीं कर सके और केवल 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। मुंबई इंडियंस को सीएसके के हाथों 20 रन की शिकस्त मिली और वो प्वाइंट्स टेबल में आठवें स्थान पर है।

पलक ने शूटिंग में जीता 20वां ओलिंपिक कोटा

आईएसएसएफ फाइनल ओलिंपिक क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता ब्रॉन्ज मेडल

बेंगलुरू, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पलक ने रविवार को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में आईएसएसएफ फाइनल ओलिंपिक क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के साथ ही भारत के लिए 20वां पेरिस 2024 ओलिंपिक कोटा हासिल किया। 18 साल की पलक ने 217.6 का स्कोर किया। वहीं आर्मेनिया की एल्मिरा करापेटियन ने 240.7 के स्कोर के साथ गोल्ड जबकि थाईलैंड की कामोनलाक साएंचा ने 240.5 के साथ सिल्वर मेडल जीता। वहीं भारतीय शूटर सान्याम 176.7 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

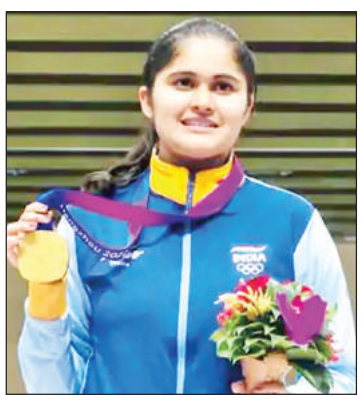

गोल्ड जीतने वाली शूटर ने पहले ही हासिल कर लिया था ओलिंपिक कोटा

फाइनल में पलक की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वहीं थाईलैंड की कामोनलाक साएंचा और हंगरी की मेजर वेरोनिका ने ओलिंपिक कोटा के लिए हो रही प्रतियोगिता में शुरुआत में ही अच्छी बढ़त बना ली। हालांकि, दबाव के बाद भी पलक ने वापसी करते हुए एलिमिनेशन स्टेज के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया। वेरोनिका को पांचवें राउंड में हार का सामना करना पड़ा और उन्हें चौथे स्थान से संतुष्ट होना पड़ा। वहीं पहले स्थान पर रही एल्मिरा करापेटियन पहले ही ओलिंपिक कोटा हासिल कर चुकी थी, ऐसे में सिल्वर जीतने वाली साएंचा और ब्रॉन्ज जीतने वाली पलक को ओलिंपिक कोटा मिल गया। पलक एशियन गेम्स में जीत चुकी हैं मेडलपलक गुलिया ने पिछले साल हुए एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड मेडल जीता था। जबकि भारत की ईशा सिंह ने सिल्वर मेडल जीता था।

टी20 विश्वकप के लिए पांड्या से अधिक मजबूत है शिवम की दावेदारी : मनोज तिवारी

नई दिल्ली,15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएके) के ऑलराउंडर शिवम दुबे की जमकर प्रशंसा की है। तिवारी के अनुसार आगामी टी20 विश्वकप में इस क्रिकेटर को जरुर जगह मिलनी चाहिये। साथ ही कहा कि टीम में जगह के लिए उसकी दावेदारी मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या से अधिक मजबूत है। इसलिए अगर चयन के समय उसे पांड्या से अधिक वरीयता मिली चाहिये। तिवारी के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में पांड्या का प्रदर्शन कोई विशेष नहीं रही रहा है। बल्लेबाजी में वह रन नहीं बना पाये हैं इसके अलावा गेंदबाजी भी काफी कम की है। उन्होंनें पिछले तीन मैचों में केवल एक ओवर ही किया है। साथ ही कहा कि अगर हार्दिक को टी20 विश्वकप के लिए टीम में अपनी जगह पक्की करनी है तो उन्हें अपने को साबित करन होगा। साथ ही कहा कि अब तक हार्दिक ने इस सत्र में काफी रन दिये हैं। ऐसे अबर वह एक ऑलराउंडर के रूप में खेलना चाहते हैं, तो उन्हें आने वाले मैचों में बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। इसके साथ ही तिवारी ने यह भी कहा किया कि अगर शिवम को टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिलती है तो इसके लिए सीएसके जिम्मेदार मानी जाएगी क्योंकि सीएसके उन्हें

गेंदबाजी के अवसर नहीं दे रही। साथ ही कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर हमें साहसी फैसले लेते है। ऐसे में वह शायह ही हार्दिक को अवसर दें। साथ कहा कि हार्दिक अगर अच्छा नहीं खेल रहे हैं तो उनके विकल्प के तौर पर शिवम को तैयार किया जाना चाहिये। उन्होंने शिवम को एक चालाक गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा, एक समय हमारे पास वेंकटेश अय्यर भी थे। अचानक दोनों ने गेंदबाजी करना बंद कर दिया। हमें बड़े लक्ष्य को देखना चाहिए। हम एक दशक से विश्वकप नहीं जीत पाये हैं। इसलिए हमें उसके लिए समय से पहले योजना बनानी होगी। अभी हार्दिक फॉर्म में नहीं हैं और शिवम को आईपीएल में गेंदबाजी के अधिक अवसर नहीं मिले हैं।

चयन ट्रायल में विनेश को हराने वाली अंजू ने जीता रजत, हर्षिता भी स्वर्ण से चूकीं

बिश्केक,15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

हाल ही में चयन ट्रायल में भारत की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट को 53 किग्रा वर्ग में हराकर सुर्खियां बटोरने वाली रेलवे की पहलवान अंजू और हर्षिता ने किर्गिस्तान के बिश्केक में एशियन चैंपियनशिप में अपने-अपने वर्गों में रजत पदक जीता। इन दोनों पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में जगह बनाई थी और उम्मीद थी कि वे स्वर्ण पदक लाएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका और दोनों पहलवानों को रजत से संतोष करना पड़ा।

अंजू फाइनल में बरकरार नहीं रख सकीं लय

अंजू ने फाइनल मुकाबले को छोड़कर हर राउंड में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। रेलवे की पहलवान अंजू ने फिलीपींस की आलिया रोज गावलेज और श्रीलंका की नेथमी अहिंसा फर्नांडो पर तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की थी। सेमीफाइनल में हालांकि उन्हें चीन की चेन लेई से

कड़ी टक्कर मिली, लेकिन वह यह मुकाबला 9-6 से जीतने में सफल रही थीं। फाइनल में अंजू का सामना उत्तर कोरिया की जि हयांग किम से हुआ, लेकिन सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह रही कि अंजू फाइनल में एक भी अंक अर्जित नहीं कर सकीं और तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर उन्हें स्वर्ण पदक मुकाबला में हार मिली। हर्षिता को चीन की प्रतिद्वंद्वी ने हराया हर्षिता का सफर अंजू की तुलना में संघर्षपूर्ण रहा था और फाइनल तक पहुंचने के दौरान उन्होंने तीन अंक गंवाए थे। हर्षिता ने उज्बेकिस्तान की ओजोदा जरीपबोएवा को तकनीकी श्रेष्ठता (13-3) से हराने के बाद कजाखस्तान की अनास्तासिया पानासोविच को 5-0 से हराया। फाइनल उनका मुकाबला चीन की कियान जियांग से हुआ। हर्षिता 72 किग्रा वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में चीन की प्रतिद्वंद्वी के सामने चुनौती पेश नहीं कर सकीं और उन्हें 2-5 से हार का सामना करना पड़ा।

सरिता मोर शुरुआती दौर में ही हुईं बाहर

भारत को इस चैंपियनशिप में सबसे बड़ा झटका अनुभवी महिला पहलवान सरिता मोर के शुरुआती दौर में हारकर लगा। 2021 विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता सरिता अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला मंगोलिया की गुंटया एनखबत से 4-8 से हार गईं। 28 वर्षीय यह महिला पहलवान इस श्रेणी में पदक लाने की प्रबल दावेदार थीं। सरिता को हराने के बाद एनखबत अपना सेमीफाइनल मुकाबला हार गईं जिससे सरिता मोर के लिए रेपचेज में खेलने का रास्ता भी बंद हो गया। इस तरह सरिता इस चैंपियनशिप से खाली हाथ लौटीं।

भारतीय पहलवानों ने जीते कुल छह पदक

भारतीय पहलवान भले ही इस चैंपियनशिप में एक भी स्वर्ण पदक नहीं जीत सके, लेकिन भारतीय पहलवान ने कुल छह पदक जीते। भारत ने इन चैंपियनशिप में तीन रजत और इतने ही कांस्य पदक जीते। महिलाओं में राधिका ने 68 किग्रा में रजत पदक जीता था, जबकि शिवानी पवार को कांस्य से संतोष करना पड़ा था। पुरुषों के फ्रीस्टाइल वर्ग में उदित (57 किग्रा) ने रजत पदक जीता, जबकि अभिमन्यु (70 किग्रा) और विकी (97 किग्रा) ने अपने-अपने वर्गों में कांस्य पदक जीते।

इजराइल से युद्ध विराम के लिए हमास का नया प्रस्ताव, कहा- पहले जंग रोकें, फिर बंधकों की रिहाई

यरूशलम, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

हमास-इजराइल के बीच जल रही जंग को करीब छह महीने से ज्यादा का समय हो गया है। फिर भी युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हमास ने मध्यस्थों के सामने संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई के लिए एक प्रस्ताव रखा है। उसकी मांग है कि इजराइल 129 बंधकों में से किसी की भी रिहाई से पहले छह सप्ताह के युद्ध विराम का पालन करे। हालांकि, इजराइल द्वारा रखे प्रस्ताव को हमास ठुकरा चुका है, तो ऐसे में देखना होगा कि इस समझौते पर इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू का क्या रुख होगा।

बताया जा रहा है कि हमास ने अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को खारिज कर दिया था। बाद में, उसने नया प्रस्ताव सामने रखा।

हमास ने रखीं ये मांगें - रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्ताव में हमास ने मांग की है कि इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) गाजा में सभी हमलों को रोक दे और शहरी क्षेत्रों से छह सप्ताह के लिए पीछे हट जाए। इससे विस्थापित फलस्तीनी उत्तर में लौट सकेंगे। समझौते में यह भी कहा गया है कि छह सप्ताह की समाप्ति के बाद ही किसी भी बंधक को रिहा किया जाएगा।

इतना ही नहीं हमास ने यह भी कहा है कि हर इजराइली नागरिक के लिए 30 फलस्तीनी कैदियों को छोड़ना होगा। इसके अलावा, 50 फलस्तीनी कैदियों को हर बंदी सैनिक के लिए रिहा करने की मांग की है। बता दें, 50 कैदियों में से 30 आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। गौरतलब है, हमास ऐसा समझौता पहले भी रख चुका है, जिसे इजराइल ने खारिज कर दिया था।

अपनी मांगों पर हमास अड़ा - इससे पहले हमास ने इजराइल के बंधक समझौते और संघर्ष विराम पर बात की और अपनी मांगों पर अड़े रहकर प्रस्ताव खारिज कर दिया। उसका कहना है कि वह स्थायी युद्धविराम, गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी, उत्तरी गाजा और अन्य क्षेत्रों में फलस्तीनियों की वापसी, मानवीय सहायता में वृद्धि और पट्टी के पुनर्निर्माण की शुरुआत के लिए अपनी मूल मांगों पर कायम है।

इजराइल-हमास के बीच कई माह से जंग जारी - हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है।

न्यूज ब्रीफ

नौ मई तक बखमुत के पास के शहरों पर कब्जा करना चाहता है रूस, यूक्रेन के शीर्ष कमांडर का दावा

कीव। रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का समय हो चुका है। फिलहाल, यह जंग थमती नजर नहीं आ रही है। इस बीच, यूक्रेन के शीर्ष कमांडर ने रविवार को दावा किया कि रूसी बलों ने नौ मई तक चासिव यार शहर पर कब्जा करने का लक्ष्य रखा है। रूसी हमलों को देखते हुए यह शहर अखाड़े के लिए तैयार हो गया है। बता दें, पूर्वी हिस्सों पर कब्जा करने के लिए यह शहर महत्वपूर्ण है। चासिव यार पर कब्जा करने की कोशिश इस सप्ताह के अंत में कर्नल जनरल ऑलेक्जेंडर सिरस्की ने चेतावनी दी थी कि पूर्व में स्थिति काफी खराब हो गई है। अब उन्होंने फिर एक बार कहा कि रूस क्रामटोरस्क शहर की ओर बढ़ने से पहले चासिव यार पर कब्जा करने की कोशिश करेगा। इसके लिए वह अपने कब्जे वाले बखमुत के पश्चिम में ध्यान दे रहा है। गौरतलब है, बखमुत से 5-10 किलोमीटर दूर दोनेत्स्क क्षेत्र में चासिव यार स्थित है। पिछले साल मई में रूसी सेना ने बखमुत को अपने कब्जे में लेकर तबाह कर दिया था। खतरा लगातार बना है उन्होंने बताया कि कीव की ब्रिगेड चासिव यार के पास हमलों को रोकने में लगी हुई है। सेना को गोला-बारूद, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरणों के साथ मजबूत किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि खतरा लगातार बना हुआ है। रूस की सेना ने अपने सैनिकों को नौ मई तक चासिव यार पर कब्जा करने का काम सौंपा है। रक्षा मंत्री ने यूक्रेनी इकाइयों का दौरा किया यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने पूर्वी मोर्चे पर यूक्रेनी इकाइयों का दौरा किया। उन्होंने हालातों को तनावपूर्ण बताया, जहां बखमुत के पास के प्रमुख शहरों पर कब्जा करने के लिए रूस आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि दुश्मनों की संख्या अधिक होने के बावजूद हमारे रक्षक अपने साहस और प्रशिक्षण के जरिए लगातार कड़ी टक्कर दे रहे हैं। रूसी हमले के बाद जंग और तेज हुई बता दें, रूस नौ मई को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में रेड स्क्वायर पर एक बड़ी सैन्य परेड कर सकता है। हाल के हफ्तों में रूस ने यूक्रेनी बिजली संयंत्रों और सबस्टेशनों पर तीन बड़े हवाई हमले किए, जिससे जंग और तेज हो गई है। रूस की सेना ने बीते माह में मध्य यूक्रेन के शहर क्रीवी रिह में मिसाइल हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी मिसाइलें दो रिहायशी इमारतों पर गिरी थीं, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी और कम से कम 36 घायल हुए थे। घायलों में सात बच्चे भी शामिल थे। क्रिवी रिह यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की का गृह शहर है। मिसाइल हमले के बाद जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। वहीं, क्षेत्र के गवर्नर ने कहा था कि दो इमारतें मिसाइल की जद में आई हैं, जिसमें एक पांच मंजिला और एक नौ मंजिला है। हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ीं मुश्किलें, एडल्ट स्टार को पैसे देने के मामले में होगी अदालत में पेशी

वॉशिंगटन। एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों का भुगतान करने के मामले में डोनाल्ड ट्रंप

सोमवार कोर्ट में पेश होंगे। यह पहली बार है कि जब अमेरिका के किसी पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा। 77 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने एडल्ट फिल्मों की अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स से अपने कथित संबंध छिपाने के लिए एडल्ट स्टार को पैसों का भुगतान किया था। आरोप है कि ट्रंप ने साल 2016 में अपने बिजनेस दस्तावेजों में गड़बड़ी करके एडल्ट स्टार को पैसों का भुगतान किया। डोनाल्ड ट्रंप पर चल रहे हैं चार आपराधिक मामले आरोप है कि ट्रंप ने एडल्ट स्टार को अपने संबंधों के बारे में चुप रहने के लिए पैसों का भुगतान किया ताकि राष्ट्रपति चुनाव के दौरान वह नकारात्मक प्रचार से बच सकें। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चार आपराधिक मामले चल रहे हैं, जिनमें से ये भी एक है। आशंका है कि अगर किसी आपराधिक मामले में डोनाल्ड ट्रंप को जेल की सजा होती है तो इससे उनकी राष्ट्रपति पद की दावेदारी पर संकट आ सकता है। डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट पार्टी के उम्मीदवार और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं मामले की सुनवाई से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा कि मैं गवाही दे रहा हूं और मैं केवल सच बता सकता हूं और सच्चाई यह है कि कोई मामला नहीं है।

नेपाल में फिर उठी हिंदू राष्ट्र की मांग, सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की पुलिस से हुई जमकर झड़प

बोले- देश में फिर से लागू हो राजशाही

काठमांडू, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

नेपाल में एक बार फिर से हिंदू राष्ट्र की मांग तेज होती जा रही है। राजधानी काठमांडू में सोमवार को हिंदू राष्ट्र के समर्थकों ने प्रदर्शन किया तो हिंसा भड़क उठी। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर झड़प हुई है। इस बीच पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार की हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि देश में फिर से राजशाही लागू होनी चाहिए।

प्रदर्शनकारियों को देश की राष्ट्रवादी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी का समर्थन हासिल है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी नेपाल में पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी है। पार्टी के प्रवक्ता मोहन श्रेष्ठ ने कहा कि राजशाही की बहाली, एक हिंदू राष्ट्र और संघीय व्यवस्था हमारी प्रमुख मांगे हैं। प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू में प्रमुख सरकारी इमारतों के पास शंख बजाते हुए नारे लगाए। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रदर्शनकारी प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे थे, इसी दौरान दोनों के बीच झड़प हो गई।

इससे पहले बुधवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे थे। वे प्रधानमंत्री ऑफिस और दूसरी सरकारी कार्यालयों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान लोगों ने नारे लगाते हुए कहा था, हम अपने देश और राजा से अपनी जान से ज्यादा प्यार करते हैं। गणतंत्र को खत्म कर राजशाही की देश में वापसी होनी चाहिए। इससे पहले प्रजातंत्र पार्टी ने फरवरी में 40 पॉइंट का एक मैमोरैंडम भी पीएम ऑफिस को भेजा था। इसमें भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की मांग की गई थी। दरअसल, नेपाल में साल 2006 में राजशाही के खिलाफ विद्रोह तेज हो गया था। कई हफ्तों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन राजा ज्ञानेंद्र को शासन छोड़कर सभी ताकत संसद को सौंपनी पड़ी।

साल 2007 में नेपाल को हिंदू से धर्मनिरपेक्ष देश घोषित कर दिया गया। इसके अगले साल आधिकारिक तौर पर राजशाही खत्म कर चुनाव कराए गए। इसी के साथ वहां 240 साल से चली आ रही राजशाही का अंत हो गया। तब से लेकर अब तक नेपाल में 13 सरकारें रह चुकी हैं। नेपाल नें पिछले कुछ समय से राजनीतिक तौर पर काफी अस्थिरता रही है। हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन तोड़ लिया था।

उन्होंने केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के साथ मिलकर नई सरकार बनाई, जिसका रुख चीन समर्थक कहा जाता है। इन सबके बीच राजशाही से जुड़े कई गुट देश की प्रमुख पार्टियों पर भ्रष्टाचार और खराब गवर्नेंस का आरोप लगा रहे हैं। उनका दावा है कि देश की जनता अब राजनेताओं से परेशान हो चुकी हैं।

कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर नियंत्रित करता है स्ट्रोन फरूट, लाखों लोगों की हर साल हो जाती है मौत

हार्वर्ड, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

ब्लड कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर दोनों के स्टोन फरूट नियंत्रित करता है। आज दुनिया की ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर दो बड़ी समस्या है। इन बीमारियों से हर साल लाखों लोगों की मौत होती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया भर में करीब 1,28 अरब लोगों का बीपी बढ़ा हुआ है लेकिन दुर्भाग्य से इनमें से 46 प्रतिशत को पता भी नहीं है कि उन्हें ब्लड प्रेशर की बीमारी है। जब किसी अन्य समस्याओं का इलाज कराने जाते हैं, तब उन्हें पता चलता है कि उनका बीपी बढ़ा हुआ है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक करीब 70 करोड़ लोग बीपी का इलाज भी नहीं कराते हैं। इसकी प्रमुख वजह है कि बीपी की जांच के लिए वे डॉक्टर के पास नहीं जाते। बीपी बढ़ने की मुख्य वजह खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा का बढ़ना है। वहीं डायबिटीज में ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ जाती है विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक विश्व में करीब 42,2 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। इसके साथ ही करीब 15 लाख लोगों की मौत हर साल प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से डायबिटीज के कारण होती है। ऐसे में समझा जा सकता है कि ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर हमारे लिए कितना खतरनाक है। ऐसे में इन दोनों बीमारियों का नियंत्रित करने के लिए स्टोन फरूट बेहद फायदेमंद है। गुठलीदार फलों को स्टोन फरूट कहते हैं। स्टोन फरूट में बादाम, प्लम, खुबानी, आड़ू, चेरी, बेर, नेक्टारीन्स, आम, लीची, रेस्पबेरीज, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, मल्बेरी, ऑलिव, नारियल, खजूर आदि आते हैं। इन फलों को एंटी-एंफ्लामेटरी फल भी कहा जाता है। इन फलों में अधिकांश पौंधों के लिए 20 से 25 डिग्री तापमान होना चाहिए। इससे ज्यादा तापमान वाली जगहों पर ये फरूट नहीं होते। हालांकि आम, लीची गर्मी में होने वाले फल हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की वेबसाइट हेल्थ हार्वर्डके मुताबिक स्टोन फरूट में बहुत अधिक मात्रा में फाइबर होता है। इसके अलावा इनमें प्रचूर मात्रा में विटामिन सी, पोटैशियम और कई तरह के फाइटोकेमिकल्स होते हैं। रिसर्च में पाया गया है कि स्टोन फरूट ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मददगार है। स्टोन फरूट का सेवन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है। कुछ अध्ययनों में यह भी कहा गया है कि स्टोन फरूट एक्सरसाइज के बाद दर्द और थकान को दूर करते हैं। साथ ही चेरी जैसे फलों से गठिया के दर्द को भी कम किया जा सकता है।

सिडनी के मॉल में हमलावर के निशाने पर थीं महिलाएं,पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा

सिडनी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक मॉल में हुई चाकूबाजी की घटना को लेकर एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। दरअसल ऑस्ट्रेलियाई पुलिस का कहना है कि हो सकता है कि हमलावर के निशाने पर सिर्फ महिलाएं थीं। पुलिस का कहना है कि घटना में मारे गए छह लोगों में से पांच महिलाएं हैं। साथ ही घायलों में भी 12 महिलाएं ही हैं।

क्या हमलावर के निशाने पर थीं सिर्फ महिलाएं

शनिवार को सिडनी के वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन मॉल में एक हमलावर ने लोगों पर चाकू से हमला करना शुरू कर दिया था। इस हमले में छह लोगों की मौत हो गई थी। वहीं घायलों में एक 9 महीने की बच्ची भी शामिल है। पुलिस की फायरिंग में हमलावर मौके पर ही ढेर हो गया था। हमले की वजह अभी तक साफ नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि हमलावर अकेला था। फिलहाल हमले से संबंधित ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

न्यू साउथ वेल्स स्टेट पुलिस के कमिश्नर केरेन वेब ने मीडिया को बताया कि यह स्वभाविक है क्योंकि हमलावर ने पुरुषों को छोड़कर महिलाओं को ही निशाना बनाया। सबूत भी यही कह रहे हैं कि हमलावर के निशाने पर महिलाएं थी। हम भी इस एंगल से जांच कर रहे हैं। गौरतलब है कि सिडनी के मॉल में हुए हमले में सिर्फ एक पुरुष की मौत हुई है, जो कि मॉल का सुरक्षाकर्मी था।

किसी विचारधारा से प्रेरित होकर हमला करने के नहीं मिले सबूत

जांच में हमलावर की पहचान जोएल काउची (40 वर्ष) के रूप में हुई है। हमले के दौरान ही एक महिला पुलिसकर्मी ने गोली मारकर हमलावर को ढेर कर दिया था। पुलिस का कहना है कि आरोपी काउची को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधी परेशानी थी और अभी तक हमले के पीछे किसी विचारधारा से प्रेरित होकर हमले के सबूत नहीं मिले हैं।

दो महीने तक किया अभ्यास,पहनी भारतीय पोशाक, वैशाखी के मौके पर डेलावेयर के जनप्रतिनिधियों ने किया भांगड़ा

न्यूकैसल, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के डेलावेयर में पहली बार कुछ वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने वैशाखी के मौके पर सिख समुदाय के साथ भांगड़ा किया। ये सभी पंजाबी पोशाक पहने हुए थे। बता दें कि डेलावेयर राष्ट्रपति जो बाइडन का गृहनगर है। इन जनप्रतिनिधियों के ग्रुप में डेलावेयर सीनेट के बहुमत नेता ब्रायन टाउनसेंड, सीनेट बहुमत व्हिप एलिजाबेथ लॉकमैन, सीनेट स्टेफैनी हैनसेन, सीनेट लौरा स्टरजेन, राज्य के प्रतिनिधि शेरी डॉर्से वॉकर और सोफी फिलिप्स शामिल थे।

हम दो महीने से अभ्यास कर रहे थेः जनप्रतिनिधि

ब्रायन टाउनसेंड ने बताया कि उन्होंने इसके लिए दो महीने तक अभ्यास किया और भारतीय-अमेरिकी भांगड़ा प्रशिक्षक विश्वास सिंह सोढ़ी से प्रतिदिन 30 मिनट तक भांगड़ा सीखा था। उन्होंने मीडिया से कहा, हमने करीब दो महीने में 30 घंटे तक अभ्यास किया था। हम आठ लोग थे। हमने साथ मिलकर जितना हो सकता था अभ्यास किया और हमारे पास विश्वास सिंह जैसे एक बेहद शानदार कोच थे। टाउनसेंड ने आगे कहा, हम भाग्यशाली रहे कि हमनें से कोई भी नहीं गिरा। डेलावेयर असेंबली स्पीकर ने सिख समुदाय का किया धन्यावाद बता दें कि जनप्रतिनिधियों का पोशाक भारत में सिला गया था और वहीं से मंगवाया गया था। डेलावेयर असेंबली स्पीकर वैलेरी लॉन्गहर्स्ट ने सिख समुदाय में इतिहास रचने के लिए अपने साथियों को बधाई दी। उन्होंने कहा, मैं बहुत ज्यादा उत्सुक हूं, क्योंकि डेलावेयर पहला ऐसा राज्य है, जहां जनप्रतिनिधियों ने मंच पर प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा, सिख समुदाय वास्तव में बहुत शानदार हैं। वे बहुत मददगार काम करते हैं। वे हर किसी के लिए अपनी बाहें खोलते हैं। यही सिखों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने त्योहार में सभी को आमंत्रित किया, जिससे हमसब सीख सकें। हमने देखा और हम सब इसका हिस्सा बनें। हमें बुलाने के लिए शुक्रिया। डेलावेयर सिख सेंटर के संस्थापक और अध्यक्ष चरणजीत सिंह मिंहास ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को एकसाथ भांगड़ा करते देख अच्छा लगा।

हमारे पास और कोई रास्ता नहीं था, इजराइल पर हमले के बाद ईरान ने यूएनएससी में दी सफाई

वॉशिंगटन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

ईरान के इजराइल पर हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई गई। इस बैठक में ईरान के राजनयिक भी शामिल हुए। बैठक में ईरान के राजनयिक ने इजराइल पर हमले का बचाव करते हुए सफाई दी कि उनके पास कोई और रास्ता ही नहीं बचा था और उन्हें हमला करना पड़ा।

ईरान का दावा- कोई रास्ता नहीं बचा था संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान के राजदूत आमिर सईद इरवानी ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य ईरान ने आत्मरक्षा के अधिकार के तहत इजराइल पर हमला किया। इजराइल के दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अपना कर्तव्य निभाने में विफल रहा। ऐसे में तेहरान के पास कोई रास्ता ही नहीं बचा और उसे जवाब देना पड़ा। ईरान के राजनयिक ने ये भी कहा कि उनका देश नहीं चाहता कि संघर्ष बढ़े, लेकिन अगर कोई भी आक्रामक कार्रवाई हुई तो वह उसका जवाब देंगे।

इजराइल ने ईरान पर लगाए ये आरोप

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में इजराइल के राजदूत ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए और क्षेत्र में अशांति के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया। इजराइल के राजदूत ने कहा कि ईरान का मुखौटा उतर चुका है। वह दुनियाभर में आतंकवाद को पोषित करता है और क्षेत्र में अशांति के लिए भी ईरान जिम्मेदार है। इजराइल के राजदूत ने मांग की कि ईरानी सेना रिवोल्यूशनरी गार्ड्स को एक आतंकी संगठन घोषित कर दिया जाना चाहिए और बहुत देर हो जाए, उससे पहले ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगा देने चाहिए।

ईरान ने इजराइल पर किया था हवाई हमला

ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा ड्रोन्स और मिसाइलों से सीधा हमला किया। हालांकि इस हमले में इजराइल को खास नुकसान नहीं हुआ और इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम ने करीब सारी मिसाइलों और ड्रोन्स को इंटरसेप्ट कर हवा में ही तबाह कर दिया। इसमें इजराइल को अमेरिका, जॉर्डन और ब्रिटेन से भी मदद मिली। ईरान का कहना है कि यह हमला बीती 1 अप्रैल को इजराइल द्वारा सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी दूतावास की इमारत पर कथित तौर पर हमला किया, जिसमें ईरानी सेना के सात अधिकारी मारे गए, जिनमें दो शीर्ष कमांडर शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों देशों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने ईरान के इजराइल पर हमले की आलोचना की, साथ ही इजराइल के दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हमले की भी आलोचना की।

चैत्र नवरात्र के आठवें दिन करें माता महागौरी की पूजा

चैत्र नवरात्र का आठवां दिन 16 अप्रैल दिन मंगलवार को है । इस दिन दुर्गा जी के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि मां महागौरी का राहु ग्रह पर नियंत्रण है। राहु दोष से निवारण के लिए इनकी पूजा आवश्यक है। महागौरी की आराधना से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं और समस्त दुखों का नाश होता है। माता महागौरी धन-वैभव की देवी है। धन-वैभव देने वाली माता महागौरी को प्रसन्न करने के लिए नवरात्रि के आठवें दिन आपको क्या उपाय करने चाहिए।

आइए जानते है पूजा विधि और इस दिन का महत्व.....

चैत्र नवरात्रि 2024 अष्टमी तिथि

नवरात्रि के आठवें दिन महा अष्टमी मनाई जाती है। महाअष्टमी के दिन मां महागौरी की पूजा की जाती है, इस बार चैत्र शुक्ल की अष्टमी तिथि 15 अप्रैल 2024 को दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से शुरू हो गई और 16 अप्रैल 2024 को दोपहर 01 बजकर 23 मिनट पर समाप्त होगी। चैत्र नवरात्रि में महाष्टमी 16 अप्रैल 2024 को मनाई जाएगी। शहर के अनुसार समय में थोड़ा बहुत अंतर हो सकता है।

चैत्र नवरात्रि 2024 नवमी तिथि

चैत्र शुक्ल की नवमी तिथि 16 अप्रैल को दोपहर 01 बजकर 23 मिनट से शुरू होकर 17 अप्रैल 2024 को दोपहर 03 बजकर 14 तक रहेगी। नवरात्रि की महानवमी 17 अप्रैल 2024 को मनाई जाएगी, इस दिन देवी की नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। इसी दिन नवरात्रि व्रत का पारण जाएगा। चैत्र नवरात्रि की महानवमी पर राम नवमी यानी प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव भी मनाया जाएगा।

मां महागौरी का प्रिय भोग और पुष्प

मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी को मोगरे का फूल अति प्रिय है। इस दिन मां के चरणों में मोगरे के फूल को अर्पित करना शुभ माना गया है। इसलिए हो सके तो माता को मोगरे के फूलों से बनी माला अर्पित करें। इसके साथ ही मां को नारियल की बर्फी और लड्डू अवश्य चढ़ाएं। क्योंकि मां का प्रिय भोग नारियल माना गया है।

कैसे करें माता गौरी को प्रसन्न

माता गौरी की पूजा में सोलह चीजें जैसे फल,फूल, सुपारी, पान, लड्डू, मिठाई, 16 चूड़ी, 7 अनाज, फूल की 16 माला आदि चढ़ानी चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि पूजा में 16 चूड़ियां अर्पण करने से माता खुश होती हैं। पूजा के समय मंगला गौरी व्रत की कथा जरूर पढ़नी और सुननी चाहिए।

मां महागौरी की पूजा विधि

मां महागौरी की पूजा करने के लिए सुबह स्नान कर सफेद रंग के वस्त्र धारण करें। फिर मां महागौरी की मूर्ति या तस्वीर को गंगाजल से साफ कर लें। मां महागौरी को सफेद रंग अतिप्रिय है। इसलिए माता महागौरी को सफेद रंग के पुष्प अर्पित करें। मां को रोली व कुमकुम का तिलक लगाएं, फिर मिष्ठान, पंच मेवा और फल अर्पित करें।

जानें शुभ मुहूर्त-पूजा विधि और आरती

अष्टमी के दिन मां महागौरी की पूजा करते समय उन्हें काले चने का भोग लगाना चाहिए। अष्टमी तिथि के दिन कन्या पूजन भी शुभ माना जाता है। इसके बाद आरती व मंत्रों का जाप करें। फिर दुर्गासप्तशती का पाठ करें।

मां का ध्यान मंत्र

श्वेते वृषेसमारूढा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा।।
या देवी सर्वभूतेषु माँ महागौरी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

माता महागौरी की ध्यान

वन्दे वांछित कामार्थे चन्द्रार्घकृत शेखराम्।
सिंहरूढ़ा चतुर्भुजा महागौरी यशस्वनीम्।।
पूर्णन्दु निभां गौरी सोमचक्रस्थितां अष्टमं महागौरी त्रिनेत्राम्।
वराभीतिकरां त्रिशूल डमरूधरां महागौरी भजेम्।।
पटाम्बर परिधानां मृदुहास्या नानालंकार भूषिताम्।
मंजीर, हार, केयूर किंकिणी रत्नकुण्डल मण्डिताम्।।
प्रफुल्ल वंदना पल्लवाधरां कातं कपोलां त्रैलोक्य मोहनम्।
कमनीया लावण्यां मृणांल चंदनगंधलिप्ताम्।।

महागौरी की स्तोत्र पाठ

सर्वसंकट हंत्री त्वंहि धन ऐश्वर्य प्रदायनीम्।
ज्ञानदा चतुर्वेदमयी महागौरी प्रणमाभ्यहम्।।
सुख शान्तिदात्री धन धान्य प्रदीयनीम्।
डमरूवाद्य प्रिया अद्या महागौरी प्रणमाभ्यहम्।।
त्रैलोक्यमंगल त्वंहि तापत्रय हारिणीम्।
वददं चैतन्यमयी महागौरी प्रणमाम्यहम्।।

माता महागौरी की कवच

ओंकारः पातु शीर्षो मां, हीं बीजं मां, हृदयो।
क्लीं बीजं सदापातु नभो गृहो च पादयो।।
ललाटं कर्णो हुं बीजं पातु महागौरी मां नेत्रं घ्राणो।
कपोत चिबुको फट् पातु स्वाहा मा सर्ववदनो।।

महागौरी माता की आरती

जय महागौरी जगत की माया। जया उमा भवानी जय महामाया।।
हरिद्वार कनखल के पासा। महागौरी तेरा वहां निवासा।।
चंद्रकली और ममता अंबे। जय शक्ति जय जय मां जगदंबे।।
भीमा देवी विमला माता। कौशिकी देवी जग विख्याता।।
हिमाचल के घर गौरी रूप तेरा। महाकाली दुर्गा है स्वरूप तेरा।।
सती 'सत' हवन कुंड में था जलाया। उसी धुएं ने रूप काली बनाया।।
बना धर्म सिंह जो सवारी में आया। तो शंकर ने त्रिशूल अपना दिखाया।।
तभी मां ने महागौरी नाम पाया। शरण आनेवाले का संकट मिटाया।।
शनिवार को तेरी पूजा जो करता। मां बिगड़ा हुआ काम उसका सुधरता।।
भक्त बोलो तो सोच तुम क्या रहे हो। महागौरी मां तेरी हरदम ही जय हो।।

बिजासन देवी : मन्नत पूरी होने पर माता को अर्पित किए जाते हैं पीतल के घंटे

दूर-दूर तक फैली है ख्याति

भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जो अपनी प्रचलित मान्यताओं को लेकर चर्चा का विषय बने हुए हैं। मध्य प्रदेश के सांची-विदिशा मार्ग पर स्थित देवी बाग के मंदिर में मां बिजासन देवी विराजमान हैं। ऐसा माना जाता है जो भी भक्त देवी के दर्शन करता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और इसके बाद भक्त माता को धन्यवाद देने के लिए मंदिर में पीतल का घंटा अर्पित करते हैं। आइए जानते हैं इस मंदिर के विषय में...

ये है इतिहास

मंदिर की स्थापना को लेकर ऐसा माना जाता है कि नाना साहब पेशवा के नेतृत्व में सेना पानीपत के युद्ध के लिए जा रही थी। सेना में कुल 50 हजार सेना थे। तब उन्होंने इस स्थान पर रुकने के लिए एक छावनी बनाई, जिसे नाना का भाग कहा जाता है। यहां सेना लगभग एक महीने तक रुकी। इस दौरान सैनिकों ने पूजन के लिए एक खुले स्थान पर बिजासन देवी की प्रतिमा स्थापित की। तब यह स्थान एक बगीचे के रूप में था। इसलिए देवी के इस स्थान को देवी का बाग कहा जाता है।

क्यों नहीं है चारदीवारी

माता की मूर्ति एक खुले स्थान में स्थापित है। यहां कोई चहारदीवारी नहीं है। माता की मूर्ति खुले में ही एक वृक्ष की छांव में विराजमान है। ऐसा माना जाता है कि लोगों ने एक पक्का मंदिर बनाने की कई कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। ऐसा कहा जाता है कि सैनिकों ने अपनी सुविधा के अनुसार, एक खुले स्थान पर माता को प्रतिष्ठित किया था और तभी से माता स्थाई रूप से कोई व्यवस्था नहीं चाहती हैं। यही कारण है की देवी का मंदिर आज भी इसी रूप में विराजमान है। माता रानी के साथ-साथ हनुमान जी, गणेश भगवान और शिव परिवार की प्रतिमा भी स्थापित है।

महातारा जयंती : जानें क्यों पड़ा नीला तारा नाम

हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को महातारा जयंती मनाई जाती है। इस दिन मां महातारा की पूजा करने का विधान है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार मां महातारा दस महाविद्या में से शक्ति का उग्र रूप हैं। बता दें कि इसी तिथि पर चैत्र नवरात्रि की अष्टमी भी मनाई जाती है। आइए जानते हैं इस साल महातारा जयंती इस साल कब है और कैसे हुई थी मां महातारा की उत्पत्ति।

वैदिक पंचांग के अनुसार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 15 अप्रैल यानी दोपहर 12 बजकर 11 मिनट पर शुरू हो गई है और इसका समापन 16 अप्रैल को दोपहर 1 बजकर 23 मिनट पर होगा। उदया तिथि के चलते महातारा जयंती 16 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस दिन का अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 55 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 47 मिनट तक है।

कैसे हुई मां महातारा की उत्पत्ति?

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार जब पृथ्वी के उत्पत्ति होने से पहले चारों ओर अंधकार फैला हुआ था। उस समय अंधकार से एक रोशनी प्रकट हुई जिसे मां तारा कहा गया। अंधकार की देवी को मां काली कहा जाता है। अक्षोभ्य नाम के ऋषि पुरुष की शक्ति भी मां तारा है। कहा जाता है की ब्रह्मांड में जितने भी पिंड हैं उन सभी की स्वामिनी देवी मां तारा हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां महातारा की पूजा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

महातारा को क्यों कहा जाता है महानीला या नीला तारा?

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान विष निकला था। देवी-देवताओं की मदद करने के लिए भगवान शिव ने सारा विष पी लिया था और अपने गले में रोक लिया था। इस समय मां भगवती ने भगवान शिव की पीड़ा महसूस की और इसका असर कम करने के लिए शिव जी के शरीर में प्रवेश कर लिया। विष के कारण मां का रंग नीला हो गया जिसके बाद से उनका महानीला और नीलतारा पड़ गया।

रोज 3 बार बदलता है रानगिर देवी की प्रतिमा का रूप

यहां भक्त खुद पर बरसाते हैं हंटर

बुंदेलखंड के सागर में कई प्रसिद्ध और ऐतिहासिक मंदिर हैं, लेकिन, अरण्य पर्वत पर देहार नदी के किनारे स्थित रानगिर माता मंदिर की बात ही निराली है। यहां पर माता अपने भक्तों को तीन रूप में दर्शन देती हैं। सुबह बाल अवस्था यानी वात्सल्य भाव में, दोपहर के समय युवा अवस्था में और शाम को चेहरे पर तेज-लालिमा बिखेरे प्रौढ़ अवस्था में दर्शन देती हैं। बुंदेलखंड का पावन तीर्थ होने की वजह से यहां पर 12 महीने मेला लगा रहता है।

यह मंदिर जितना अद्भुत है, यहां की मान्यताएं भी उतनी ही निराली हैं। नवरात्रि के अवसर पर यहां पर विशेष पूजा अर्चना की जाती है, इसलिए इन 9 दिनों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। अष्टमी और नवमी पर श्रद्धालु छोटे-छोटे बच्चों का मुंडन कराने, भंडारा करने, जवारे चढ़ाने के लिए जाते हैं। वहीं जिन भक्तों को माता के भाव आते हैं, वह भी देवी के दरबार में पहुंचते हैं।

भक्तों की अपार श्रद्धा

यहां पंडो द्वारा खुद के शरीर पर कंटीले तार बरसाए जाते हैं। कील वाली पटरी पर नाचते हैं और बैठते हैं। कील वाली पावड़ी पहनकर चलते हैं। मुंह के आर-पार त्रिशूल का बाना लगाते हैं। भक्तों का कहना है कि यह सब करना किसी चमत्कार से काम नहीं होता, क्योंकि अगर किसी को कांटा भी लग जाए, तो वह उसे सहन नहीं कर पाता है। लेकिन, जब माता की कृपा होती है, तो वह खुद की पीठ पर कटीले हंटर की बरसात कर लेते हैं।

सती माता की रान (जांघ) इस क्षेत्र में गिरी

रानगिर मंदिर सागर मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर रहली रोड पर स्थित है, जो जंगल के बीचो बीच अरण्य पर्वत की चोटी, देहार नदी के किनारे स्थित है। यह मंदिर करीब 400 साल पुराना है। मंदिर के पुजारी विनोद शास्त्री महाराज बताते हैं कि शास्त्रों में ऐसा वर्णन मिलता है कि जब राजा दक्ष के यहां माता सती अपने पति के अपमान की वजह से यज्ञ में कूद पड़ीं तो उसके बाद भगवान शंकर मां सती के शव को कंधे पर लेकर खूब तांडव किया था, तब भगवान विष्णु ने अपने चक्र से सती के शव के टुकड़े कर दिए थे।

इसलिए पड़ा नाम

आगे बताया कि इससे उनके शरीर के अलग-अलग हिस्से विभिन्न जगहों पर गिरे थे। जहां-जहां भी माता सती के शरीर के अंग गिरे, वहां 51 सिद्ध पीठ की स्थापना की गई। उन्हीं में से एक सती माता की रान (जांघ) इस क्षेत्र में गिरी थी। इस वजह से इसका नाम रानगिर हो गया। इस समय नवरात्रि का पर्व चल रहा है रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु सुबह 4:00 से भक्तों की कतार लग जाती है।

मंगलवार के दिन करें ये उपाय

आर्थिक संकट से मिलेगा छुटकारा

सनातन धर्म में मंगलवार का खास महत्व है। इस दिन भगवान हनुमान जी की पूजा-व्रत करने का विधान है। मान्यता है कि इस दिन हनुमान जी की पूजा-व्रत करने से मंगल दोष से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा बिगड़े हुए काम पूरे होते हैं। माना जाता है कि मंगलवार को उपाय करने से व्यक्ति को जीवन की सभी परेशानियों से निजात मिलती है और घर में सुख-शांति का आगमन होता है। यदि आप भी अपना जीवन सुखमय चाहते हैं, तो इसके लिए मंगलवार को यहां बताए गए उपाय जरूर करें। धार्मिक मत है कि इन उपायों को करने से संकटमोचन हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त होगा और घर में खुशियों का आगमन होगा। आइए जानते हैं।

मंगलवार के उपाय

यदि आप आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए मंगलवार के दिन स्नान और ध्यान करने के बाद हनुमान जी को गुलाब के फूलों की माला चढ़ाएं। इस उपाय को लगातार 7 मंगलवार तक करें। मान्यता है कि ऐसा करने से आर्थिक समस्या से छुटकारा मिलता है।

मंगलवार के दिन मिट्टी के बर्तन में शहद डालें और उसके ऊपर ढक्कन लगा दें। इसके बाद उसे हनुमान जी के सामने रख दें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। इसके अलावा सदैव शांति का वास रहेगा।

अगर आप शारीरिक कष्ट की समस्या का सामना कर रहे हैं, तो मंगलवार को हनुमान जी की मूर्ति के सामने एक बर्तन में पानी रखकर हनुमान बाहुक का विधिपूर्वक पाठ करें। इसके बाद जल ग्रहण करें। इसी तरह अगले दिन भी फिर से हनुमान बाहुक का पाठ करें। धार्मिक मत है कि इस उपाय को लगातार 21 दिनों तक करने से शारीरिक और मानसिक परेशानी से छुटकारा मिलता है।

इसके अलावा मंगलवार के दिन राम रक्षा स्त्रोत का पाठ करने से व्यक्ति के जीवन के सभी परेशानी दूर होती है।

अगर आप बुरी नजर के प्रभाव को दूर करना चाहते हैं, तो मंगलवार के दिन जौ के आटे में तेल और काला तिल मिलाकर एक रोटी बनाएं। इस रोटी को गुड़ और तेल से चुपड़कर नजर लगने वाले इंसान के ऊपर 7 या 21 बार उतारकर भैंस को खिलाएं। मान्यता है कि इस उपाय को करने से बुरी नजर का प्रभाव खत्म होगा।

फुले नया मोशन पोस्टर जारी, प्रतीक-पत्रलेखा का दिखा दमदार लुक

प्रतीक गांधी इन दिनों अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।इसके अलावा प्रतीक आने वाले दिनों में हंसल मेहता की वेब सीरीज गांधी महात्मा गांधी की भूमिका में नजर आएंगे। महाराष्ट्र के महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले की जयंती के अवसर पर उनकी बायोपिक फिल्म फुले का नया मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। यह सीरीज इसलिए खास है क्योकि इसमें प्रतीक अपनी पत्नी भामिनी ओझा के साथ पहली बार साझा करने वाली हैं।गांधी में वह कस्तूरबा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी।प्रतीक और भामिनी असल जिंदगी में पति-पत्नी हैं और गांधी में भी पति-पत्नी (गांधी- कस्तूरबा) के किरदार में दिखाई देंगे।भामिनी ने खुशी जताते हुए कहा, मेरे लिए यह किसी सपने के सच होने जैसी बात है। मैं प्रतीक एक साथ एक सीरीज में वो भी पति-पत्नी की भूमिका निभाएंगे। इससे ज्यादा खुशी की बात और क्या हो सकती है।

इस सीरीज में राजकुमार राव की पत्नी-अभिनेत्री पत्रलेखा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।प्रतीक गांधी अपनी आगामी सीरीज गांधी को लेकर बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं। प्रतीक शो में महात्मा गांधी की भूमिका में दिखाई देंगे। प्रतीक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से अपनी पत्नी भामिनी की तस्वीर को साझा करते हुए लिखा है, एक कलाकार के तौर पर मैं भामिनी को थियेटर के दिनों से जानता हूं। मैं उनके सफर का साक्षी रहा हूं। अब एक साथ काम करने वाले हैं यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। मैं भामिनी के लिए बेहद खुश हूं। मैं इस दिन का कब से इंतजार कर रहा था जब उन्हें उनकी क्षमता वाले किरदार मिले और वे उस किरदार के साथ न्याय कर सकें। मैं उन्हें कस्तूरबा किरदार में देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं।हंसल मेहता अप्लॉज एंटरटेनमेंट टीम के साथ मिलकर गांधी का निर्माण कर रहे हैं। हंसल कहते हैं, भामिनी एक जबरदस्त अभिनेत्री हैं। मुझे लगता है वे कस्तूरबा के चरित्र को परदे पर बेहद खूबसूरती के साथ निभा पाएंगी। वहीं अप्लॉज एंटरटेनमेंट के निदेशक समीर नायर कहते हैं, वास्तविक जीवन के जोड़े प्रतीक और भामिनी को मोहन और कस्तूरबा के रूप में लेने का निर्णय हमने इसलिए किया क्योंकि ये दोनों असल जिंदगी में भी पति-पत्नी हैं और यह बात सीरीज को हकीकत के और नजदीक लाएगी।

आपको बताते चलें यह सीरीज इतिहासकार और लेखक रामचंद्र गुहा की किताब गांधी बिफोर इंडिया और गांधी-द इयर्स दैट चेंज्ड द वर्ल्ड पर आधारित होने वाली है।

लगातार 100 दिनों तक सिनेमाघरों में चलने वाली पहली हिंदी फिल्म

जिसने राजेश खन्ना को बनाया था सुपरस्टार

बॉलीवुड में पिछले कई दशकों में कई हिट फिल्में आईं और उन्होंने लोगों का दिल जीता। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिन्हें आज भी लोग देखते हैं और खूब पसंद भी करते हैं। इसका कारण बॉलीवुड के वो स्टार्स थे, जिन्होंने जनता के बीच कुछ ऐसी इमेज बना ली थी उन्हें लोग भगवान की तरह मानते थे। राजेश खन्ना भी उन्हीं सितारों में से एक थे, जब उनकी फिल्म रिलीज होती थी तो सिनेमाघरों में टिकट मिलना मुश्किल हो जाता था और लोग फिल्म देखने के लिए कई दिनों का इंतजार करते थे। उनकी एक फिल्म ने तो पूरे ऑफिस के रिकॉर्ड ही ध्वस्त कर दिए थे। फिल्म लगातार 100 दिनों तक सिनेमाघरों में लगी रही।

इस फिल्म का नाम था आराधना और इसमें राजेश खन्ना के साथ वेटरेन एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर नजर आईं थीं। ये फिल्म रिलीज होने के बाद ही हिट हो गई, देखते ही देखते ब्लॉकबस्टर साबित हो गई। फिल्म साल 1946 में आई टू ईच हिज ओन पर बेस्ड थी। राजेश खन्ना के फैंस के अलावा बाकी लोगों ने भी इस फिल्म को खूब पसंद किया और इसकी वजह से ही फिल्म थिएटर्स से नहीं हटी, ये सिलसिला पूरे तीन महीने से ज्यादा था। यानी एक ही फिल्म सिनेमाघरों में 100 दिनों तक दिखाई जा रही थी।

क्योंकि फिल्म काफी शानदार थी और इसमें राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर की एक्टिंग ने लोगों का दिल जीत लिया था, ऐसे में इसे अवॉर्ड्स मिलना भी तय था। इस फिल्म के लिए इन दोनों को फिल्म फेयर अवॉर्ड दिया गया, साथ ही फिल्म ने और भी अवॉर्ड्स अपने नाम किए। फिल्म का एक गाना भी सुपरहिट हुआ, जिसके बोल मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू।।।थे। आपने भी ये गाना जरूर सुना होगा। फिल्म इतनी हिट थी कि तेलुगू में इसका रीमेक बनाया ये रीमेक भी काफी ज्यादा हिट रही। फिल्म देशभर में कई महीनों नहीं बल्कि करीब तीन साल तक दिखाई गई।

दूरदर्शन से शुरू किया करियर, आईपीएल से बनाई पहचान

डीडीजेएल की प्रीति यानी मंदिरा बेदी की 29 साल बाद देखें तस्वीर

टीवी एक्ट्रेस, बॉलीवुड एक्ट्रेस, स्पोर्ट्स प्रेजेंटर और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर बन चुकी मंदिरा बेदी 15 अप्रैल को अपना 52वां जन्मदिन मना रही हैं। वो बॉलीवुड की सबसे फिट एक्ट्रेस में से एक मानी जाती है और इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने वीडियो की मदद से लोगों को भी फिटनेस के टिप्स देती रहती हैं। लेकिन बहुत कम जानते हैं कि अपनी प्रेगनेंसी को लेकर मंदिरा बेदी को काफी कंट्रोवर्सी भी झेलनी पड़ी थी। आइए उनके जन्मदिन के मौके पर हम आपको बताते हैं मंदिरा बेदी से जुड़े इस किस्से के बारे में।

टीवी से आईपीएल तक का सफर

15 अप्रैल 1972 को कोलकाता में जन्मी मंदिरा ने मुंबई से अपनी पढ़ाई लिखाई पूरी की, इसके बाद 1994 में उन्होंने छोटे पर्दे पर कदम रखा और डीडी नेशनल के सबसे फेमस शो शांति में नजर आई। शांति सबसे लंबे चलने वाले सीरियल में से एक रहा। इसके अलावा वो आहट, औरत, घर जमाई, क्योंकि सास भी बहू थी और 24 जैसे फेमस सीरियल में नजर आ चुकी हैं। मंदिरा बेदी ने सबसे पहले दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे फिल्म से डेब्यू किया, इसके बाद उन्होंने शादी का लड्डू, 10 कहानी, इत्तेफाक, साहो जैसी फिल्में भी की है। लेकिन मंदिरा को शुरू से ही क्रिकेट बहुत पसंद यही वजह थी कि वो लंबे समय तक क्रिकेट मैचों में बतौर टीवी प्रेजेंटर काम करती रही, वह आईपीएल होस्ट करने वाली पहली महिला प्रेजेंटर भी बनीं।

मंदिरा बेदी की प्रेगनेंसी कॉन्ट्रोवर्सी

मंदिरा बेदी ने 1999 में डायरेक्टर राज कौशल के साथ शादी की थी, हालांकि शादी के 12 बाद उन्होंने अपने बेटे को जन्म दिया। इतने लंबे समय बाद बच्चे को जन्म देने को लेकर मंदिरा काफी कंट्रोवर्सी का शिकार हुई थीं, लेकिन एक इंटरव्यू के दौरान मंदिरा ने कहा था कि जब मैं 39 साल की थी तब मैंने एक बेटे को जन्म दिया। दरअसल, मेरे ने मुझे प्रेग्नेंट नहीं होने दिया, मुझे डर था कि अगर मैं प्रेग्नेंट हो गई तो मेरा करियर खत्म हो जाएगा। ये सब मेरे लिए बहुत मुश्किल था लेकिन मेरे पति ने मेरा बहुत साथ दिया।

मानुषी छिल्लर ने स्टायलिश आउटफिट में बिखेरा जलवा

पूर्व मिस वर्ल्ड व एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बड़े मिया छोटे मिया को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। उनका स्टाइलिश लुक देखकर फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर फिल्मों के साथ साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. आए दिन एक्ट्रेस अपनी सिजलिंग पोस्ट से फैंस का दिल अपने नाम करती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद आपका दिल धक-धक करने लग जाएगा. मानुषी ने फ्लोरल ऑफ शोल्डर ड्रेस पहना है. लाइट मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है और बालकनी में खड़े होकर सेक्सी पोज दे रही हैं.पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपने लुक्स से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींचना बखूबी जानती हैं। वहीं उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस भी अक्सर मदहोश हो जाते हैं।मानुषी छिल्लर जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं।एक्ट्रेस की मदमस्त आंखें देख यूजर्स अपना दिल हार बैठे हैं और तारीफों के पुल बांध रहे हैं. मानुषी हाल ही में रिलीज हुई एक्शन फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई हैं. एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर को ये फोटोज पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक हजारों में लाइक्स आ गए हैं।

पलक तिवारी की लेटेस्ट फोटोशूट ने इंटरनेट पर लगाई आग

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी को इंडस्ट्री में भले ही ज्यादा टाइम न बीता हो, लेकिन ग्लैमर वर्ल्ड के तौर तरीके वह अच्छी तरह से हैं। स्लिम और सिजलिंग पलक तिवारी खूबसूरती में बढ़ी से बढ़ी एक्ट्रेस को मात देती हैं।पलक ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया। मूवी को बॉक्स ऑफिस पर भले ही अच्छा रिस्पांस न मिला हो, लेकिन पलक की परफॉर्मेंस काफी सराहा गया। श्वेता तिवारी की बेटी होने के कारण पलक को इंडस्ट्री के दांव पेंच शुरू से पता हैं। पलक तिवारी ने कम काम किया है, लेकिन जितना भी किया उन्हें उस परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली है। उन्होंने साबित किया है कि वह ब्यूटी और टैलेंट में अपनी मां की तरह हैं। पलक की लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रही हैं।ग्रे शिमरी जींस, टॉप और जैकेट में पलक ने कातिलाना फोटोशूट कराए हैं, जिसे देखने के बाद फैंस उन्हें एक टक निहारने को मजबूर हैं। कभी साइड पोज, तो कभी सिडक्टिव स्टाइल पलक तिवारी ने कुछ ऐसी तस्वीरें खिंचवाई हैं कि देखने वाले बस देखते रह जाएं।हॉटनेस से भरी पलक की फोटोज देख लोगों ने उन्हें स्टनिंग एक्ट्रेस बताया है। एक फैन ने कमेंट किया, बिलकुल अपनी मां जैसी लग रही हैं। एक यूजर ने कहा कि पलक तिवारी हर तरह फिट लगती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास। खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं। किताब पढ़कर आप अपनी विचारधारा को और सशक्त कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी आज बिगड़ती सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आज आपको रिश्तों की अहमियत का अंदाज हो सकता है क्योंकि आज के दिन का ज्यादातर समय आप अपने परिवार के लोगों के साथ बिताएंगे। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। इस समाहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहते हैं, लेकिन अगर आप काम टालते रहेंगे तो ख़ुद पर ही खीझ पैदा होने लगेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। अगर आज कुछ ज़्यादा करने को नहीं है तो किसी लाइब्रेरी में समय बिताना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक़ पूरे करने या उन कामों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज़्यादा मज़ा आता है। अगर सफ़र कर रहे हैं तो अपने क़ीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। जब आपसे राय पूछी जाए तो संकोच न करें- क्योंकि इसके लिए आपकी काफ़ी तारीफ़ होगी। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। अपने प्रिय की ग़ैरमौजूदगी में आप ख़ुद को बिल्कुल खाली महसूस करेंगे। वह काम जो आज आप दूसरों के लिए स्वेच्छा से करेंगे, न सिर्फ़ औरों के लिए मददगार साबित होगा बल्कि आपके दिल में ख़ुद की छवि भी सकारात्मक होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है। ऑफिस के दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताना आपके लिए अच्छा नहीं है ऐसा करके आप अपने घर वालों के गुस्से का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बीमारी आपकी उदासी की वजह हो सकती है। आपको परिवार में फिर से ख़ुशी का माहौल बनाने के लिए जल्द-से-जल्द इससे बाहर आने की ज़रूरत है। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है। आज आपका व्यक्तित्व लोगों को निराश कर सकता है इसलिए आपको अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव करने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। मेहमानों के साथ का आनंद लेने के लिए बढ़िया दिन है। अपने रिश्तेदारों के साथ कुछ ख़ास करने की योजना बनाएँ। इसके लिए वे आपकी तारीफ़ करेंगे। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। परिवार के साथ शॉपिंग पर जाना संभव लग रहा है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। कोई ऐसा जिसके साथ आप रहते हैं, आपके लापरवाह और अनिश्चित बर्ताव की वजह से चिढ़ सकता है। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू काम-काज निपटाने में बच्चे मदद करेंगे। खाली वक़्त में उन्हें ऐसे काम करने के लिए उत्साहित करें। आपके प्रिय की तबीयत ख़राब हो सकती हैं । आपकी कम्यूनिकेशन की क्षमता प्रभावशाली साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 16 अप्रैल 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 01:26 तक
नक्षत्र : पुष्य उत्तर रात्रि 05:16 तक
योग : धृति प्रातः 11:15 तक
करण : बव दोपहर 01:26 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , महागौरी पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रियंका गांधी ने अलवर में किया आधा-अधूरा रोड शो

समयाभाव बताकर आधे रास्ते में ही कर दिया समाप्त, कार्यकर्ता करते रहे इंतजार

अलवर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को अलवर लोकसभा के प्रत्याशी ललित यादव के समर्थन में शहर में रोड शो किया। रोड शो प्रियंका गांधी के लिए निर्धारित मार्ग से पहले ही समाप्त कर दिया गया। बताया जा रहा है समय अभाव के कारण उनका रोड शो पूरे मार्ग तक नहीं हुआ। पूरे शहर में सुरक्षा के माकूल बंदोबस्त थे। जगह-जगह पुलिस दल तैनात थे। हर पुलिस अधिकारी को अलग-अलग इलाके में लगाया गया था। तीन स्तर की सुरक्षा व्यवस्था थी। करीब एक दर्जन पुलिस अधिकारियों के अलावा करीब पुलिस कर्मी तैनात किये गये। इसके अलावा सिविल ड्रेस में भी पुलिस तैनात थी। रोड शो के दौरान

शहर का रास्ता आमजन के वाहनों के लिए बंद रहा। ये रोड शो करीब डेढ़ किलोमीटर का रहा। जिसमे प्रियंका गांधी सभी का अभिवादन करती नजर आईं।

प्रियंका की गाड़ी को ने अपने सुरक्षा घेरे में ले रखा था। वह खुले वाहन में थीं, उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, कांग्रेस उम्मीदवार ललित यादव, टीका राम जूली, कांग्रेस के सभी विधायक सहित अनेक नेता मौजूद थे। रोड शो की शुरुआत कंपनी बाग के समीप शहीद से शुरू हुआ, जो मन्नी का बढ़, चर्च रोड, नगर निगम, होप सर्कस, कलाकंद मार्केट, घंटाघर, काशीराम चौराहा, रोड नंबर 2, तक चला। समय के अभाव के कारण इस रोड शो को काशी राम चौराहे से निकलते ही समाप्त कर दिया गया। भगत सिंह सर्किल पर सैकड़ों कार्यकर्ता इंतजार रहे। इस रोड शो में अलवर संसदीय क्षेत्र की आठ विधान सभा क्षेत्र से जुड़े हजारों लोगों ने भाग लिया।

70 फीट गहरे कुएं में गिरा बछड़ा गोताखोरों ने सुरक्षित निकाला

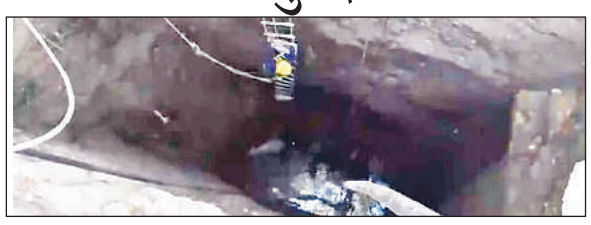

उदयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

शहर के शोभागपुरा पंचायत की प्रगति नगर कॉलोनी के कुएं में सोमवार सुबह गाय का बछड़ा गिर गया। मौके पर पहुंचे सिविल डिफेंस के गोताखोरों ने उसको सुरक्षित निकाल कर पशुपालक को सुपुर्द कर दिया। जानाकरी के अनुसार सुबह 8 बजे पशुपालक कालूलाल की गाय का बछड़ा कुए में गिर गया। उसने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस ने ये जानकारी नागरिक सुरक्षा विभाग के उप नियंत्रक गीतेश मालवीय को दी। मालवीय के नेतृत्व में गोताखोर सुरेश सालवी, हितेश सोलंकी, विपुल चौधरी, रवि शर्मा, पुष्कर चौधरी, धर्मसिंह गुर्जर मौके पर पहुंचे। कुएं में पानी की गहराई 70 फ़ीट थी। गोताखोरों ने कुएं के ऊपर से सीढ़ियां सीढ़ी के सहारे दो गोताखोर कुएं में उतरे। उन्होंने गाय के बछड़े को रस्सों से बांधकर ऊपर सुरक्षित बाहर निकलकर मालिक को सुपुर्द कर दिया।

रेलगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

अजमेर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ के मदनगंज थाना क्षेत्र के मालियों की ढाणी रेलवे पर रेलगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गयी है। रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की सूचना क्षेत्रवासियों ने पुलिस को सोमवार को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को किशनगढ़ के राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया। मृतक की पहचान किशनचंद (35) निवासी वार्ड 4 रामदेव कालोनी, गांधीनगर थाना किशनगढ़ के रूप में हुई है।

भाजपा राज्य की सभी 25 सीटों के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है: पटेल

अजमेर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान के संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि कांग्रेस के हालात बहुत खराब हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश में 400 पार और राज्य में 25 सीटों लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। अजमेर आए श्री पटेल ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस में हताशा और हड़कंप मचा है। उन्हें लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार ही नहीं मिले, सात पर तो बिल्कुल ही नहीं मिलें। तीन सीटों पर उम्मीदवार बदलने पड़े । में राज्य में कांग्रेस की स्थिति का सहज पता लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग भाजपा की ओर आकर्षित होकर सदस्यता ले रहे हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि भाजपा राम के भरोसे चुनावी मैदान में है और सफलता दिखाई दे रही है। राजस्थान में 10 अधिक सीट मार्जिन से ज्यादा वोटों से जीतेंगे। भाजपा की केन्द्र और राजस्थान की योजनाएं जन-जन तक पहुंच रही है और हमें पूरा भरोसा

है कि लक्ष्य हासिल करेंगे। एक सवाल के जवाब में श्री पटेल ने कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की साख को बढ़ावा देने लिए मजबूती से काम करेंगे।

श्री पटेल को अजमेर में अधिवक्ता परिषद राजस्थान चित्तौड़ प्रांत संस्थान की ओर से 10 सूत्रीय मांग पत्र देते हुए राजस्व न्यायालयों में सदस्यों की नियुक्ति करने की मांग की गयी। मांग पत्र में बताया गया कि राजस्व मंडल राजस्थान अजमेर मुख्यालय पर अध्यक्ष 20 सदस्यों का प्रावधान है, लेकिन पदों पर सदस्य के नहीं होने से न्याय में विलंब होता है। ज्ञापन में यह भी मांग उठायी गयी कि काश्तकार एवं अन्तिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचे और भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त करने के क्रम में अयोग्य, अक्षम तथा भ्रष्ट आचरण वाले सदस्य नियुक्ति न की जाये। पटेल का अजमेर पहुंचने पर पूर्व मंत्री श्रीकिशन सोनगरा, उपमहापौर नीरज जैन, भाजपा मीडिया सहप्रभारी रचित कछावा के अलावा अधिवक्ताओं ने स्वागत किया।

हनुमान बेनीवाल के गढ़ में ज्योति की ललकार, बोलीं-

मेरे कार्यकर्ता के सामने आंख उठाई तो सोट मार मारकर हालत कर देंगे खराब

नागौर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

भाजपा की प्रत्याशी ज्योति मिर्धा ने सोमवार को हनुमान बेनीवाल को एक और बड़ी चुनौती दे डाली। इंडी गठबंधन के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल के उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ खिलाफ दिए गए बयान के बाद ज्योति मिर्धा हनुमान बेनीवाल पर जबरदस्त हमलावर हो गई हैं। आज बेनीवाल के गढ़ खींवसर में ज्योति मिर्धा ने हनुमान बेनीवाल पर इतना तीखा हमला बोला कि भाजपा के कार्यकर्ताओं में जोश भर गया।

दरअसल ज्योति मिर्धा ने अपने भाषण में हनुमान बेनीवाल तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने भय का वातावरण फैला रखा है। वो कहते हैं कि राज किसी का हो काम मेरे कहने से होंगे। मैं नेताजी

को खुली चुनौती दे रही हूं कि बिना भाजपा नेताओं-कार्यकर्ताओं की इच्छा के लट्टू भी जल जाएं तो मेरा नाम बदल ज्योति यहीं नहीं रुकीं और आगे कहा कि अगर मेरे एक भी कार्यकर्ता पर आंख उठाकर देखा तो सोट (लाठी) मार मारकर हालत खराब कर देंगे। दरअसल गत शुक्रवार 12 अप्रैल को लाडनूं के ललासरी गांव में इंडी गठबंधन के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल द्वारा उप राष्ट्रपति के खिलाफ दिए के बाद ज्योति मिर्धा हमलावर हो गई हैं। बेनीवाल ने गत शुक्रवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ को लेकर बयान दिया था, जिसमें बेनीवाल ने कहा था कि धनखड़ सरपंच का चुनाव भी नहीं जीत सकते। इसके बाद ज्योति मिर्धा बेनीवाल पर जबरदस्त तीखे बयान दे रही हैं।

पुलिस स्थापना दिवस पर आचार संहिता के मद्देनजर होंगे औपचारिक कार्यक्रम

जयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान पुलिस के स्थापना दिवस पर मंगलवार को में लोकसभा चुनावों की आचार संहिता के मद्देनजर पुलिस मुख्यालय सहित पुलिस आयुक्तालय, पुलिस रेंज, पुलिस जिलों, पुलिस प्रशिक्षण संस्थान और यूनिट में औपचारिक कार्यक्रम होंगे।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि लोकसभा चुनावों की आचार संहिता के मद्देनजर इस बार पुलिस स्थापना दिवस को औपचारिक से मनाने का निर्णय लिया गया है। बाद में जून के तीसरे सप्ताह में दो दिन राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के सिलसिले में पारम्परिक आयोजन होंगे।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को पुलिस स्थापना दिवस पर प्रदेश में पुलिस आयुक्तालय, पुलिस रेंज और पुलिस जिलों सहित पुलिस प्रशिक्षण संस्थान और में उपलब्ध पुलिस बल के साथ अधिकारी सम्पर्क सभा करेंगे। इन सम्पर्क सभाओं में पुलिस आयुक्त, महानिरीक्षक पुलिस रेंज, पुलिस अधीक्षक, उपायुक्त या कमांडेंट महानिदेशक पुलिस, राजस्थान का संदेश पढ़ेंगे और अपनी यूनिट के कार्यों के बारे में चर्चा करेंगे।

अंबाला पुलिस ने सवा दो करोड़ की हेरोइन के साथ दो आरोपियों को दबोचा

अंबाला, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली से लाकर अंबाला में हेरोइन की सप्लाई करने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। सीआईए-1 की टीम ने दो नशा तस्कर को काबू किया है। आरोपियों एक महेश नगर के बब्याल निवासी रजनीश उर्फ लाडी है तो दूसरा दिल्ली के चंद्र विहार विकास विहार निवासी अमरजीत सिंह है। पुलिस अधीक्षक जश्नदीप सिंह रंधावा ने बताया कि 12 अप्रैल को महेश नगर निवासी रजनीश उर्फ लाडी को कार सहित 400 ग्राम हेरोइन के साथ काबू किया मौके से ही करीब 2 लाख रुपये 90 हजार की नगदी बरामद की थी।

पकड़ी गई हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 2 करोड़ 15 लाख रुपये है। पांच दिन के रिमांड में आरोपी रजनीश ने मुख्य

सप्लायर का नाम उगला तो टीम ने अमरजीत सिंह को मुरथल से स्विफ्ट गाड़ी के साथ दबोचा। अमरजीत को 1 दिन के रिमांड पर लिया है। उनके जरिये इस नशा तस्करी में शामिल अन्य आरोपियों तक भी पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। आखिर वह कहां से लाते थे और कहां-कहां सप्लाई किया करते थे। पुलिस अधीक्षक जश्नदीप सिंह ने बताया कि आरोपी रजनीश उर्फ लाडी पर पहले भी दो मामले दर्ज हैं। पहला मामला थाना महेश नगर में 15 जनवरी 2022 को आर्म्स एक्ट व दूसरा मामला 5 दिसंबर 2023 को धारा 498 के तहत मामला दर्ज है। रजनीश काफी समय से नशे की तस्करी करता है। की फाइनेंशियल इनवेस्टिगेशन करेंगे। प्रॉपर्टी बनाई है उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। पकड़ी गई दोनों गाड़ियों की भी जांच करवाई जाएगी कि कहीं वह चोरी की तो नहीं। अमरजीत का भी अपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चुनावों को लेकर एक विशेष अभियान जा रहा है।

कनीना स्कूल बस हादसे में दो और आरोपी गिरफ्तार, अब तक सात हो चुके अरेस्ट

महेंद्रगढ़, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

जिले के कनीना में पिछले सप्ताह गुरुवार को उन्हानी के पास हुए सड़क हादसे के मामले में पुलिस ने दो ओर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान सेहलंग निवासी और नरेश उर्फ कालिया के रूप में हुई। मामले में आरोपी बस चालक धर्मेंद्र और उसके दो साथी भूदेव और नरेश उर्फ कालिया को सोमवार को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में बस चालक के दो साथियों को पहले गिरफ्तार कर न्यायिक में भेजा जा चुका है।

स्कूल बस चालक ने शराब का सेवन किया हुआ था, शराब के नशे में चालक बस चलाने का आरोप था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी और मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जांच करते हुए पता लगाया कि बस चालक ने सेहलंग में बस में अपने साथियों के साथ बैठकर शराब पी थी।

पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा के दिशा-निर्देशों में मामले में कार्रवाई के लिए डीएसपी कनीना के नेतृत्व में सीआईए महेंद्रगढ़, थाना शहर कनीना की का गठन किया गया। एसपी के निर्देशानुसार पुलिस द्वारा मामले में तत्परता से कार्रवाई की गई। टीम द्वारा मामले में अबतक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। टीम ने बस चालक धर्मेंद्र का लाइसेंस रद्द कराने के लिए आरटीए विभाग को लिखकर भेज दिया है। स्कूल की कक्षा की छात्रा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। छात्र ने बस चालक, स्कूल प्रिंसिपल और स्कूल प्रशासन के खिलाफ शिकायत दी। छात्रा ने बताया कि बस चालक ने शराब पी रखी थी। जिसको बार बार बस धीरे चलाने की कहने पर भी बस तेज चला रहा था उन्हानी के पास बस पलट गई और पेड़ के टकराने से बस में बैठे बच्चे घायल हो गए और कुछ की मौके पर ही मौत हो गई।

युवक की हत्या मामले में तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा

सोनीपत, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. संजीव आर्य ने की हत्या के मामले में तीन आरोपियों को दोषी करार दिया है। दोषियों को उम्रकैद के साथ ही 10-10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। मृतक युवक मुख्य आरोपी का साथी था। घटना से दो माह पहले कहासुनी की रंजिश में उसे पार्टी के बहाने बुलाने के बाद पिलाकर हत्या कर दी गई थी।

अदालत ने लल्हेड़ी निवासी रजनीश उर्फ भोलू उर्फ मीता, उसके दोस्त पानीपत के गांव मनाना निवासी अमित व सोनीपत के वेस्ट रामनगर निवासी प्रिंस को सजा सुनाई है। टीडीआई के पास नांगल कलां की खाली पड़ी जमीन पर 3 जून, 2020 को युवक शव पड़ा मिला था। उसकी धारदार हथियार से हमला कर हत्या की गई थी। गांव नांगल कलां के चौकीदार ने कुंडली थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी थी। जिस पर पुलिस ने अज्ञात पर हत्या कर शव को खुर्द-बुर्द करने का मुकदमा दर्ज किया था।

कुंडली थाना के प्रभारी रवींद्र कुमार की टीम ने कार्रवाई करते हुए पानीपत के गांव मनाना निवासी अमित को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी ने बताया था कि उसने अपने साथी लल्हेड़ी के भोलू व भोलू के एक साथी संग मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। उसने बताया था कि वह मृतक नहीं जानता था। उन्होंने चाकू व राड से हमला कर वारदात को अंजाम दिया था। बाद में पुलिस ने पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए वेस्ट रामनगर के प्रिंस को भी गिरफ्तार कर लिया था। जिसके बाद शव की पहचान रोहतक के गांव सांघी व घटना के समय के वेस्ट रामनगर निवासी साहिल के रूप में हुई। उसने बताया था कि साहिल उसका व भोलू का दोस्त था। दो माह पहले भोलू के साथ कहासुनी हो गई थी। जिसकी रंजिश में 2 जून, 2020 की रात को उन्होंने साहिल को पार्टी देने के बहाने घर से बुलाया वह उसे लेकर मैक्स हाइट, बढ़खालसा के पास ले गए थे। वहां पर शराब पिलाने के बाद साहिल की हत्या कर दी थी। बाद में वह शव को खुर्द-बुर्द करने के लिए टीडीआई के पास गड्ढे में फेंक कर आ गए थे। पुलिस ने आधुनिक तकनीकों की मदद से अमित और फिर प्रिंस को गिरफ्तार किया था।

वैश्य समाज एनडीए से नाराज, कहा-

भाजपा से टिकट काटने का लेंगे बदला, दो के बदले चार हराएंगे

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

बिहार की दो लोकसभा सीटों से टिकट काटे जाने से नाराज चल रहे वैश्य समाज ने भाजपा से दो का बदला चार से लेने का एलान किया है। वैश्य समाज ने प्रतिनिधियों ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी से बैर नहीं है लेकिन राज्य की चार सीटों पर भाजपा-एनडीए की खैर नहीं है। समाज ने राज्य की चार लोकसभा सीटों पर एनडीए को हराने का अभियान चला रखा है। औरंगाबाद आए वैश्य चेतना मंच के प्रदेश अध्यक्ष सुंदर साहु और उपाध्यक्ष अनील कुमार अनल ने कहा कि जनसंघ के जमाने से वैश्य समाज ने भाजपा को सींचने का काम किया है लेकिन अब यहां वैश्यों को हटाने का काम हो रहा है। रक्षा मंत्री व भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने अपने पसंदीदा उम्मीदवारों को टिकट दिलाने के लिए मोतिहारी से वैश्य महासम्मेलन की अध्यक्ष रमा देवी का मोतिहारी से और सीतामढ़ी से सुनील कुमार पिंटू का सीतामढ़ी से टिकट कटवाने का काम किया। भाजपा ने हमारी दो सीटें काटी, हम उन्हें चार लोकसभा सीटों पर हराने का काम करेंगे।

सुंदर साहु ने कहा कि नगर निकाय चुनाव में औरंगाबाद नगर परिषद के मुख्य पार्षद एवं उप मुख्य पार्षद की अति पिछड़ा सीट पर वैश्य समाज के बेटे चुनाव लड़ रहे थे लेकिन उस वक्त यहां के सांसद सुशील सिंह और उनके पूरे परिवार ने अपना वोट डालना तक मुनासिब नहीं समझा। वह किसी भी उम्मीदवार को वोट देते, कोई देखने नहीं जा रहा था लेकिन उन्होंने वोट नहीं डाला। अब सुशील सिंह चुनाव मैदान में आकर वैश्य समाज से भी वोट मांग रहे हैं। जब वें हमारे समाज को वोट नहीं दे सकते तो फिर किस मुंह से समाज से वोट मांग रहे हैं। इसी वजह से समाज औरंगाबाद की सीट पर भाजपा को हराने के अभियान पर हैं। औरंगाबाद में हमारे समाज का 1 लाख 72 हजार वोट है। इतना वोट किसी भी उम्मीदवार को हराने के लिए काफी है और यह वोट राजद के उम्मीदवार अभय कुशवाहा को देकर भाजपा को यहां हराया जाएगा। कहा कि आरा की सीट पर भाकपा माले के सुदामा प्रसाद लोकसभा चुनाव लड़ रहे है। वह अपने समाज के है। इस नाते स्वाभाविक रूप से उन्हें वोट करना समाज का दायित्व बनता है और समाज अपने दायित्व का निर्वहन करेगा। शिवहर और सीतामढ़ी की सीट पर भाजपा ने क्रमशः रामा देवी व सुनील कुमार पिंटू का टिकट काटा है। इसी कारण इन दोनों सीटों पर समाज भाजपा को हराएगा।

सुंदर साहु ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 16 सीटो पर वैश्य समाज के नेताओं को उम्मीदवार बनाया था। समाज ने दिल खोलकर उम्मीदवारों का साथ दिया और सभी 16 उम्मीदवार चुनाव जीते क्योंकि राज्य में हमारे समाज की आबादी 22 प्रतिशत है। इसी वजह से समाज ने भाजपा से मगध और शाहाबाद प्रमंडल में एक-एक सीट समेत राज्य में अपनी आबादी के अनुरूप 10 लोकसभा सीटों की मांग की थी लेकिन इस मांग को स्वीकार करने के बजाय उल्टे समाज की दो सीटों की टिकटे काट दी। वही इंडी गठबंधन ने हमारे समाज का सम्मान किया। राजद ने शिवहर की सीट रितू जायसवाल को दी जबकि भाकपा माले ने आरा की सीट सुदामा प्रसाद को दी। इन्हीं वजहों से समाज ने इन चार सीटों पर इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों को समर्थन कर भाजपा को हराने का काम कर रहा है। कहा कि राजद अब पहले वाला नहीं है। लालटेन अब लालू प्रसाद के हाथ में नहीं बल्कि तेजस्वी यादव के हाथ में है। तेजस्वी हर कदम फूंक-फूंक कर रख रहे हैं। वह हर समाज को सम्मान दे रहे हैं। इस वजह से लोग राजद के साथ जुड़ रहे हैं। वहीं प्रदेश उपाध्यक्ष अनील कुमार अनल ने कहा कि बिहार में 40 में से 4 लोकसभा सीटों पर हार हो जाने के बावजूद भाजपा कमजोर नहीं होंगे। प्रधानमंत्री तो पुनः नरेंद्र मोदी ही बनेंगे। उनसे समाज को कोई बैर नहीं है। हमारा मकसद समाज के साथ हुई नाइंसाफी का हिसाब चुकता करना है। भाजपा को आगे से समाज का टिकट नहीं काटने के लिए सावधान करना है। इसलिए हम दो टिकट काटे जाने के बदले भाजपा को चार लोकसभा सीटों पर हराने में लगे है। समाज इन चार सीटों को छोड़कर अन्य शेष सीटों पर एनडीए की मदद कर चुनाव जिताने का काम करेगा। महाराणा को जिता सकते तो हरा भी सकते-कहा कि हम भामाशाह के वंशज है। दिल से साथ देना जानते है और नाइंसाफी होने पर बदला चुकाना भी जानते हैं। भामाशाह ने प्रताप को मदद कर फिर से महाराणा बनाने का काम किया था। आज हमारे साथ नाइंसाफी हुई। इसी कारण हम दो का बदला चार से ले रहे है। शेष सीटों पर तो हम सहयोग कर ही रहे है। प्रेसवार्ता में प्रेमनाथ साहू, पूर्व नगर पार्षद उपेंद्र नाथ, बीजेपी नेता अनील गुप्ता एवं टूना गुप्ता आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं ने दिया उदीयमान सूर्य को अर्घ्य

घाटों पर भीड़, 36 घंटे के निर्जला व्रत का भी समापन

पटना (एजेंसियां)।

लोक आस्था का पर्व चैत्र छठ आज संपन्न हो गया। चार दिवसीय पर्व के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। व्रतियों के 36 घंटे का निर्जला उपवास का भी समापन हो गया। इधर, पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया, पूर्णिया, बेगूसराय, खगड़िया समेत सभी 38 जिलों के छठ घाटों पर अहले सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। फल और प्रसाद से भरा दउरा-सूप लेकर भगवान भास्कर की उपासना की। भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने छठ का प्रसाद खाया और व्रत खोला।

रविवार की शाम और सोमवार की सुबह व्रतियों ने विभिन्न छठ घाटों पर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। छठ महापर्व को लेकर पूरे बिहार में भक्ति का माहौल बना रहा चारों ओर छठ मैया के गीत गूंजते रहे। पटना के सभी गंगा घाट, मुजफ्फरपुर के बूढ़ी गंडक नदी के सभी तट, अखाड़ा घाट, सीढ़ी घाट, चंदवारा घाट, लकड़ीदाही घाट के साथ-साथ साहू पोखर, मंदिर घाट, पड़ाव पोखड़ घाट, ब्रह्मपुरा घाट पर भी सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े थे। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने अपने घरों और तालाबों में भी अर्घ्य दिया। और भगवान भास्कर से अपनी मुरादें मांगी।

मुंडन कार्यक्रम में गई बारहवीं की छात्रा की नदी में डूबने से मौत

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के आरा के बड़हरा थाना क्षेत्र के केशवपुर घाट पर गंगा नदी में डूबने से एक छात्रा की मौत हो गई। छात्रा इंटर की पढ़ाई करती थी। वह अपने पड़ोसी की बेटी के मुंडन कार्यक्रम में गई थी। मृत छात्रा की पहचान पीरो थाना क्षेत्र के तिलाठ गांव निवासी राजेंद्र राम की बेटी शारदा कुमारी (17) के रूप में हुई है।

मृत छात्रा के चाचा विक्की ने बताया कि उनके पड़ोसी संटू की बेटी अनुष्का का मुंडन कार्यक्रम था, जिसको लेकर सभी लोग केशवपुर घाट पर गए थे। जहां पर

शारदा गंगा नदी में नहाने चली गई। नहाने के दौरान गहराई का पता नहीं चल पाया, जिसकी वजह से वह नदी में डूब गई। इसके बाद परिजनों द्वारा दो घंटे तक गंगा नदी में उसकी काफी खोजबीन की गई। काफी मशक्कत करने के बाद उसे परिजनों द्वारा पानी से बाहर निकाला गया। इसके बाद परिजन उसे आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन द्वारा इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई।

वहीं, सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंची। फिर शव को कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम आरा सदर अस्पताल में करवाया। बताया जा रहा है कि मृत छात्रा अपने दो भाई और दो बहन में तीसरे स्थान पर थी। उसके परिवार में मां ललिता देवी, दो भाई सिकंदर राम और छोटू राम तथा एक बहन सोनी कुमारी है। घटना के बाद मृत छात्रा के घर में कोहराम मच गया है।

कन्हैया को प्रत्याशी बनाए जाने पर गिरिराज बोले-

कांग्रेस रिजेक्ट लोगों को बना रही उम्मीदवार

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट से एनडीए के उम्मीदवार सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह इन दिनों लगातार विपक्ष पर हमलावर हैं। इसी सिलसिले में उन्होंने दिल्ली से कन्हैया कुमार को कांग्रेस का उम्मीदवार बनाए जाने पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस निराशा से भरी हुई पार्टी है। उसको कोई उम्मीदवार नहीं मिल रहा है, तब वह रिजेक्ट लोगों को अपना उम्मीदवार बना रही है। दुनिया की कोई ताकत मनोज तिवारी को नहीं हरा सकती।

वहीं, भाजपा नेता गिरिराज ने तेजस्वी यादव के द्वारा एनडीए गठबंधन को 100 सीट लाने के बयान पर भी पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि देहात में कहावत है कि चलनी दुसलक सूप के। जिनमें अपने सहस्त्र छेद हैं, वह आज एनडीए को चुनौती देने चले हैं। भारत की जनता विकास चाहती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विकास पुरुष के रूप में देख रही है।

नरेंद्र मोदी ही ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने चंद्रमा पर चंद्रयान को पहुंचाया तो गांव देहात में मजदूर किसानों, विश्वकर्मा समाज के लोग, बढ़ई, चर्मकार और कुंभकार जैसे लोगों को भी रोजगार दिलाने के अवसर प्रदान कर रहे हैं। उनकी आर्थिक रूप से मदद की जा रही है। दूसरे किसी व्यक्ति से ऐसी उम्मीद करना निरर्थक है।

वहीं, उन्होंने तेजस्वी यादव द्वारा लगातार नौकरी देने के बयान पर कहा कि माल महाराज का और मिर्जा खेले होली। बिहार में जो भी नौकरियां दी गईं, उसकी भूमिका एनडीए सरकार में ही बनाई गई थी। बाद में नीतीश कुमार के हस्ताक्षर से बिहार में लोगों को नौकरियां प्राप्त हुईं। तेजस्वी यादव को अगर बताना है तो वह यह बताएं कि उनके पास पांच विभाग थे, उन विभागों में उन्होंने कितनी नौकरियां दी हैं। यह सिर्फ आम लोगों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं।

बिहार में राज्यपाल से बड़े आईएएस!

केके पाठक को समय देकर आधे घंटे गवर्नर ने किया इंतजार

पटना (एजेंसियां)।

राजभवन और शिक्षा विभाग के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। इस बात पर फिर से मुहर तब लग गई जब शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक आज भी राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर के बुलावे पर राजभवन नहीं पहुंचे। ऐसा दूसरी बार हुआ जब जब भी राजभवन के बुलावे पर केके पाठक बैठक में नहीं गए। इतना ही नहीं राज्यपाल आधे घंटे तक इंतजार भी करते रहे। लेकिन, इसके बावजूद जब केके पाठक नहीं आए तो राज्यपाल एक कार्यक्रम में शामिल होने चले गए।

बताया जा रहा है कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर के प्रधान सचिव रॉबर्ट एल चोंग्थू ने इसको लेकर शिक्षा विभाग के अपर

मुख्य सचिव केके पाठक को पत्र भेजकर आने को कहा था। राजभवन में आईएएस केके पाठक को 10 बजे पहुंचना था। राज्यपाल के प्रधान सचिव रॉबर्ट एल चोंग्थू ने इसको लेकर आईएएस केके पाठक को पत्र भेजकर आने को कहा था। तीस मिनट इंतजार करने के बाद राज्यपाल एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हो गए।

वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ताओं ने केके पाठक का विरोध किया। कार्यकर्ता केके पाठक का आवास घेराव करने पहुंच गए। इनलोगों ने जमकर हंगामा किया और शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के इस्तीफे की मांग करने लगे। हालांकि, सूचना मिलने ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश। पुलिस और कार्यकर्ता के बीच हल्की झड़प भी हुई।

बैंक में पैसा जमा कराने जा रहे व्यापारी से दो लाख की लूट

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की राजधानी पटना के खुसरूपुर में बैंक में पैसा जमा कराने जा रहे चाय पत्ती व्यापारी से अपराधियों ने हथियार के बल पर दो लाख रुपये लूट लिए। लूटपाट का विरोध करने पर अपराधियों ने व्यापारी को पिस्तौल के बट से मार कर घायल कर दिया। घायल अवस्था में व्यापारी को इलाज के लिए पास के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

खुसरूपुर प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि घायल व्यापारी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है।

शादी के चार दिन पहले उठी दूल्हे की अर्थी कार्ड बांटकर लौटने के दौरान ट्रक ने कुचला

पटना (एजेंसियां)।

भोजपुर के कोईलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत हरीपुर गांव के समीप आरा-छपरा फोरलेन पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो भाइयों को रौंद दिया। हादसे में एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। दोनों आपस में चचेरे भाई थे। एक्सीडेंट होते ही चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा अस्पताल भेज दिया।

मृतक सारण (छपरा) जिला के डोरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत रायपुर बिंदगावां गांव निवासी स्वर्गीय बिजनंदन राम का पुत्र राजेश कुमार (24) था। राजेश बालू घाट पर काम करता था। जबकि जख्मी उसी गांव के निवासी राम बाबू राय का पुत्र और मृतक का चचेरा भाई मुकेश कुमार (15) है। घायल मुकेश कुमार ने बताया

कि वह राजेश कुमार के साथ उसके ही शादी का कार्ड बांटने के लिए पटना जिला के हरदी छपरा स्थित अपने रिश्तेदार के घर गया था। कार्ड देकर जब वह दोनों बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे, तभी हरीपुर गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रहे बालू लदे ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। घटना होते ही आसपास के लोग उधर दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और अग्रतर कार्रवाई में जुट गई।

मृतक राजेश कुमार की शादी इसी माह 19 अप्रैल को बड़हरा थाना क्षेत्र के कोल्हरामपुर (पचरुखिया) गांव में होने वाली थी। अपनी शादी का कार्ड बांटने गया राकेश कुमार काफी खुश था। लेकिन, उसके सिर पर सेहरा सजाने से पहले ही उसकी अर्थी उठ गई। जहां एक तरफ उसके घर में उसकी शादी को लेकर लोगों में खुशियों का माहौल था। वही उसके मौत की खबर मिलते ही खुशी का माहौल मातम में तब्दील हो गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com